



@Qpatrika



@qaumipatrika
hindi



instagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026

VISIT:

www.qaumipatrika.in

Email: qpatrika@gmail.com

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 347 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बब्बर का आरोप है कि 1984 के सिख नरसंहार अभियान को लेकर बिश्नोई गिरोह ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है

“नवंबर 1984 के सिख नरसंहार के बारे में लिखना और बोलना बंद करो,” फोन करने वालों ने उनसे कहा

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर। वरिष्ठ पत्रकार गुरचरन सिंह बब्बर ने आरोप लगाया है कि लॉरेंस बिश्नोई से जुड़े हमलावर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की बार-बार धमकी दे रहे हैं और उन्हें नवंबर 1984 के सिख नरसंहार के बारे में लिखने और बोलने से रोकने का आदेश दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये धमकियां उनके फोन पर अंतरराष्ट्रीय कॉल के रूप में प्रदर्शित हो रही हैं। बब्बर के अनुसार, फोन करने वालों ने विशेष रूप से उनसे 1984 की हत्याओं के बारे में लिखना और बोलना बंद करने की मांग की। उन्होंने बताया कि इससे पहले एक फोन करने वाले ने उन्हें चेतावनी दी थी कि उनका भी वही हज़्र होगा जो सिद्धू मूसे वाला का हुआ था। सिख टाइम्स के प्रधान संपादक और अखिल भारतीय सिख सम्मेलन (बब्बर) के अध्यक्ष बब्बर ने बताया कि उन्होंने सोमवार को पुलिस के आपातकालीन नंबर 112 पर धमकियों की सूचना दी थी। उनके अनुसार, मुखर्जी नगर पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह ने उन्हें फोन किया और पूछा कि कॉल कहाँ से आ रहे हैं। बब्बर ने बताया कि उसने अधिकारी को बताया कि जब कॉल आए तो उसके फोन पर “अंतर्राष्ट्रीय कॉल”

लिखा हुआ दिखाई दिया। उसने अधिकारी को यह भी बताया कि उसे अभी-अभी एक और कॉल आया था जिसमें कॉलर ने उसे फिर से जान से मारने की धमकी दी थी। यह ताजा बयान 17 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस आयुक्त और 19 अक्टूबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखित शिकायतों के बाद आया है, जिनमें बब्बर और उनके परिवार के लिए तत्काल सुरक्षा की मांग की गई थी। दोनों शिकायतों की प्रतियों में हमले की आशंका और इस आरोप का जिक्र है कि धमकियां उनके काम को दबाने के उद्देश्य से दी गई थीं। 17 अक्टूबर को अपनी शिकायत में बब्बर ने कहा कि उन्हें आशंका है कि उनके आवास, कार्यालय और प्रिंटिंग प्रेस में उनकी गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही है। उन्होंने पुलिस से यह जांच करने का अनुरोध किया कि क्या इन धमकियों में भाड़े के शूटर और उन्हें निर्देश देने या वित्तपोषण करने वाले लोग शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी और उनके अपराधिक सहयोगी उनकी हत्या के प्रयास के पीछे हो सकते हैं। उन्होंने इन आशंकाओं को नवंबर 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों के लिए जवाबदेही की मांग करने वाले अपने अभियान और राजनीतिक नेताओं और पुलिस अधिकारियों की कथित संलिप्तता से संबंधित अपने पास मौजूद सबूतों से जोड़ा। अमित शाह को 19 अक्टूबर को दी गई अपनी अपील में बब्बर ने आरोप

लगाया कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को बार-बार



लिखित चेतावनी देने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने दिल्ली पुलिस और सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों के बीच मिलीभगत का भी आरोप लगाया

और कहा कि अगर उनकी हत्या होती है तो वे पुलिस को जिम्मेदार ठहराएंगे। “ये लोग मेरी कलम और मेरी आवाज़ को दबाना चाहते हैं,” उन्होंने अपनी अपील में लिखा। उन्होंने कहा कि हमलावरों के खतरे के कारण उनके लिए घर से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। कॉल करने वालों की पहचान, कॉल का स्रोत, बिश्नोई नेटवर्क से उनका कथित संबंध और बब्बर जिन लोगों पर शक कर रहा है उनकी कथित संलिप्तता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है। बब्बर ने 17 अक्टूबर को अपनी शिकायत में अपने और अपने परिवार के लिए तत्काल सुरक्षा व्यवस्था की मांग की, जिसमें उनके आवास, कार्यालय और प्रिंटिंग प्रेस की सुरक्षा शामिल थी। इसमें जांचकर्ताओं से धमकी भरे फोन कॉल का पता लगाने, कॉल करने वालों की पहचान करने और यह पता लगाने का भी अनुरोध किया गया था कि उन्हें कौन निर्देशित या वित्त पोषित कर रहा है। उन्होंने प्रासंगिक टेलीफोन रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों के संरक्षण और जांच, जांच के लिए एक जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारी की नियुक्ति और सुरक्षा उपायों और की गई कार्रवाई के बारे में शीघ्र जानकारी देने का भी अनुरोध किया। बब्बर ने निवेदन किया कि उनकी लिखित शिकायत को उन लोगों और नेटवर्क के बारे में पूर्व चेतावनी के रूप में लिया जाए जिन पर उन्हें संदेह है, यदि उन पर हमला होता है या उनकी हत्या कर दी जाती है।

फुटबॉल ग्राउंड ही नहीं, घर भी था टारगेट; बचने के लिए दो गुट में बंट कर करते थे रेकी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग के मामले में जांच के दौरान कई अहम बातें सामने आई हैं। मुंबई पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने अभिनेता के घर और फुटबॉल ग्राउंड की बार-बार रेकी की थी। वे शक से बचने के लिए अक्सर जोड़ों में चूमते थे। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज खंगाल



रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि आरोपियों ने कितनी बार इन दोनों जगहों की निगरानी की और हमले से पहले उनकी गतिविधियां कैसी थीं। आरोपियों को नजर टाइगर श्रॉफ के घर के साथ उस फुटबॉल ग्राउंड पर भी थी, जहां अभिनेता अक्सर जाते थे। जांचकर्ताओं को शक है कि आरोपियों को अभिनेता के रविवार को फुटबॉल खेलने आने की जानकारी थी। इसी वजह से उन्होंने इलाके की पहले से रेकी की। सीसीटीवी फुटेज में कथित तौर पर कुछ लोग अभिनेता के घर के बाहर दिखाई दिए हैं। पुलिस पुराने फुटेज की भी जांच कर रही है, ताकि उनकी गतिविधियों और निगरानी की अवधि का

पता लगाया जा सके। पुलिस यह भी जांच रही है कि आरोपियों ने हमले के लिए जगह और समय कैसे चुना। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें हरियाणा के सोनीपत जिले का 17 वर्षीय नाबालिग, बिहार के बेगूसराय का रहने वाला 22 वर्षीय बाइक टैक्सी चालक ऋतिक कुमार उर्फ रोशन और हरियाणा के सोनीपत जिले का 18 वर्षीय रेहान शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, तीनों को राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन पर उस समय पकड़ा गया, जब वे मुंबई से दिल्ली की ओर जा रही ट्रेन में सफर कर रहे थे। गिरफ्तारी की कार्रवाई राजस्थान पुलिस और एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ने मिलकर की। मुंबई पुलिस ने फायरिंग के बाद आरोपियों की तलाश शुरू की थी और उनकी गतिविधियों के साथ कथित भागने के रास्ते की जांच की जा रही थी। रविवार शाम करीब सात बजे मुंबई के जुहू इलाके में यह घटना हुई। टाइगर श्रॉफ एक फुटबॉल क्लब से निकल रहे थे, तभी मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उनकी कार पर कई गोलियां चलाई। इसके बाद आरोपी मोटरसाइकिल से फरार हो गए। टाइगर को सीधे गोली लगने की खबर नहीं है, लेकिन उनके हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आने की बात महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कही। घटना में अभिनेता के ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति के घायल होने की भी जानकारी दी गई है। शिंदे ने रविवार रात टाइगर के घर जाकर उनसे मुलाकात की और परिवार को राज्य सरकार की ओर से मदद का भरोसा दिया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने 7-कालिदास मार्ग स्थित कैप कार्यालय पर %जनता दर्शन% का आयोजन किया। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से पहुंचे सैकड़ों नागरिकों ने व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं को सीधे उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा शामिल हुए। जनता दर्शन के दौरान अधिकांश मामले भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मुद्दों, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी, पुलिस कार्रवाई, शिक्षा और रोजगार से जुड़े रहे। उप मुख्यमंत्री ने जमीन से जुड़े मामलों में संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजी जाए, ताकि मामलों का सार्थक और स्थायी समाधान सुनिश्चित हो सके। मौर्य ने अधिकारियों को दो टुक निर्देश दिए कि जन समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की



जाएगी। उन्होंने कहा कि हर फरियादी की समस्या का समयबद्ध, प्रभावी और संतुष्टिपरक

निस्तारण होना चाहिए, जिससे पीड़ित को बार-बार चक्र न काटने पड़े। साथ ही, उत्पीड़न और अवैध कब्जों के मामलों में पूरी संवेदनशीलता बरतते हुए कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

अखिलेश-इंडिया गठबंधन पर ओवैसी का हमला, बोले- मुसलमान खुद चुनें लीडर

रामपुर। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को रामपुर के टांडा में जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को अपना नेता खुद चुनना होगा। कुछ लोग चाहते हैं कि अब्दुल नेता न बने बल्कि उनके लिए दरी बिछाने का काम करे। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को अपने राजनीतिक नेतृत्व के लिए खुद आगे आना होगा। सही दिशा में मतदान करके ही समुदाय का भला किया जा सकता है। ओवैसी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस का मकसद भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना है। जनसभा से पहले ओवैसी ने एक निजी होटल में पत्रकारों से बातचीत की। पश्चिम बंगाल में पूजा पंडाल में हुई दुर्घटना को लेकर उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दुर्घटना के लिए सरकार को विफलता को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि ऐसी दुर्घटनाएं होती रहेंगी तो हम चुप नहीं बैठ सकते। विधानसभा चुनाव 2027 में रामपुर की सियासी स्थिति को लेकर पूछे गए सवाल पर ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी पूरी तैयारी में जुटी है। रामपुर में भी अच्छे प्रदर्शन करेंगे और उन्हें सभी समाज के लोगों का समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी किसी को अलग करने वाली नहीं है।



सत्य, न्याय और धर्म का वास विजयादशमी लायी उल्लास

“मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम सत्य, मर्यादा, न्याय, शांति, प्रत्येककार तथा लोक कल्याण की प्रतिमूर्ति हैं। नैतिक, मानवीय और सामाजिक मूल्यों के प्रतीक प्रभु श्रीराम का पावन जीवन हमें सदैव सद्मार्ग पर चलने और आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देता है। विजयादशमी के दिन उन्होंने आतंक, अन्याय एवं अधर्म के पर्याय राणण पर विजय प्राप्त की थी। आप सभी को शक्ति उपासना के महापर्व

विजयादशमी

की अशेष

शुभकामनाएं!”

-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

लोकमंगलकारी सरकार

प्रधानमंत्री आवास योजना
(ग्रामीण एवं शहरी)

मुख्यमंत्री
अभ्युदय योजना

पीएम किसान
सम्मान निधि

मुख्यमंत्री कन्या
सुमंगला योजना

निराश्रित/विधवा
महिला पेंशन योजना

जल जीवन मिशन
(हर घर जल योजना)

मुख्यमंत्री सामूहिक
विवाह योजना

मुख्यमंत्री कृषक
दुर्घटना कल्याण योजना

प्रधानमंत्री
उज्ज्वला योजना

स्वच्छ भारत
मिशन (ग्रामीण)

उत्तर प्रदेश-रोजगार प्रदेश

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री
युवा स्वरोजगार योजना

बीसी सखी
योजना

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी
विकास अभियान

रोजगार संगम
(उत्तर प्रदेश सेवायोजन पोर्टल)

एक जनपद एक उत्पाद
(ODOP) योजना

उत्तर प्रदेश
कौशल विकास मिशन

मुख्यमंत्री शिक्षता
प्रोत्साहन योजना

विश्वकर्मा श्रम
सम्मान योजना

एक जनपद एक व्यंजन
(ODOC) योजना

पं. दीन दयाल ग्रामोद्योग
रोजगार योजना

विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1076



मन के रावण को आज ही जलाइए, सदाचार और सत्य को अपनाइए

मणिपुर में 24 घंटे में चार लोगों की हत्या, मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं में 24 घंटे के भीतर चार लोगों की हत्या हुई है। पहाड़ी इलाके में लकड़ी लेने गए तीन लोगों की संदिग्ध उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि थौबल जिले में दो समुदायों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। लगातार हो रही हिंसक घटनाओं से नाराज लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आसू गैस के गोल छोड़ दिए। अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी की घटना इंफाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा के पास खोंगबाल सुनुरोक उयोक् इलाके में हुई। यह स्थान इंफाल ईस्ट के नोंगशुम गांव से कुछ ही दूरी पर है। बताया गया कि सोमवार सुबह करीब सात बजे 16 लोग लकड़ी लेने पहाड़ियों की ओर गए थे। तभी संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि तीन लोग अब भी लापता हैं। मृतकों की पहचान अरुबाम रोनिल (35), तैरेनलकपम इनाओबी (51) और क्षेत्रियायुम सुशील (32) के रूप में हुई है। घायलों में क्ष देवन की हालत गंभीर बताई गई है। घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता गर्भवती नाबालिग को दी गर्भपात की अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 31 सप्ताह की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा कि एक नाबालिग से बच्चे को जन्म देने और उसकी परवरिश की जिम्मेदारी उठाने की अपेक्षा करना कहीं से उचित नहीं होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने साफ किया कि यौन हिंसा की शिकाार नाबालिग की गर्भावस्था समाप्त करने का मामला केवल उसके व्यक्तिगत अधिकारों से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह उसके मानवाधिकार, गरिमा और सम्मानजनक जीवन से भी जुड़ा है। दिल्ली की अदालत ने कहा कि पीड़िता को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके भविष्य को प्रभावित कर सकता है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) कानून के तहत सामान्य परिस्थितियों में 20 सप्ताह तक और कुछ विशेष श्रेणियों, जिसमें दुष्कर्म पीड़िताएं शामिल हैं, में 24 सप्ताह तक गर्भपात की अनुमति का प्रावधान है। हालांकि, इस मामले में गर्भावस्था 31 सप्ताह की होने के बावजूद अदालत ने विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुमति दी। पीड़िता फिलहाल लोथी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती है। हाईकोर्ट ने डॉक्टरों को निर्देश दिया कि गर्भावस्था समाप्त करने की प्रक्रिया के दौरान भ्रूण के ऊतकों को सुरक्षित रखा जाए, ताकि संबंधित आपराधिक मामले में जरूरत पड़ने पर डीएनए जांच हो सके। इससे मामले की जांच और न्यायिक प्रक्रिया में मदद मिल सकती है। अदालत ने निर्देश दिया कि यदि चिकित्सकीय प्रक्रिया के दौरान बच्चा जीवित पैदा होता है, तब अस्पताल प्रशासन उसकी हरसंभव चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करे। इस स्थिति में उपचार का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। कोर्ट ने अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेण्डेंट को आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था करने की जिम्मेदारी भी सौंपी।

रावण दहन पर विवाद गहराया : आयोजकों को मिला लीगल नोटिस

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन में रावण दहन की परंपरा को लेकर नया विवाद खड़ा हुआ है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने शहर में रावण दहन करने वाली चार आयोजक समितियों को कानूनी नोटिस भेजकर 7 दिन के भीतर शास्त्र-सम्मत प्रमाण मांगे हैं। समाज ने पूछा है कि किस धर्मशास्त्र या पुराण में आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को रावण वध का उल्लेख मिलता है। नोटिस में स्पष्टीकरण न देने की स्थिति में वैधानिक कार्रवाई और संबंधित खर्चों के वहन की चेतावनी दी गई है। इस बीच, ब्राह्मण समाज ने शहर भर में रावण दहन के विरोध में पोस्टर भी लगाए हैं, जिससे यह मुद्दा और गरमा गया है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज के महेश पुजारी ने परंपरा को ब्राह्मणों का अपमान बताया। उन्होंने तर्क दिया कि रावण ने ऐसा कोई कृत्य नहीं किया जिसके लिए रावण को प्रतिबंध जलाया जाए और आयोजकों से सवाल किया कि करोड़ों सनातनी बताएं कि किस शास्त्र में रावण दहन का उल्लेख है। पुजारी ने रावण दहन की आड़ में होने वाले ब्राह्मणों के अपमान को रोकने की बात कही। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में अंग्रेजों और मुस्लिमों ने भी ब्राह्मणों का अपमान किया था। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने देश की सभी संस्थाओं से रावण दहन की इस प्रथा को बंद करने का आग्रह किया है।

राहुल गांधी भारत में नहीं हैं, नवरात्रि में वह विदेश में क्या कर रहे हैं? प्रदीप भंडारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उन खबरों का जिक्र किया, जिनके मुताबिक लोकसभा में विपक्ष के नेता छुड़ियों पर विदेश गए हैं। भंडारी ने नवरात्रि के दौरान उनकी अनुपस्थिति पर सवाल उठाए और उन पर काम करने के बजाय छुड़ियों में ज्यादा समय बिताने का आरोप लगाया। भंडारी ने पोस्ट में लिखा- राहुल गांधी फिर से वही कर रहे हैं जिसमें वे माहिर हैं- ब्रेक लेना और छुड़ियों का आनंद लेना! उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी भारत में नहीं हैं और पूछा कि नवरात्रि के दौरान कांग्रेस नेता विदेश में क्या कर रहे हैं।

स्टारलंक विवाद ~कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा, सभी कंपनियों के लिए समान प्रक्रिया

राहुल गांधी ने किया था मस्क के बयान का समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने भारत के सैटेलाइट इंटरनेट बाजार में अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्टारलंक के प्रवेश को लेकर कहा है कि सभी इच्छुक कंपनियों को समान प्रक्रिया से गुजरने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के अनुसार, लाइसेंस देने की प्रक्रिया में सभी कंपनियों को समान दरी का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद किसी एक कंपनी को प्राथमिकता देने या किसी अन्य को पीछे रखने का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट की है। यदि सरकार के बयान को सही माना जाए, तब ना स्पेसएक्स के सीईओ मस्क को नुकसान पहुंच रहा है, और न ही रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को कोई विशेष लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना चाहिए।



कांग्रेस नेता थरूर ने बताया कि भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं का भविष्य कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर निर्भर करेगा। इसमें तकनीक, सुरक्षा संबंधी चिंताएं, अपलीकंग की व्यवस्था और सेवा की लागत शामिल हैं।

उनके मुताबिक, अंततः उपभोक्ता ही तय करेगा कि उन्हें कौन-सी सेवा लेनी है और उसके लिए कितनी कीमत चुकाना उचित है। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि यदि कोई कंपनी दूसरी कंपनी की तुलना में दस गुना

अधिक कीमत पर सेवा उपलब्ध कराती है, तब ग्राहक को तय करना होगा कि अतिरिक्त कीमत के बदले मिलने वाली सुविधा उसके लिए कितनी उपयोगी है। कांग्रेस नेता थरूर ने स्पष्ट किया कि वह अपने मौजूदा इंटरनेट कनेक्शन से संतुष्ट हैं और व्यक्तिगत रूप से स्टारलंक सेवा लेने की योजना नहीं बना रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यदि कुछ उपभोक्ता इस तकनीक का लाभ उठाना चाहते हैं, तब उन्हें यह अवसर मिलना चाहिए। इसके पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्टारलंक को भारत में लाइसेंस मिलने में हो रही देरी का मुद्दा उठाया था। इसके बाद मस्क ने प्रतिक्रिया देकर स्थिति को चिंताजनक बताया था। स्टारलंक भारत में सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा शुरू करने की कोशिश में है। इस बीच, थरूर के बयान ने बाजार में प्रतियर्धा, निष्पक्ष नियामकीय प्रक्रिया और उपभोक्ताओं की पसंद के महत्व को फिर से चर्चा में ला दिया है।

सपा के झांसे में न आर्यें मुसलमान: ओवैसी

रामपुर, एजेंसी। एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम मतदाताओं से समाजवादी पार्टी के झांसे में नहीं आने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि अब नेहरू, गांधी या यादव को अपना नेता नहीं बनाएंगेश् अपना मुस्कबिल मुसलमान खुद तय करेगा। उन्होंने शेर पढ़ते हुए कहा कि, “कुछ देर को मायावती है, फिर शोर आयाग, तुम्हारा वक्त आया है अखिलेश बाबा हमारा दौर आया।” एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने जिले के टांडा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जी 2014, 2017, 2019, 2022 में मुसलमान ने किसे वोट किया। इसके बाद परिणाम क्या रहा। उन्होंने कहा कि रामपुर जिले में मुस्लिमों की संख्या अधिक है तभी देश के पहले चुनाव में 1952 में नेहरू जी ने मोलाना अबुल कलाम आजाद को यहां भेजा और पहले सांफद बने। उन्होंने कहा कि रामपुर शहर में काम हुआ, लेकिन देहात में काम नहीं हुआ है। उन्होंने आजम खान पर हुई कार्रवाई को गलत बताया और उनको राहत मिलने की दुआ की। ओवैसी ने कहा कि अब मुस्लिमों

को एकजुट होना होगा, पीढ़ी दर पीढ़ी बोड़ी बनाना नहीं, स्कूल जाने पर जोर देना होगा। सपाईं ओवैसी की पार्टी को बी टीम बताते हैं, जबकि राज्यसभा में अपने चचा को भेजते हैं। गुजरात के नथानी कौन हैं, ये सभी जानते हैं। रामपुर के लोगों को अपना मुस्तकबिल बनाना है तो मर्जलिस के साथ आना होगा। कहा कि रामपुर ने देश की आजादी को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। राष्ट्रीय पार्टी होने के बाद भी यूपी में विधानसभा से लेकर लोकसभा तक पार्टी का प्रतिनिधित्व लगभग खत्म हो चुका है। ऐसे में पिछले कुछ महीनों में संगठन को लेकर मायावती ने कई यू-टर्न भी लिए, आसानी से मिल जाती है। इसके लिए हमें लड़ना होगा।

प्रधानमंत्री का नाम लेकर ओवैसी ने कहा कि देश में युवाओं के पास रोजगार नहीं है, तनख्वाह बढ़ नहीं रहीं हैं। ऐसे में हालात नेपाल, श्रीलंका और फ्रांस जैसे ना हो जाएं। इसके लिए विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम बाबा साहब के संविधान पर यकीन रखते हैं। उसके तहत ही अपनी बात मजबूती से रखेंगे। उन्होंने उप मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करते हुए कहा बाबा आप 80-20 की बात करते हो, रामपुर में विकास का कोई काम ही नहीं हुआ है।

लखनऊ, एजेंसी।

बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद पर कई यू-टर्न के बाद अब बड़ा राजनीतिक दांव लगाया है। उन्हें बहुजन समाज पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक ये सभ्यी जानते हैं। रामपुर के लोगों उतराखंड तक में जनसभाओं की विस्तृत सूची जारी की गई है। बसपा इन दिनों अपने वजूद और परंपरागत वोट बैंक को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। राष्ट्रीय पार्टी होने के बाद भी यूपी में विधानसभा से लेकर लोकसभा तक पार्टी का प्रतिनिधित्व लगभग खत्म हो चुका है। ऐसे में पिछले कुछ महीनों में संगठन को लेकर मायावती ने कई यू-टर्न भी लिए, जिसमें भतीजे आकाश आनंद को कई बार पार्टी से निकाला और दोबारा शामिल किया गया। अब आकाश आनंद को ही आगे करने के पीछे मायावती की मंशा पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है। पार्टी सूत्रों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मायावती को इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य जेन-जी यानी युवा पीढ़ी को



बसपा से जोड़ना है। जिस तरह आकाश आनंद को आगे किया गया है, उससे साफ है कि पार्टी अपने कोर वोट बैंक में युवाओं को छिटकने नहीं देना चाहती। संगठन का एक बड़ा तबका भी आकाश को पार्टी से बाहर रखने के पक्ष में नहीं था, और कई वरिष्ठ नेता समय-समय पर उन्हें मौका दिए जाने की पैरवी करते रहे थे। बसपा के परंपरागत वोट बैंक को युवा नेता चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी से बड़ा खराब महसूस हो रहा है। चंद्रशेखर खेमे में युवाओं की बढ़ती भागीदारी ने बसपा

संगठन के भीतर बेचैनी पैदा की है। मायावती की पकड़ जहां बहुजन समाज की पुरानी पीढ़ी में अब भी है, वहीं नौजवान कई मुद्दों को लेकर अलग-अलग खेमों में बंट सकते हैं। विधानसभा चुनाव की तैयारियों की पिछली बैठकों में बसपा संगठन ने इस खतरे की गहन समीक्षा की थी।

हाल ही में मायावती ने आकाश आनंद को परिपक्व बताते हुए उनके काम की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के राजनीति

से संन्यास लेने के बाद आकाश आनंद बसपा के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में काफी सुझबूझ व परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने आकाश की जनसभाओं की तारीखें भी साझा कीं। आकाश 28 अक्टूबर को बुलंदशहर, 2 नवंबर को सहारनपुर, 20 नवंबर को अयोध्या, 22 नवंबर को आग्रा और 29 नवंबर को कानपुर में जनसभाएं संबोधित करेंगे। इसके अतिरिक्त, वह 26 नवंबर को पंजाब में संविधान दिवस समारोह और 6 दिसंबर को हरिद्वार (उत्तराखंड) में डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर आयोजित जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करेंगे। मायावती ने यह भी स्पष्ट किया कि आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ ही बीते दिनों हुए अप्रिय घटनाक्रमों के लिए जिम्मेदार थे और उनकी अब पार्टी में कभी वापसी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि उनके छोटे भतीजे ईशान आनंद लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं और दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में चुनाव व संगठन से जुड़े कार्यों में सहयोग करेंगे।

किरण बेदी की दूसरी इच्छा: विरोध-प्रदर्शनों में पुलिस के लिए बाँडीकैम और चरणबद्ध व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी, जिनकी जंतर-मंतर से विरोध प्रदर्शनों को हटाने की मांग पूरी हो चुकी है, अब कानून-व्यवस्था से जुड़े प्रदर्शनों को संभालने के लिए पुलिस को नए उपाय सुझा रही हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों को बेबुनियाद आरोपों से बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की मांग की है। पूर्व आईपीएस अधिकारी बेदी का सुझाव है कि पुरुष पुलिसकर्मियों के साथ काम करने और उनका नेतृत्व करने के लिए बाँडी कैम से लैस महिला पुलिसकर्मियों को तैनात करे। साथ ही, सभी प्रदर्शनों की सीसीटीवी या अन्य कैमरों के माध्यम से रिकॉर्डिंग होनी चाहिए। उन्होंने फेस रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर भी जोर दिया, जिससे अधिकारियों के पास समीक्षा के लिए ठोस सबूत मौजूद रहे और गलत आरोप रुक सके। उन्होंने सरकार से उपकरणों की



खरीद, प्रशिक्षण और तैनाती के साथ-साथ फुटेज को सुरक्षित समीक्षा के लिए अभी से तैयारी शुरू करने का आग्रह किया। इसके पहले, पूर्व आईपीएस अधिकारी बेदी ने जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शनों के लिए अनुपयुक्त बताकर इस शहर के संवेदनशील स्थानों और व्यावसायिक क्षेत्र के करीब होने का हवाला दिया था। उनकी इस मांग पर गृह मंत्रालय ने अब रामलीला मैदान और अन्य स्थानों को इसके लिए चिह्नित किया है। पूर्व

आईपीएस अधिकारी बेदी ने कहा कि रामलीला मैदान जैसी नई जगहों के लिए एक स्पष्ट सुरक्षा और संचालन योजना होनी चाहिए, जिसे प्रदर्शन की अनुमति देते समय स्पष्ट रूप से बताया जाए। उन्होंने विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के मौजूदा ब्रिटिश सिस्टम की आलोचना कर चरणबद्ध रणनीति का प्रस्ताव रखा। इसके तहत, पहली पंक्ति में लाठीचरित सिविल डिफेंस के युवा पुरुष और महिला सदस्य होने चाहिए। यदि भीड़ बेकाबू होती है, तब दूसरी पंक्ति में हेडोनियर और बाँडी आर्मर से लैस महिला पुलिसकर्मी होंगी, जिनके पास लाठियां नहीं होंगी। केवल अत्यधिक उग्र स्थिति में ही अंतिम उपाय के तौर पर सशस्त्र पुलिस बल का उपयोग किया जाना चाहिए, जो हालात देखकर बल प्रयोग करेगा। पूर्व आईपीएस अधिकारी का मानना है कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तैयारी ही सबसे अच्छा बचाव है।

केजरीवाल का केंद्र पर हमला, देश के सबसे बड़े गैंगस्टर को अपना ‘दामाद’ बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्राफ से जुड़ी गोलीबारी की घटना को लेकर केंद्र पर निशाना साधा है। उन्होंने देश में अपराध और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाकर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का जिक्र किया। पोस्ट में केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है। उन्होंने राजनीतिक कदमश कर कहा कि केंद्र सरकार ने देश के सबसे बड़े गैंगस्टर को अपना ‘दामाद’ बना रखा है। केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार अपने राज्यों में कानून-व्यवस्था



संभालने में नाकाम है और गैंगस्टर को भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपराधिक गतिविधियां चलाने की सुविधाएं मिलने का आरोप लगा दिया। उन्होंने पंजाब की राजनीति का जिक्र कर कहा कि राज्य के लोगों को मतदान करते समय कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर विचार करना चाहिए। हालांकि, गैंगस्टर को सरकारी संरक्षण मिलने संबंधी उनके आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

विवाद अभिनेता टाइगर श्राफ से जुड़ी

गोलीबारी की घटना के बाद सामने आया है। पुलिस के अनुसार, अभिनेता जब अपनी गाड़ी से मैदान से बाहर निकल रहे थे, तभी भीड़ के बीच से उनकी कार पर तीन से चार राउंड गोलियां चलाई गईं। घटना में टाइगर श्राफ सुरक्षित बच गए, लेकिन दो लोग घायल हो गए। इनमें उनके ड्राइवर फिरदोस भी शामिल हैं, जिनके बाएं हाथ में गोली लगी। मुंबई पुलिस ने मामले की जांच के लिए 15 टीमें गठित की हैं। पुलिस गोलीबारी में शामिल लोगों की पहचान करने, हमले के पीछे की वजह का पता लगाने और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की जांच में जुटी है। फिलहाल, जांच के निष्कर्ष सामने आने का इंतजार है।



जातीय समीकरण, बेरोजगारी, महंगाई और विपक्ष की एकजुटता जैसे कारक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। चुनावी संभावनाएं केवल कॉंग्रेस आंदोलन से तय नहीं होंगी, बल्कि

अधिकारों से जुड़े मुद्दों का विस्तार भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी का संकेत है, जिस पर उसे गंभीरता से विचार करना होगा।

नई–नई शादी, नैनीताल में हनीमून का सपना और रास्ते में पति की मौत; गांव में पसरा मातम

गाजियाबाद। गाजियाबाद थाना क्षेत्र के शाहपुर बग्हेटा गांव निवासी नवविवाहित दंपती की उत्तराखंड के काशीपुर बुआखाल के पास सड़क हादसे में स्कॉर्पियो डम्पर से टकराकर पलट गई। हादसे में स्कॉर्पियो चालक यतीश यादव (24) की मृत्यु हो गई, जबकि उनकी पत्नी शीतल यादव (23) गम्भीर रूप से घायल हैं। मौके पर पहुंची उत्तराखंड पुलिस ने घायलों को रामनगर अस्पताल पहुंचाया और पीड़ित परिवार को बग्हेटा में सूचना दी, घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार शाहपुर बग्हेटा निवासी यतीश यादव अपने पिता सुरेश चंद्र यादव के साथ रहते थे। सुरेश चंद्र यादव ट्रैक्टरों का कारोबार करते हैं। यतीश की शादी शीतल यादव के साथ 20 अप्रैल को हुई थी। शादी के बाद दोनों ने नैनीताल घूमने जाने का कार्यक्रम बनाया था। बताया गया कि गुरुवार रात करीब नौ बजे दोनों स्कॉर्पियो से नैनीताल के लिए घर से रवाना हुए थे। उत्तराखंड रामनगर के काशीपुर बुआखाल के पास उनकी स्कॉर्पियो की डम्पर से टकरा हो गई, जिसके बाद वाहन पलट गया। हादसे में यतीश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शीतल गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना पर पहुंची उमराखंड पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रामनगर में पोस्टमार्टम कराया। पुलिस की सूचना के बाद परिजन रामनगर के लिए रवाना हो गए। यतीश की मौत की खबर गांव में पहुंचते ही मातम छा गया। यतीश चार भाई–बहनों में तीसरे नम्बर के थे। उनकी बड़ी बहन की शादी हो गई है एक बहन और भाई अभी पढ़ाई कर रहे हैं। हादसे के बाद परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है

UP के स्कूलों में एआई से पढ़ाई की तैयारी, मोबाइल की जगह मिलेंगे टैबलेट

मुरादाबाद। मेधावी छात्र सम्मान समारोह में पहुंचे प्रदेश के आर्टी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में मिलने वाला सम्मान नोबेल पुरस्कार जितना महत्वपूर्ण होता है। यह अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा बनता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के स्कूलों में एआई लागू किया जाएगा। इसके लिए एआई प्रज्ञा कार्यक्रम के तहत 10 लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के स्कूलों में जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए पढ़ाई की व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके

बाइक सवार दोस्तों को अज्ञात वाहन ने कुचला, दोनों की मौत; परिजनों में मचा कोहराम

मथुरा। मथुरा से अपने घर लौट रहे दो बाइक सवार युवकों में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक सवार बुरी तरह से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए हॉस्पिटल के भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। युवकों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। थाना मांगौर क्षेत्र में मथुरा–भरतपुर मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। यह घटना वह हुई जब दोनों युवक मथुरा से अपने घर लौट रहे थे। एक अज्ञात वाहन ने तेज गति से आकर उनकी बाइक

तहत स्कूली बच्चों को मोबाइल के बजाये टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वह पढ़ाई से जुड़ी सामग्री का बेहतर उपयोग कर सकें। यह बात प्रदेश के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने शनिवार को मुरादाबाद के पंचायत भवन में कहा। छात्रों को आगे बढ़ने के लिए लगातार मेहनत करनी चाहिए। आईटी मंत्री ने युवाओं को कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि केवल अंग्रेजी ही नहीं, बल्कि अन्य देशों की भाषाएं सीखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा

दशहरे के त्यौहार का आध्यात्मिक पहलू–संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

रामायण की कथा के दो पहलू हैं–एक बाहरी और एक अंदरी। बाहरी पहलू के बारे में हम सब अच्छी तरह जानते हैं लेकिन अंदरी पहलू जोकि हमारी आत्मा से जुड़ा है उसके बारे में हम बहुत कम जानते हैं। रामायण की वास्तविक शिक्षा आध्यात्मिक है, जो हमें आत्म–तत्त्व की जानकारी देती है। इसमें आत्म–ज्ञान की पुरातन से पुरातन और सनातन से सनातन शिक्षा की व्याख्या की गई है, जो आत्मानुभव से संबंधित है। मगर हम इसके बारीकी पहलू तक ही सीमित रह जाते हैं। सभी संत–महापुरुषों ने रामायण के पात्रों का असली मतलब हमें समझाया है। उनके अनुसार राम से अभिप्राय उस प्रभु सत्ता से है जो सृष्टि के कण–कण में समाई हुई है, जिसे संतों का राम कहा गया है। सीता से अभिप्राय हमारी आत्मा से है

जोकि हमारे शरीर में कैद है और चौरासी लाख जियाजुन के चक्र में भटक रही है। इसके अलावा लक्ष्मण से अभिप्राय हमारे मन से है जो कभी भी शांत नहीं होता और हमेशा लड़ने को तैयार रहता है। रावण से मतलब हमारे अहंकार से है, जो हरेक ईंसान के अंदर कूट–कूटकर भरा हुआ है। दशरथ का अर्थ हमारे मानव शरीर से है जोकि एक रथ के समान है, जिसमें पाँच ज्ञान–इंद्रियों और पाँच कर्म–इंद्रियों के 10 घोड़े बंधे हुए हैं। केवल अंग्रेजी से काम नहीं चलेगा। उन्होंने छात्रों से नई तकनीकों को अपनाने और अपने कौशल को निखारने का आह्वाण किया। जिससे की वह भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रह सकें। मेधावी छात्र सम्मान समारोह में पहुंचे मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि सभी की व्यक्ति के जीवन में विद्यार्थी काल में मिलने वाला सम्मान बेहद महत्वपूर्ण होता है,

यह किसी नोबेल पुरस्कार से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि मंच पर सम्मानित होने वाले छात्र तो प्रेरणा बनते ही हैं, लेकिन जो इस बार र्वचित रह जाते हैं, उनके लिए भी यह कार्यक्रम आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है कि वह अगले वर्ष मेहनत कर सम्मान हासिल करें। उन्होंने अगर उजाला द्वारा हर वर्ष ऐसे आयोजनों को सराहनीय बताया। आईटी मंत्री ने कहा कि समय तेजी से बदल रहा है और विज्ञान के क्षेत्र में लगातार प्रगति हो रही है। पहले की शिक्षा पद्धति और आज की पीढ़ी की शिक्षा में बड़ा बदलाव आया है। अब

100 से ज्यादा निवासी धरने पर, तीन साल से रजिस्ट्री नहीं होने का आरोप

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले के वैशाली सेक्टर–4 स्थित मिम्सन बिल्डर कार्यालय पर शनिवार सुबह 11 बजे से सोसायटी निवासियों ने प्लेट की रजिस्ट्री की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू किया। इस दौरान सोसायटी निवासियों की मिम्सन प्रतिनिधियों और पुलिस से नोकझोंक भी हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने निवासियों को शांत करने की कोशिश की, लेकिन निवासी अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। वसुंधरा सेक्टर–14 स्थित मिम्सन किराना सोसायटी के 100 से अधिक निवासी सुबह 11 बजे वैशाली सेक्टर–4 स्थित मिम्सन कार्यालय पर पहुंचे। पहले सोसायटी निवासियों ने मिम्सन प्रतिनिधियों से शांतिपूर्वक बात की और बिस्दर गंगालानी से मिलने की मांग रखी। गंगालानी के नहीं आने से नाराज निवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। निवासी धरना प्रदर्शन पर बैठ गए। सोसायटी निवासियों ने आरोप लगाया कि 3 साल से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक भी प्लेटों की रजिस्ट्री नहीं कराई गई है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि हर साल मॉटेन्स चार्ज भी वसूला जा रहा है, लेकिन सोसायटी की मरम्मत नहीं कराई जाती। कई स्थानों पर सोसायटी में प्लास्टर टूटकर गिरने लगा है। जगह–जगह प्लेटों में भी सीलन आ रही है। इससे हादसे का खतरा भी बना हुआ है। लोगों ने मांग करी कि उनके प्लेटों की रजिस्ट्री कराई जाए और सोसायटी में एओए बनाकर हैंडओवर किया जाए।

महिलाओं की भीड़ और बीच में फंस गए निगमकर्मী, हंगामा हुआ तो छूट गए पसीने; जाने क्या था पूरा मामला

आगरा। आगरा के रतनपुरा वार्ड स्थित गरीब नगर में बृहस्पतिवार को महिलाओं ने नगर निगम की टीम को घेर लिया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि नगर निगम ने बिना किसी पूर्व नोटिस के उनके आशियान पर बलुडोजर चला दिया, जिससे उनके सिर से छत छिन गई है। संपत्ति विभाग के राजस्व निरीक्षक वैभव यादव जांच करते पहुंचे तो रहमत बानो ने विरोध जताया कि उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला और घर टूटने के बाद अब उनके सामने रहने का गंभीर संकेत पैदा हो गया है। बारिश होने से उनका घरेलू सामान भी भोग गया। वहीं, बाँबी और शकौल का कहना था कि वे पिछले 40 वर्षों बिजली का बिल व वैध कनेक्शन जैसे सबूत भी मौजूद हैं, इसके बावजूद उनके घरों पर मनमाजी कार्रवाई की गई। दूसरी ओर, क्षेत्रीय पार्षद रजनी देवी का कहना है कि जिन मकानों को तोड़ा गया है, उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे।

NAME CHANGE
I, RUKHSANA BEGUM W/O MOHAMMAD PARVEZ RESIDING AT HOUSE NO 1654 GALI TAKHAT WALI SUWIALAN DARYA GANJ NEW DELHI 110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM RUKHSANA KHATOON TO RUKHSANA BEGUM FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Waseem Akram S/o Md. Mustaqeem is the owner and in possession of a Freehold Residential House No. 95, area measuring 43.72 Sq. Mtrs, i.e., 52.29 Sq. Yards, Situated at Mohalla Salmahakan, Khurja Pargana and Tehsil Khurja, District Bulandshahr Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed dated 05.10.2026 Vide Doc. No. 24618, Book No. 1, Vol No. 17154, Page No. 285-300 on dated 05.10.2026 at SR, Khurja, in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Death Certificate & SMC of Late Mohd. Mubin & (2) SMC of late Mohd. Rustam Therefore, our client here by declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property, and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Kalkaji New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the 'right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 (Contact at 09958871432)
Public Notice
General public is informed that our client REKHA W/O VINOD, R/O 384, CHANDNI WALI GALI, PAHAR GANJ, DELHI-110055, has severed all relationship with her son namely RITIK, his wife MAAMTA alias SHWETA and his family due to his mis-behaviour and here by Debar and Disown them from all her moveable and immoveable properties absolutely and forever. Anybody dealing with them shall do so at their own risk and cost.
ABHINAV GUPTA ADVOCATE
Ch. No. C&D, Chandrika Hotel, 4/9, Asif Ali Road, New Delhi

हर लेता है और अपने साथ ले जाता है। राम और रावण का युद्ध होता है जिसमें राम की जीत होती है। वह सीता (आत्मा) को रावण (अहंकार) के पंजे से छुड़ोकर वापिस ले आते हैं। सीता जो उन्हें छो़्कर चली गई थी, वह जिसम्–जिस्मानियत से आड़ाद होकर वापिस महाचेतन प्रभु में समा जाती है, जिसकी वो अंश है। दशहरे के त्यौहार का एक आध्यात्मिक पहलू यह भी है कि यह हमें घमंड को छोड़कर नम्रता से जीना सिखाता है। आमतौर पर ईंसान (मानव) की यह आदत होती है कि वह सिर ऊँचा करके चलता है, अर्थात घमंड से अपना जीवन व्यतीत करता है। जो शब्द ‘मानव’ है, वह शब्द ‘मान’ से बना है क्योंकि मान केवल ईंसान में होता है जो उसे घमंड या खराबी की तरफ ले जाता है। जो शब्द

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का दौर शुरू हो चुका है और इसे शिक्षा से जोड़ना जरूरी हो गया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने एआई प्रज्ञा शुरू किया है। इसके तहत 10 लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदेश के सभी स्कूलों में एआई लागू करने की तैयारी है, जिससे छात्रों की सोखने की गति और क्षमता दोनों बढ़ेंगी।

भाषा को लेकर उन्होंने कहा कि समाज में अंग्रेजी को लेकर एक अन्याय धारणा बन गई है, जबकि दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जो किसी दूसरी भाषा के सहारे आगे बढ़ा हो।

मानव है उसमें ‘व’ अक्षर भी जु़्ा हुआ है। ‘व’ बाहों को कहा जाता है। परमात्मा ने हमें बाहें किसलिए दी हैं? ताकि हम अच्छे कर्म कर सकें, अच्छी तरफ जा सकें और उनके जरिये असलियत यानि पिता–परमेश्वर की तरफ कदम बढ़ा सकें। ‘व’ शब्द इस और भी इशारा करता है कि प्रभु की बाहें हमें उठा रही हैं और हर वक हमारी संधाल कर रही हैं। अगर हम अपने जीवन पर एक नॄ्तर डालें तो हम पाएंगे कि ज्यादातर हम सभी अहंकार के अपना जीवन जीते हैं और वही हमारे विश्वास का कारण है। हमें यह कभी नहीं भ्रमाना चाहिए कि अहंकार के कारण ही रावण का पतन हुआ था। ईंसान नम्र होने की जगह जब सिर उठाकर चलता है तो उसमें घमंड आना शुरू हो जाता है, जो उसको प्रभु से दूर ले जाता है। जब

छह साल की मासूम को मिली नई जिंदगी, जन्मजात दिल की बीमारी का हुआ सफल इलाज

नई दिल्ली। जन्म से ही गंभीर दिल की बीमारी से जूझ रही एक छह साल की बच्ची कनिष्का का सफल इलाज कर डॉक्टरों ने उसे नई जिंदगी दी है। जन्म से ही कनिष्का को दिल की गंभीर समस्या थी, जिसमें उसके दिल का एक हिस्सा ठीक से काम नहीं कर रहा था। डॉक्टरों ने उसकी बीमारी को सिंगल वेंट्रिकल नाम की जटिल स्थिति बताया। इसके साथ ही उसके दिल में कुछ अन्य गंभीर समस्याएं भी थीं। 2020 में उसका पहला ऑपरेशन हुआ था। अब हाल में उसकी हालत बिगड़ने लगी

ईंसान में घमंड आता है तो वह यह सोचता है कि मैं बहुत अमीर हूँ, मेरी वजह से यह हो रहा है, मेरी वजह से वह हो रहा है। वह यह सोचता है कि प्रभु का हाथ उसे सहारा दे रहा है, इसलिए वह खॄा हुआ है नहीं तो वह गिर जाएगा। जब हम किसी पूर्ण गुरु के चरण–कमलों में जाते हैं और उनके अनुसार अपना जीवन व्यतीत करते हैं तो उनकी दयामेहर से हमारा घमंड खत्म हो जाता है। तभी हमारी आत्मा का मिलाप प्रभु से होता है और फिर आत्मा और परमात्मा में कोई फर्क नहीं रहता। जैसा कि कहा गया है कि प्रभुमन्त्रमानव, और मानव–मन्त्रप्रभु। हमारा घमंड ही हमें इस भ्रम में रखता है कि हम प्रभु से जुदा हैं। इसलिए प्रभु के रास्ते में हमारे लिए यह कई प्रकार की रूकावटें पैदा करता है जिससे कि

हम अपनी आत्मा को पिता–परमेश्वर से नहीं जोड़ पाते। सभी संत–महापुरुष हमें समझाते हैं कि पिता–परमेश्वर हर वक हमारे साथ हैं, हमें सिर्फ उनका अनुभव करना है। जिस प्रकार विजयदशमी के दिन राम ने अहंकारी रावण को पराजित कर विजय प्राप्त की थी, ठीक उसी प्रकार हमें भी अपनी आत्मा (सीता) को इस शरीर के पिंजरे से आद करके पिता–परमेश्वर में लीन कराना है, जिसकी की वो अंश है। तो आइये। हम वक के किसी पूर्ण गुरु के चरण–कमलों में पहुंचें और उनसे ध्यान–अभ्यास की विधि सीखें ताकि इसी जन्म में हमारी आत्मा का मिलाप पिता–परमेश्वर हो जाए और वह चौरासी लाख जियाजुन से छुटकारा पा जाए। तभी हम सच्चे मायनो में दशहरे के त्यौहार को मना पाएंगे।

छह साल की मासूम को मिली नई जिंदगी, जन्मजात दिल की बीमारी का हुआ सफल इलाज

नई दिल्ली। जन्म से ही गंभीर दिल की बीमारी से जूझ रही एक छह साल की बच्ची कनिष्का का सफल इलाज कर डॉक्टरों ने उसे नई जिंदगी दी है। जन्म से ही कनिष्का को दिल की गंभीर समस्या थी, जिसमें उसके दिल का एक हिस्सा ठीक से काम नहीं कर रहा था। डॉक्टरों ने उसकी बीमारी को सिंगल वेंट्रिकल नाम की जटिल स्थिति बताया। इसके साथ ही उसके दिल में कुछ अन्य गंभीर समस्याएं भी थीं। 2020 में उसका पहला ऑपरेशन हुआ था। अब हाल में उसकी हालत बिगड़ने लगी

थी। सांस लेने में तकलीफ होने लगी थी और उसके होठ और शरीर नीले पड़ने लगे थे। उसका ऑक्सीजन स्तर बहुत कम होकर 70 फीसदी तक गिर गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद फैसला किया कि अब उसका ऑंतिम और सबसे ऑपरेशन फॉन्टन सर्जरी करना चाहिए। इस ऑपरेशन में दिल के निचले हिस्से से आने वाले खून को सीधे फेफड़ों तक पहुंचाया जाता है, ताकि दिल पर बोझ कम हो जाए। यह सर्जरी एक्स्ट्राकार्डियल फॉन्टन नाम की तकनीक से की गई। ऑपरेशन पूरी

तरह सफल रहा। सर्जरी के अगले ही दिन बच्ची को वेंटीलेटर से हटा दिया गया। सिर्फ सात दिन में कनिष्का को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। मौजूदा समय में उसका ऑक्सीजन स्तर बढ़कर 95 फीसदी हो गया है और वह अच्छा महसूस कर रही है। अस्पताल के हृदय सर्जरी विभाग के डॉ. यतीन अरोड़ा ने बताया कि सिंगल वेंट्रिकल जैसी जटिल समस्या का इलाज कई चरणों में करना पड़ता है। फॉन्टन सर्जरी के सफल होने से कनिष्का का जीवन अब काफी बेहतर हो जाएगा।

शोहदों की आई आफत, एक ही दिन में कर डाली इतनी बड़ी कार्रवाई

आगरा। मिशन शक्ति अभियान के छठे चरण के तहत छात्राओं को एक दिन के लिए सहायक पुलिस आयुक्त और थाना प्रभारी बनाया गया। बृहस्पतिवार को हाईस्कूल की छात्रा रिजा और अलिफ्शा की एक दिन का सहायक पुलिस आयुक्त बनाया गया। उन्होंने पीडितों की शिकायतें सुनीं, उनके समीधान किए और क्षेत्र का भ्रमण भी किया। पुलिस कमिश्नरेट में कई कार्यक्रम आयोजित हुए, जिसमें छात्राओं ने थाने और सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालयों की कमान संभाली। साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस दौरान महिलाओं व बालिकाओं को परेशान करने वाले 15 शोहदों को पकड़ा गया। कुल 14 प्रार्थमिकी

भी दर्ज की गईं। पुलिस मॉडर्न स्कूल में अपर पुलिस आयुक्त सचिंद्र पटेल की मौजूदगी में एक कार्यशाला हुई। इसमें विद्यार्थियों को आभासी तरीके से साइबर अपराध से बचने की जानकारी दी गई। बाह स्थित केडी जैन विद्यालय में भी इसी तरह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेंट फ्रांसिस स्कूल की दसवीं की छात्रा रिजा समीर को सहायक पुलिस आयुक्त सदर और

NAME CHANGE
I, NAGENDRA PRASAD SAH S/O RAJENDER PRASAD R/O E-2570 C FLOOR KH NO-246, GALI NO 3 PUSTA 4 SONIA VIHAR DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO NAGENDER PRASAD.
NAME CHANGE
I, QAISER JAHAN W/O MOHD HANEEF Residing at HOUSE T-389 F/F GALI NO-12 GAUTAMPURI SEE-LAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to KESAR JAHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NAVIKA SEHRA W/O ABHISHEK KAPOOR R/O L-35, RAMA PARK ROAD, BLOCK-L, MOHAN GARDEN, DWARKA MCD, UTTAM NAGAR, DELHI-110059 have changed my name to NAVIKA KAPOOR.

NAME CHANGE
I AMIT KUMAR S/O NANDLAL SAH R/O PLOT NO-20, VILLAGE RANHOLLA, GANGA RAM PARK, NANGLOI, DELHI-110041, have changed my name to AMIT KUMAR SAH for all purposes.

NAME CHANGE
I, SHEFALI ROHIT AARORA D/O RAKESH RALLY R/O 176 AVTAR ENCLAVE PASCHIM VIHAR DELHI-110063, Have changed my name to SHEFALI RALLY for all purposes.

NAME CHANGE
I, SHABANA BEGUM W/O MOHAMMAD ZUBAIR, R/O 6671 GROUND FLOOR BERI WALL AHATA KIDARA BARA HINDU RAO DELHI-110006 have changed my name to SHA-BANABI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JYOTI GUPTA W/O ANURODH GOYAL R/O 35-A, NEW LAYALPUR EXTN, CHANDER NAGAR, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051, have changed my name to JYOTI GOYAL for all purposes.

NAME CHANGE
I, GAURAV JAIN S/o PRAVEEN KUMAR JAIN R/o 19306, Gali No.2, Pratap Pura, West Rohtas Nagar, Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to GAURAV KUMAR JAIN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, HAMMA MASOOD KAMAL W/o ASIM KAMAL R/o Flat No. 302, C-29, Arqam Apartments, TTI Road, Jamia Nagar, New Delhi-110025 have changed my name to HAMMA KAMAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VINIT KUMAR S/O SATYAVIR SINGH, residing at 604, Ghagra Tower, Income Tax Colony, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 have changed the name of my minor daughter JIVA SAINI URF JIVA CHAUHAN, aged 7 years and he shall hereafter be know as JIVA CHAUHAN.

PUBLIC NOTICE
I, NO-14842224Y, Rank-H4V, Name-ANOOP B residing at H No- 64/9 AALAYAM, PULVEEDU KANNIYARUKONAM, KEETZHONAKKAL, THIRUVANANTHAPURAM, KER-ALA- 695584, declare that my caste is wrongly mentioned as CHAMAR in my service records, instead of correct caste as CHERAMAR. That i belong to CHERAMAR caste of SC Community.

नगर निगम गर्लस् इंटर कॉलेज की छात्रा अलिफशा को सहायक पुलिस आयुक्त ताज सुरक्षा बनाया गया। वाणिज्य स्नातक की छात्रा दिव्याशी को थाना प्रभारी कमला नार, प्रौद्योगिकी स्नातक की छात्रा वाणी जैन को थाना प्रभारी न्यू आगरा की जिम्मेदारी मिली।

NAME CHANGE
I, hitherto known as Satendra Singh Rathil alias Salender Rathi S/O Iqbal Singh R/O Ward no-4, Shiv Vihar, Binoli road Baraut, Baraut, District-Baghpat, Pin-250611 have changed my name and shall here after be known as Salender Rathi.
NAME CHANGE
I, GULSHAN JHAA R/O L-1511/3, SANGAM VIHAR, DELHI-110062 have changed my name to GUL-SHAN JAHAN.

सार्वजनिक सूचना
श्री देवकाश आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड से 292 वर्ग गज के एक मकान/संपत्ति के संबंध में ब्रह्म मांग रहे हैं, जो खेचर संख्या 268, खाता संख्या 292, खसत संख्या 73/2 (15-6) के अंतर्गत आता है, जिसमें से 87/2754 गज, जो 0 कनार 9 मल 6 सरसई के बबबर है, ग्राम तिगल, उप-तहसील बजौराबाद, जिला गुरग्राह, हरियाणा में स्थित है, जिसे आमो उक्त संपत्ति कहा गया है। श्री जगराज, श्री बलराज और श्री हेमराज ने अपने दिवंगत पिता श्री मम्मन द्वारा निम्नादिष्ट वसीयत के अनुसार उत्तराधिकार और उत्पत्तिद्वन (विप्रास्त दस्तावेज संख्या 1570) के माध्यम से उक्त संपत्ति में स्थाविर प्राप्त किया है। इसके अलावा यह भी बताया गया है कि श्री जगराज और श्री बलराज ने उक्त संपत्ति में अपने-अपने अविभाजित हिस्से श्री हेमराज के पक्ष में हस्तांतरित/व्यापन के लिए मौखिक रूप से सहमत व्यक्त की है। हालांकि, उक्त मौखिक समझौता लिखित रूप में दर्ज नहीं किया गया है, और श्री हेमराज के पक्ष में उक्तके संबंधित हिस्से के हस्तांतरण का पक्ष को स्थापित करने वाला कोई दस्तावेजी साक्ष्य या पंजीकृत दस्तावेज वर्तमान में उपलब्ध नहीं है। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी बार्डर्स, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिष्टी कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे सुवर्णों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ किसी लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एम्प्लॉयमेंट्स , एलएलपी

बी-132, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017

मोबाइल नंबर - 9991116006

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया टोनािका सिटी लोनी (गाजियाबाद) , उत्तर प्रदेश से छात्रक प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bhatnagar,Zafar Marg, JTO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814

मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail:
qpatrika@gmail.com

Website: www.guampatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid Advocate Dr. A.P.Singh Advocate Manish Shrivastava Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बिजली विभाग की उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक 21 अक्टूबर को : भूपिंदर सिंह

एजेंसी **कैथल**। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता भूपिंदर सिंह ने बताया कि बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए 21 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक विशेष उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता फोरम के अध्यक्ष श्री योगराज करेंगे। यह बैठक एसई सर्कल, यूएचबीवीएन, कैथल के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं का स्थानीय स्तर पर समाधान नहीं हो पाया है, वे निर्धारित समय पर अपनी शिकायत फोरम के समक्ष रख सकते हैं। इसमें दो वर्ष से अधिक पुराने, न्यायालय में विचाराधीन तथा बिजली चोरी से संबंधित मामले फोरम में नहीं लिए जाएंगे। सभी उपभोक्ताओं से शिविर का लाभ उठाने की अपील की गई है।

28 अक्टूबर तक दावे –आपत्तियों का निपटान करें सुनिश्चित

हिसार। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला के विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य जारी है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनदीप कौर ने इसको लेकर कहा है कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र नामों को हटाकर सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाना है। उन्होंने बताया है कि एसआईआर-2026 के कार्यक्रम के अनुसार दावे एवं आपत्तियों का निपटारा 28 अक्टूबर तक होगा तथा अंतिम मतदाता सूची 6 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता नाम, पता, आयु, फोटो सहित अन्य विवरणों की जांच कर त्रुटि मिलने पर समय रहते सुधार संभव है। मतदाता सूची को शुद्ध एवं विश्वसनीय बनाने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने सभी निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया नियमानुसार पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

किसान आधुनिक कृषि यंत्रों के प्रयोग से पराली का खेत में ही करे प्रबंधन

हिसार। हरियाणा सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत धान की फसल कटाई उपरांत धान फसल अवशेषों को मशीनों की सहायता से मिट्टी में मिलाने पर किसानों को 1200 रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रोत्साहन राशि को प्राप्त करने के लिए किसानों का मेरी फसल मेरा ब्यूरा पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है। उपायुक्त मनदीप कौर ने इसको लेकर बताया है कि फसल अवशेष जलाने की घटनाओं की निवारनाी एवं रोकथाम के लिए जिला स्तर, ब्लॉक स्तर एवं गांव स्तर पर टीमें गठित की गई हैं। यदि कोई किसान पराली जलाता हुआ पाया जाता है अथवा उसके खेत में पराली जलने की घटना पाई जाती है तो राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनसीटी) के द्वारा जारी निर्देशों के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही मेरी फसल मेरा ब्यूरा पोर्टल पर भूमि रिकॉर्ड में रेड एंटी दर्ज कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला के विभिन्न गांवों में किसानों द्वारा धान की फसल बोई गई है तथा ऐसे सभी गांवों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। पराली को जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है, मिट्टी की जैविक गुणवत्ता प्रभावित होती है। मिट्टी में मौजूद मित्र कीट नष्ट हो जाते है। कोई भी किसान खेतों में पराली न जलाए व इसके लिए दूसरे किसानों को भी जागरूक करें। खेतों में पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है जिससे सांस व फेफड़ों से संबंधित बीमारियां होती है। खेतों में आग लगाने से खेतों में छोटे-छोटे कणों से पी.एम. 2.5 का स्तर अत्यधिक बढ़ जाता है।

किसानो की पूरी फसल एमएसपी पर खरीदेगी सरकार : श्याम सिंह राणा

टोहाना। हरियाणा सरकार ने किसान हित में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान धान की सरकारी खरीद के लिए निर्धारित औसत जिला-वार प्रति एकड़ सीमा से अधिक उत्पादन हुई फसल ख़र्दने का निर्णय लिया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की धान की पूरी फसल निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदेगी। जिन किसानों की फसल निर्धारित प्रति एकड़ सीमा से अधिक है, उन्हें इसकी सूचना संबंधित मंडी सचिव को देनी होगी। उपायुक्त की अध्यक्षता वाली कमेटी के वरिफिकेशन के बाद 48 घंटे के भीतर जे-फॉर्म जारी करवाकर फसल की खरीद सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाएगी। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने रविवार को टोहाना अनाज मंडी की निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने मंडी में धान की आवक, खरीद, तैल, गेट पास जारी करने और खरीदी गई फसल के उठान सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया पारदर्शी और सुचारू ढंग से संचालित की जाए।

समाधान शिविर में एसडीएम व सीटीएम ने सुनी आमजन की समस्याएं

इसमें एसडीएम संजय कुमार और सीटीएम कैप्टन प्रमेश कुमार ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

व अन्य ग्रामीणों ने बाबा लदाना रोड पर स्थित पोल्ट्री फार्म को बंद करवाने तथा वहां लगे बड़े पंखों को हटवाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि पोल्ट्री फार्म से निकलने वाली तेज दुर्गंध और

हटवाने की मांग उठाई। उन्होंने बताया कि पोल हटवाने के लिए वह बिजली विभाग में निर्धारित राशि पहले ही जमा करवा चुके हैं, लेकिन अभी तक पोल नहीं हटाया गया है।वार्ड नंबर छह निवासी

अस्पताल आरके पुरम कैथल के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय की जर्जर हालत को लेकर भी शिकायत दी। एसडीएम संजय कुमार और सीटीएम कैप्टन प्रमेश कुमार ने सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए शिकायतें भेजीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत की जांच करते हुए नियमानुसार समाधान किया जाए। शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी न हो और आमजन को राहत प्रदान करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। इस अवसर पर डीएसपी सुशील प्रकाश, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन यशपाल प्रजापति, अनिल वर्मा सहित अन्य व्यक्ति मौजूद रहे।



गंदगी के कारण आसपास के लोगों तथा राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार, जनकपुरी कॉलोनी निवासी मिथ्या सिंह ने अपने मकान के सामने लगे बिजली के पोल को

विक्की सैनी ने अग्रसेन पुरम कॉलोनी और बिशनगढ़ गामड़ी में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या का मुद्दा उठाया और इस समस्या से निजात दिलवाने की मांग की। इसी प्रकार उसने सरकारी

थाना क्षेत्र, जिला रोजगार अधिकारी डॉ. शक्तिपाल को गदपुरी थाना क्षेत्र, लोक निर्माण विभाग के एसडीई विपिन व्यास को हथौन थाना क्षेत्र तथा खंड शिक्षा अधिकारी ओमपाल सिंह को बहीन थाना क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार पंचायती राज विभाग के एसडीओ अर्पित अग्रवाल को हथौन खंड के उटावड़ थाना क्षेत्र,

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पलवल में महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह में की शिरकत, सेवा सदन के नवनिर्मित भवन का हुआ लोकार्पण

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने मवन के तीसरे चरण के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की

एजेंसी **पलवल**। हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के सामाजिक समरसता, सहयोग, समान अवसर और आत्मनिर्भरता के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। उनके विचार समाज को एकजुट रखने और प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने समाज के प्रबुद्धजनों से बेटीयों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षित और आत्मनिर्भर बेटीयां देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाती हैं। डॉ. अर्चना गुप्ता श्री वैश्य अग्रवाल सभा पलवल के तत्वावधान में आयोजित आठ दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती



समारोह के समापन अवसर पर संबोधित कर रही थीं। इस दौरान ओमेश्वर सिटी स्थित महाराजा अग्रसेन सेवा सदन के दूसरे चरण में नवनिर्मित पूर्णतः वातानुकूलित भवन का लोकार्पण भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम और

एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. सुभाष चंद्रा ने किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण और उन्नयन के लिए कार्य कर रही है। सामाजिक संस्थाएं भी जनसेवा, शिक्षा और जरूरतमंदों की सहायता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उन्होंने

श्री वैश्य अग्रवाल सभा के प्रयासों की सराहना की।हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि महाराजा अग्रसेन सेवा सदन सामाजिक सहयोग और जनकल्याण का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि जून 2024 में उनके द्वारा शिलान्यास किए गए भवन के दो वर्ष से पहले लोकार्पण होना प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने भवन के तीसरे चरण के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। समारोह में वैश्य अग्रवाल समाज के 256 वरिष्ठ नागरिकों को वरिष्ठ वैश्य नागरिक सम्मान तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों को वैश्य गौरव सम्मान प्रदान किया गया। बच्चों की फैसी ड्रेस प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी सभी का मन मोह लिया।

प्राइवेट और पैरा मेडिकल कॉलेजों में तय शुल्क से ज्यादा वसूली करने पर होगी कार्रवाई

निदेशालय द्वारा सभी संस्थानों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि सरकार द्वारा निर्धारित फीस संरचना को संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशक धीरेंद्र खड़गटा (आईएस) द्वारा जारी इस आदेश में सभी संबंधित संस्थानों को सरकार द्वारा संबंधित पाठ्यक्रमों एवं शैक्षणिक सत्रों के लिए निर्धारित व अधिसूचित फीस संरचना (शुल्क ढाँचे) का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि कोई भी निजी संस्थान किसी भी छात्र या उनके माता-पिता/अभिभावक से सक्षम

प्राधिकारी द्वारा निर्धारित या अधिकृत राशि से अधिक किसी



भी नाम या रूप में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कोई शुल्क, शुल्क-अंश, जमा या अन्य राशि

की मांग, संग्रह या वसूली नहीं करेगा। निदेशालय द्वारा सभी

संस्थानों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि सरकार द्वारा निर्धारित फीस संरचना को

संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। साथ ही छात्र से ली गई प्रत्येक राशि के लिए उचित रसीद जारी करना और वसूल किए गए सभी शुल्कों का पूरा रिकॉर्ड बनाए रखना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने निर्देशों में यह भी चेतावनी दी गई है कि निर्धारित शुल्क संरचना से बचने या उसे घुमा-फिराकर लागू करने के लिए किसी अन्य नाम या व्यवस्था के तहत कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा, किसी

भी छात्र या अभिभावक को किसी भी अनाधिकृत राशि के भुगतान के लिए दबाव, उत्पीड़न या किसी अन्य अनुचित व्यवहार का शिकार नहीं बनाया जाना चाहिए। निदेशालय ने यह साफ कर दिया है कि निर्धारित शुल्क संरचना का उल्लंघन या इसमें किसी भी प्रकार का विचलन पाए जाने पर इसे अत्यंत गंभीरता से लिया जाएगा। ऐसे मामले में दोषी पाए जाने वाले संस्थान के खिलाफ लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और सक्षम प्राधिकारी के आदेशों व निर्देशों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मंडियों में सुचारू रूप से चल रही बाजरे की खरीद, जिले में अब तक 32,390 मीट्रिक टन की आवक

एजेंसी **गुरुग्राम**। जिले में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान बाजरे की खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। अब तक जिले की विभिन्न मंडियों में 32,390 मीट्रिक टन बाजरे की आवक दर्ज की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि जिले की तीन मंडियों—जटौली, फर्रुखनगर और सोहना में बाजरे की खरीद की जा रही है। प्रवक्ता ने बताया कि अब तक फर्रुखनगर मंडी में 8,020 मीट्रिक टन, जटौली मंडी में 21,227 मीट्रिक टन तथा सोहना मंडी में 3,142 मीट्रिक टन बाजरे की आवक हुई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा

सरकार भावांतर भरपाई योजना के तहत बाजरा उत्पादक किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। योजना के अंतर्गत बाजरे के लिए 2,900 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करने का प्रावधान है। निर्धारित नियमों एवं पात्रता के अनुसार 2,900 रुपये प्रति क्विंटल के निर्धारित मूल्य तक अधिकतम 600 रुपए के अंतर की भरपाई सरकार द्वारा भावांतर के रूप में की जाएगी। उन्होंने कहा कि मंडियों में खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जनगणना-2027 के दूसरे चरण को लेकर अधिकारियों व कर्मचारियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

फरवरी 2027 में शुरू होने वाली जनसंख्या गणना से पहले 15 दिनों तक चलेगी स्व-गणना की प्रक्रिया, गणना के बाद पांच दिन का होगा पुनरीक्षण

एजेंसी **कैथल**। डीसी अपराजिता ने बताया कि भारत की जनगणना-2027 का दूसरा चरण यानी जनसंख्या गणना फरवरी माह में शुरू होगा। इसमें प्रत्येक व्यक्ति एवं परिवार से संबंधित जनसांख्यिकीय, सामाजिक, आर्थिक तथा अन्य निर्धारित जानकारीयें एकत्रित की जाएंगी। जनगणना कार्य को व्यवस्थित, समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से पूरा करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों, फील्ड ट्रेनर्स, प्रणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनगणना अधिकारियों एवं तकनीकी सहायकों (टीए) का प्रशिक्षण 22 से 23 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इसके बाद फील्ड ट्रेनर्स को 2 से 4 दिसंबर तक प्रशिक्षण दिया

जाएगा। वहीं, प्रणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 14 दिसंबर से 15 जनवरी 2027 तक चलेगा। प्रशिक्षण के माध्यम से संबंधित कर्मचारियों को जनसंख्या गणना की प्रक्रिया, प्रश्नावली भरने और आंकड़ों को सही तरीके से एकत्रित करने से संबंधित जानकारी दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि द्वितीय चरण से संबंधित सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी की जाएं। संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। जनगणना से जुड़े दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें।

डीसी ने बताया कि जनसंख्या गणना की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने और आमजन की भागीदारी बढ़ाने के लिए फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना शुरू होने से पहले 15 दिनों की अवधि स्व-गणना के लिए निर्धारित की जाएगी। इस दौरान नागरिक निर्धारित ऑनलाइन माध्यम से अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। इससे गणना प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने और घर घर जाकर किए जाने वाले कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने में मदद मिलेगी।

एजेंसी **पलवल**। दशहरा पर्व के दौरान जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने आवश्यक कदम उठाए हैं। जिलाधीश डॉ. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 16(1) और 17(H) के तहत 20 अक्टूबर 2026 के

लिए 13 अधिकारियों को इ्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। ये अधिकारी अपने निर्धारित क्षेत्रों में संबंधित पुलिस थानों के साथ समन्वय स्थापित कर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश के अनुसार कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के एडीओ जय सिंह को पलवल शहर

थाना क्षेत्र, जिला रोजगार अधिकारी डॉ. शक्तिपाल को गदपुरी थाना क्षेत्र, लोक निर्माण विभाग के एसडीई विपिन व्यास को हथौन थाना क्षेत्र तथा खंड शिक्षा अधिकारी ओमपाल सिंह को बहीन थाना क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार पंचायती राज विभाग के एसडीओ अर्पित अग्रवाल को हथौन खंड के उटावड़ थाना क्षेत्र,

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता विनय प्रकाश चौहान को पलवल सदर थाना क्षेत्र, पब्लिक हेल्थ पलवल के एसडीई त्रिलोकचंद मंगला को कैप थाना क्षेत्र तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के एडीओ रमेश बंसल को चांदहट थाना क्षेत्र का इ्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसके अलावा होडल के

खंड कृषि अधिकारी सुभाषचंद को होडल थाना क्षेत्र, सिंचाई विभाग के एसडीई सुभाष चंद्र को मुंडकटी थाना क्षेत्र तथा पंचायती राज विभाग के एसडीओ संजय कुमार को हसनपुर थाना क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है। लोक निर्माण विभाग के एसडीई सिद्धार्थ देव को पलवल के लघु सचिवालय क्षेत्र के लिए सुरक्षा इंचार्ज तथा हरियाणा रोडवेज पलवल के

महाप्रबंधक जितेंद्र सिंह को पलवल जिले में यातायात प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाधीश ने सभी नियुक्त इ्यूटी मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने निर्धारित क्षेत्रों में तैनात रहकर संबंधित पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय बनाएं और पर्व के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करें।

चीन की अर्थव्यवस्था में 4.5 फीसदी की वृद्धि

हांगकांग ।

चीन ने सोमवार को जानकारी दी कि जुलाई से सितंबर की तीसरी तिमाही में उसकी अर्थव्यवस्था में पिछले साल के मुकाबले 4.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़ा विश्लेषकों के अनुमानों से बेहतर और अप्रैल-जून अवधि की 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है। हालांकि, पूरे साल के लिए चीन का लक्ष्य 4.5-5 फीसदी विकास दर का है, जो पिछले साल की 5 फीसदी वृद्धि से कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2026 के लिए चीन के विकास दर अनुमान को घटाकर 4.5 प्रतिशत किया है, जो बीजिंग के लक्ष्य की निचली सीमा है। घरेलू मांग कमजोर बनी हुई है, जिसका मुख्य कारण रियल एस्टेट बाजार की लंबी मंदी है, लेकिन मजबूत निर्यात ने इस तिमाही में अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है।

हरित शुल्क से महंगी होंगी हवाई यात्राए- मलेशिया एविएशन ग्रुप

टिकाऊ ईंधन की ऊंची लागत व सीमित उपलब्धता बड़ी चुनौती क्दुआलालंपुर ।

मलेशिया एयरलाइंस की मूल कंपनी मलेशिया एविएशन ग्रुप के एक प्रमुख अे धिकारी ने सोमवार को चेतावनी दी कि टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) की ऊंची लागत की भरपाई के लिए यात्रियों पर हरित शुल्क लगाया जा सकता है। इससे हवाई टिकटों की कीमतें बढ़ेंगी। यह टिप्पणी तब आई जब वैश्विक विमानन कंपनियां कार्बन उत्सर्जन घटाने और एसएएफ की अत्यधिक लागत तथा सीमित उपलब्धता की चुनौतियों से जूझ रही हैं। नसरुद्दीन ने जोर दिया कि लागत उपभोक्ताओं और एयरलाइंस दोनों के लिए वहनीय होनी चाहिए। उन्होंने नियामकों, ईंधन आपूर्तिकर्ताओं व एयरलाइंस से एसएएफ की लागत कम करने का आग्रह किया, क्योंकि पूरी लागत यात्रियों पर डालने से हवाई यात्रा की मांग घट सकती है। सिंगापुर जनवरी 2027 से अनिवार्य हरित विमानन शुल्क लागू करने वाला दुनिया का पहला देश बन जाएगा। विमानन क्षेत्र वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का लगभग 2.5 फीसदी है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन ने 2050 तक शुद्ध कार्बन उत्सर्जन शून्य करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें एसएएफ 65 फीसदी तक सहायक माना जाता है। मलेशिया एयरलाइंस अपने बेड़े का आधुनिकीकरण और एसएएफ का उपयोग कर रही है। हालांकि, हरित शुल्क लगाने का अंतिम निर्णय सरकार का होगा।

एचडीएफसी बैंक के दमदार नतीजे, ब्रोकरेज ने दी खरीद की सलाह

एमके ग्लोबल ने 1,050 रुपये का लक्ष्य भाव दिया

नई दिल्ली।

एचडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मजबूत नतीजे घोषित किए हैं, जिसके बाद चार प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों ने बैंक के शेयर पर खरीदारी की सलाह बरकरार रखी है। ब्रोकरेज ने वित्तीय स्थिति में सुधार और नए नेतृत्व में वृद्धि की उम्मीद जताई है। बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 5 फीसदी बढ़कर 19,510 करोड़ रुपए रहा, जबकि ब्याज आय 10 फीसदी बढ़कर 34,619 करोड़ रुपए हुई। कर्ज और जमा में मजबूत वृद्धि दर्ज हुई, साथ ही कर्ज की गुणवत्ता में सुधार दिखा। एमके ग्लोबल ने 1,050 रुपए का सबसे अधिक लक्ष्य भाव दिया है, जो मौजूदा स्तर से करीब 44 फीसदी की संभावित तेजी दर्शाता है। जेफरीज, मोतीलाल ओसवाल और नुवामा ने भी ऊंचे लक्ष्य दिए हैं।

स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स में बंपर उछाल

हाइब्रिड रणनीतियों का दबदबा, निवेशक खातों की संख्या 1.56 लाख के पार

नई दिल्ली ।

भारतीय निवेश बाजार में स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स (एसआईएफ) ने पिछले एक साल में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि दर्ज की है। अक्टूबर 2025 में 2,010 करोड़ रुपये की संपत्ति से शुरू होकर, सितंबर 2026 तक इनका एयूएम लगभग 19 गुना बढ़कर 38,287 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह निवेशकों की जबरदस्त दिलचस्पी और लचीली निवेश रणनीतियों की ओर बढ़ते रझान को दर्शाता है।

वैल्यूमेट्रिक्स टेक्नोलॉजीज की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 में एसआईएफ में 7,578 करोड़ रुपये का निवेश आया और पिछले 12 महीनों में कुल शुद्ध निवेश 37,606 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। सबी ने म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से इन फंडों की शुरुआत की थी। इस दौरान निवेशक खातों (फोलियो) की संख्या भी 1.56 लाख के पार पहुंच गई है, जो पारंपरिक विकल्पों से हटकर निवेशकों की पसंद को दिखाता है।

टेक फंड्स में अल्पकालिक उछाल, सतर्क रहें निवेशक

एक हफ्ते में 5 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न, पर एक साल का प्रदर्शन नकारात्मक

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच टेक्नोलॉजी सेक्टर के पांच इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने बीते एक हफ्ते (10-16 अक्टूबर 2026) में निवेशकों को 5 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न दिया है। हालांकि, यह अल्पकालिक तेजी एक चेतावनी

भी है, क्योंकि इन स्कीमों का एक साल का रिटर्न अभी भी नकारात्मक है, जो इस क्षेत्र से जुड़े उच्च जोखिम और अस्थिरता को उजागर करता है। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी टेक्नोलॉजी फंड ने भी 6.70 फीसदी की बढ़त दर्ज की, पर एक साल में यह 5.73 फीसदी नीचे रहा। आदित्य बिड़ला सन लाइफ डिजिटल इंडिया फंड (5.75 फीसदी) और फ्रैंकलिन इंडिया टेक्नोलॉजी फंड (5.68 फीसदी)

भारत में अनंतप रिट्रीट्स ब्रांड की शुरुआत करेगी। यह रिजॉर्ट 849 एकड़ में फैले प्रतिष्ठित तिनथारिया चाय बागान में विकसित किया जाएगा, जिसमें 35 स्वीट और 35 टेंट विला शामिल होंगे। जेके अर्बनस्केप्स यह निवेश कौशल कुंभट के साथ साझेदारी में कर रही है। चाय बागानों में आतिथ्य परियोजनाओं की बढ़ती लोकप्रियता को भुनाते हुए, यह पहल पर्यटकों को क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और चाय

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 876, निफ्टी 257 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है।

इसी कारण आज एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, टैट, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में भारी गिरावट रही जिससे निवेशकों की राशि डूब गयी। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 876.37 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ 73,852.90 अंकों पर बंद हुआ

फोनपे ने शेयर मार्केट को फोनपे इन्वेस्ट के रूप में किया रीब्रांड

संपति प्रबंधन सेवाओं का होगा विस्तार, व्यापक उपयोगकर्ता आधार को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फोनपे ने सोमवार को अपने निवेश एवं कारोबार मंच शेयर मार्केट को अब फोनपे इन्वेस्ट के रूप में पेश करने की घोषणा की है। इस रणनीतिक बदलाव के साथ, मंच पूरी तरह से फोनपे ब्रांड के तहत आ गया है, जिसका उद्देश्य शोध-आधारित संपत्ति प्रबंधन सेवाओं को अपने एकीकृत वित्तीय प्रणाली (भुगतान, ऋण और बीमा) में शामिल करना है। कंपनी ने बताया कि शेयर मार्केट से फोनपे इन्वेस्ट में यह बदलाव संपत्ति प्रबंधन सेवाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाएगा और फोनपे के विशाल तथा विविध उपयोगकर्ता आधार के लिए निवेश करना बेहद आसान बनाएगा। बयान के अनुसार, पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइजर निवेश से जुड़े लेन-देनों तक सीमित न रहकर, नए निवेशकों का मार्गदर्शन करेगा और अनुभवी निवेशकों को उनके पोर्टफोलियो की विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान करेगा। फोनपे के एक प्रमुख अे धिकारी ने इस कदम को संपत्ति प्रबंधन सेवाओं के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि फोनपे ब्रांड के तहत इस एकीकरण का लक्ष्य सभी भारतीयों के लिए निवेश को सुलभ बनाना है, ठीक उसी तरह जैसे कंपनी ने भारत में भुगतान व्यवस्था को सुगम बनाया है। उनका उद्देश्य निवेश को सरल, अधिक जानकारीपूर्ण और भरोसेमंद बनाना है, ताकि लोग अपने वित्तीय निर्णयों पर पूरा नियंत्रण रख सकें। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इस बदलाव के तहत मौजूदा ब्रोकरेज शुल्क, शुल्क योजनाओं या वार्षिक रखरखाव शुल्क (एएमसी) में कोई परिवर्तन नहीं होगा, जिससे ग्राहकों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

कच्चा तेल 5 महीने के उच्च स्तर से फिसला

ब्रेंट लगभग 108 डॉलर ,पश्चिम एशिया में तनाव और टैंकर हमलों से वैधिक आपूर्ति पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को हल्की नरमी दर्ज की गई, जिससे आयातक देशों को मामूली राहत मिली। दिसंबर डिलीवरी वाला ब्रेंट क्रूड 1.71 प्रतिशत गिरकर 107.98 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, तेल टैंकरों पर हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं अभी भी बरकरार हैं और इस गिरावट को बड़ी राहत मानना जल्दबाजी होगी। यह मामूली गिरावट 18 अक्टूबर को

बने पांच महीने के उच्च स्तर से बहुत ज्यादा नीचे नहीं आई है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र (यूकेएमटीओ) ने सऊदी अरब तट के पास फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हुए और हमलों की जानकारी दी है, जिससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से तेल की आवाजाही प्रभावित होने का जोखिम है। हालांकि, अमेरिका ने पिछले एक सप्ताह में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से 10 करोड़ बैरल से अधिक तेल की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद की है, जिसने बाजार को कुछ

व्यापार

रुपया नौ पैसे चढ़कर 94.80 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 94.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ



हैं। सेंसेक्स के बाकी शेयरों में आज अडानी पोर्ट्स , एलएंडटी और इंडिगो के शेयरों में तेजी रही जबकि, माहति सुजुकी के शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुए। वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट , इन्फोसिस , बजाज फाइनेंस , टैट , एनटीपीसी , एचडीएफसी बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व , भारती एयरटेल ,

आईसीआईसीआई बैंक , टाटा स्टील , सन फार्मा, आईटीसी आदि नुकसान परा बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 470.50 अंक गिरकर 74,318 पर आ गया था। वहीं निफ्टी 147.10 अंक गिरकर 22,999.05 पर पहुंच गया।

विकसित भारत कानून-आदिवासी रोजगार पर 50 दिन का पैंच!

- लाखों आदिवासी परिवारों के लिए आजीविका संकट गहराने की आशंका

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को प्रतिस्थापित कर लागू किए गए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के तहत लाखों आदिवासी परिवारों की आजीविका पर संकट गहरा गया है। 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हुए इस नए कानून में वन अधिकार कानून (एफआरए) के तहत जमीन का पट्टा पाने वाले उन गरीब परिवारों के लिए 50 अतिरिक्त दिनों के विशेष रोजगार को लेकर अनिश्चितता है, जो उन्हें मनरेगा के तहत मिलता था, जिससे उनके कुल काम के दिन 150 से घटकर 125 होने की आशंका है। मनरेगा

के पुराने प्रावधानों के तहत, जनवरी 2014 से, एफआरए पट्टाधारक परिवारों को सामान्य 100 दिनों के अतिरिक्त 50 दिन का काम सुनिश्चित किया जाता था, बशर्ते उनके पास कोई अन्य निजी जमीन न हो। यह विशेष प्रावधान मनरेगा की धारा 3(4) के तहत एक प्रशासनिक आदेश द्वारा दिया गया था, जिसका उद्देश्य जंगल पर निर्भर अति-गरीब अनुसूचित जनजाति परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त और स्थिर करना था।

हालांकि, नए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 की धारा 5(1) सभी ग्रामीण परिवारों को 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी देती है। समस्या यह है कि इसकी धारा 5(4) भले ही सरकार को जरूरत के हिसाब से

125 दिन से ज्यादा काम देने का अधिकार देती है, लेकिन इसमें एफआरए पट्टाधारक आदिवासी परिवारों के लिए पहले से मिलने वाले 50 अतिरिक्त दिनों के रोजगार का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है।

हाल ही में एक आरटीआई रिपोर्ट ने भी इस अस्पष्टता की पुष्टि की है, जिससे इन परिवारों के कुल काम के दिन 150 से घटकर 125 होने की आशंका बढ़ गई है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना ​​है कि नए कानून की धारा 37 (निरसन और बचत) और जनरल क्लॉज एक्ट, 1897 की धारा 6 के आधार पर 2014 का पुराना आदेश जीवित रह सकता है, क्योंकि यह नए कानून के किसी मूल सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। इसके बावजूद, सरकारी

लक्जरी घरों की मांग के बीच डीएलएफ 58,000 करोड़ की परियोजनाएं लांच करेगी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ लिमिटेड अगले दो से तीन वर्षों में 58,000 करोड़ रुपये की बिक्री क्षमता वाली नई आवासीय परियोजनाएं लॉन्च करने की तैयारी में है। कंपनी निवेशकों और खरीदारों दोनों से मिल रही लक्जरी घरों की मजबूत मांग को भुनाना चाहती है। कंपनी के निवेशक प्रस्तुतीकरण के अनुसार मध्यम अवधि में लगभग 2.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 58,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री क्षमता वाली परियोजनाएं पेश की जाएंगी। डीएलएफ ने पिछले ढाई वर्षों में 1.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 56,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पेश किया है, जो बाजार में मजबूत प्रदर्शन का संकेत है। डीएलएफ होम डेवलपर्स लिमिटेड के एक अे धिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कंपनी मुंबई और गुरुग्राम में विशेष रूप से लक्जरी अवसाथी परियोजनाएं पेश करेगी। हाल ही में, गुरुग्राम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए लॉन्च की गई द ऑरेंजा परियोजना के तहत 172 लक्जरी घर 1,985 करोड़ रुपये में बिक गए, जो इस सेगमेंट में असाधारण मांग को दर्शाता है।

एयरटेल ने लॉन्च किए सिर्फ कॉल और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान

- 185 रुपए से शुरू होकर 28 दिन से एक महीने की वैधता

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की समय-सीमा का पालन करते हुए तीन नए प्रीपेड प्लान बाजार में उतारे हैं। ये प्लान विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए हैं जिन्हें केवल कॉलिंग और मैसेजिंग (एसएमएस) की सुविधा चाहिए और वे डेटा के खर्च से बचना चाहते हैं। इन प्लान्स में कोई डेटा शामिल नहीं है, जिससे कम आय वाले और ग्रामीण ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी। एयरटेल ने 185 रुपये, 203 रुपये और 206 रुपये के ये प्लान पेश किए हैं, जिनकी वैधता 28 दिन से लेकर एक महीने तक है। 185 रुपये के प्लान में ग्राहकों को 28 दिनों के लिए असीमित कॉलिंग और 300 एसएमएस की सुविधा मिलेगी।

वहीं, 203 रुपये वाला प्लान 30 दिनों के लिए और 206 रुपये वाला प्लान पूरे एक महीने के लिए (28 या 31 दिन) वैध होगा। 300 एसएमएस की सीमा समाप्त होने के बाद, लोकल मैसेज के लिए 1 रुपये और

रुपया नौ पैसे चढ़कर 94.80 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 94.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ



विदेशी मुद्रा बाजार में सोमवार के कारोबारी दिन रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 94.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विदेशी मुद्रा बाजार में संरचनात्मक हस्तक्षेपों से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में सात महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी रुपये के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.90 प्रति डॉलर पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को 10 पैसे मजबूत होकर 94.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 101.83 पर रहा।

विकसित भारत कानून-आदिवासी रोजगार पर 50 दिन का पैंच!

सश्टीकरण के अभाव में, यह तय नहीं हो पा रहा है कि ये अतिरिक्त 50 दिन 125 दिनों के ऊपर मिलेंगे या नहीं। इस स्थिति से संविधान के अनुच्छेद 14 (समता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) से जुड़े सवाल भी उठ रहे हैं, क्योंकि जो पहले से कमजोर वर्ग था, उन्हें सामान्य लोगों के बराबर लाकर खड़ा कर दिया गया है, जिससे उनके लिए आजीविका का संकट गहरा सकता है। विशेषज्ञों ने केंद्र सरकार से इस अनिश्चितता को दूर करने के लिए तत्काल कोई स्पष्ट नीतिगत फैसला या आदेश जारी करने का आग्रह किया है, ताकि लाखों आदिवासी परिवारों की रोजी-रोटी पर बना यह संकट समाप्त हो सके।

लक्जरी घरों की मांग के बीच डीएलएफ 58,000 करोड़ की परियोजनाएं लांच करेगी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ लिमिटेड अगले दो से तीन वर्षों में 58,000 करोड़ रुपये की बिक्री क्षमता वाली नई आवासीय परियोजनाएं लॉन्च करने की तैयारी में है। कंपनी निवेशकों और खरीदारों दोनों से मिल रही लक्जरी घरों की मजबूत मांग को भुनाना चाहती है। कंपनी के निवेशक प्रस्तुतीकरण के अनुसार मध्यम अवधि में लगभग 2.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 58,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री क्षमता वाली परियोजनाएं पेश की जाएंगी। डीएलएफ ने पिछले ढाई वर्षों में 1.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 56,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पेश किया है, जो बाजार में मजबूत प्रदर्शन का संकेत है। डीएलएफ होम डेवलपर्स लिमिटेड के एक अे धिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कंपनी मुंबई और गुरुग्राम में विशेष रूप से लक्जरी अवसाथी परियोजनाएं पेश करेगी। हाल ही में, गुरुग्राम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए लॉन्च की गई द ऑरेंजा परियोजना के तहत 172 लक्जरी घर 1,985 करोड़ रुपये में बिक गए, जो इस सेगमेंट में असाधारण मांग को दर्शाता है।

एयरटेल ने लॉन्च किए सिर्फ कॉल और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान

- 185 रुपए से शुरू होकर 28 दिन से एक महीने की वैधता



एसटीडी के लिए 1.5 रुपये का शुल्क लेगी। इंटरनेट का उपयोग करने पर 50 पैसे प्रति एमबी खर्च होंगे।

यह कदम ट्राई द्वारा हाल ही में जारी उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसमें सभी टेलीकॉम कंपनियों को केवल वॉइस और एसएमएस वाले प्लान पेश करने को कहा गया था। ट्राई ने यह निर्देश ग्रामीण क्षेत्रों, कम आय वाले परिवारों और फीयर फोन का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर दिया था, जिन्हें केवल मोबाइल चालू रखने के लिए डेटा वाले महंगे रिचार्ज खरीदने पड़ते थे। एयरटेल ने समय सीमा का पालन किया है, जबकि जियो और वोडाफोन-आइडिया जैसी अन्य प्रमुख कंपनियों को अभी अपने पैकेज लॉन्च करने बाकी है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में शक्ति और सामर्थ्य से सार्थक हो रहा है भारत



डॉ. मोहन यादव

इस विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन के साथ अपने संकल्पों को मी नई धार दें। भगवान श्रीराम की मयार्दा, मां दुर्गा की शक्ति और वीर सैनिकों का साहस हमारा पथ प्रकाशित करे। हम सत्य के पक्ष में खड़े हों, न्याय के लिए कार्य करें और अपने कर्तव्य से राष्ट्र को सशक्त बनाएं।

विजयादशमी सत्य की शक्ति और शक्ति की सार्थकता का महापर्व है। यह भारतीय चेतना का वह प्रकाश है, जो हमें विश्वास दिलाता है कि अन्याय कितना भी प्रबल हो, प्रतिकार का संकल्प उससे बड़ा होता है। असत्य का वैभव क्षणिक है, सत्य का सामर्थ्य शाश्वत। भगवान श्रीराम की विजय इसी विश्वास की प्रतिष्ठा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सत्य के प्रति आस्था के साथ उसकी रक्षा का साहस भी आवश्यक है। न्याय की कामना तभी फलित होती है, जब समाज उसके लिए खड़ा होने का संकल्प लेता है।

भगवान श्रीराम के देश में शक्ति की आराधना का उद्देश्य सदैव लोकमंगल रहा है। श्रीराम का धनुष पीड़ितों के लिए आशवासन और अत्याचारियों के लिए चेतावनी है। उनका पराक्रम मयार्दा से प्रेरित है और उनका प्रत्येक संकल्प जनकल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने वनवास के कठिन मार्ग पर समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर यह सिद्ध किया कि विश्वास, संगठन और सामूहिक पुरुषार्थ से बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है। यही हमारी सांस्कृतिक चेतना का आधार और राष्ट्रनिर्माण का मार्ग है।

विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन इसी चेतना की अभिव्यक्ति है। शस्त्रों का पूजन करते हुए हम शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग और उसके साथ जुड़े उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि हमारा बल निर्बल की रक्षा करे, हमारा साहस अन्याय के विरुद्ध खड़ा हो और हमारा पराक्रम मानवता के कल्याण में समर्पित रहे। शस्त्र धारण करने वाले हाथों में संयम और निर्णय लेने वाले मन में संवेदना हो यही इस परंपरा का संदेश है। मयार्दा से अनुशासित शक्ति ही समाज का विश्वास बनती है।

आज यही भाव भारत के राष्ट्रीय आत्मविश्वास में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प और भारतीय सशस्त्र बलों का अदम्य पराक्रम देशवासियों को गर्व से भरता है। भारत शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है।



अपनी संप्रभुता, स्वाभिमान और नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्णय लेने का उसका संकल्प भी उतना ही अटल है। हमारी शांतिप्रियता को हमारे सामर्थ्य का संबल प्राप्त है। सजग और समर्थ भारत विश्वशांति के प्रति अपने दायित्व को भी दृढ़ता से निभा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी ढांचों के विरुद्ध सटीक कार्रवाई कर साहस, कौशल और सैन्य दक्षता का परिचय दिया। हमारे वीर जवानों ने अपने पराक्रम से राष्ट्र के सुरक्षा संकल्प को साकार किया। यह

शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और विश्वास का विषय है। विजयादशमी पर हम अपने सैनिकों को नमन करते हुए उस कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लें, जिसके लिए राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि है। देश का सम्मान सुरक्षित रखने वाले इन प्रहरियों के प्रति हमारी कृतज्ञता हमारे आचरण में भी दिखाई देनी चाहिए।

सीमा पर तैनात सैनिक का जीवन त्याग और तपस्या की जीवंत गाथा है। जब हम अपने परिवार के साथ पर्व मनाते हैं, तब वह अपने परिवार से दूर हमारी सुरक्षा में तैनात रहता

क्या कभी आत्मदैन्य से मुक्त हो सकेंगे हम?

खुद को आधा-अधूरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आदर्श बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय,रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला ,कना हमारी दास्तां भी न होती दास्तानों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था। औसत भारतीय का आचरण अंग्रेजी शासनकाल में कैसा था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गई। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे साल बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने 'अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्ग' छोड़कर 'अंग्रेजितव की पगडंडियों' पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा-परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धर्मपाल जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। 'स्व' के स्थान पर 'परकीय' विचारों की स्थापना के प्रयास अनेक चले। हम एक 'राष्ट्र' नहीं हैं, बतिया गया। खूब स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरक्स स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी

पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर इस पूरे विचार को ही पोंगापंथ और पिछड़ेपन के रूप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया। राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफ वापसी करना चाहता है। जिसे 'विचारों की घर वापसी' कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सृ्र्य की स्थापना करने के लिए अद्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भावनात्मक प्रवचनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर भ्रमों के निवारण का जतन करे। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार है। जहां साझापन सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज होने कारण हमने मध्भिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका उदाहरण हमारी 'शास्त्रार्थ' परंपरा है। इसलिए 'एक किताब, एक विचार, एक देवता' को मानने और दूसरे विचार को समाप्त करने को आतुर विचार भारत को नहीं समझ सकते। जहां दुनिया के हर पंथ के लोग नैसर्गिक सहजता से सांस ले सकते हैं। यहां कोई श्रेष्ठ और निकृष्ट नहीं है। सब समान रूप से इस धरती मां की संतानें हैं। ऐसे में भारत केन्द्रित विमर्श ही विश्व शांति का मार्ग है। 'स्वत्व' ही मार्ग है, जिस पर चलने के लिए हमें महात्मा

क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है?

खबर सुर्खियों में आना स्वाभाविक है। टाइगर श्रॉफ की लोकप्रियता के कारण इस घटना पर देशभर की निगाहें टिकनी भी असामान्य नहीं है। मगर इस घटना का सबसे गंभीर पहलू यह है कि गोलीबारी की चपेट में वे लोग भी आ सकते थे, जिनका न तो फिल्मी दुनिया से कोई संबंध है और न ही किसी विवाद से। ड्राइवर और ऑटो-रिक्शा चालक जैसे आम लोग ऐसी घटनाओं में बिना किसी गलती के अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सवाल यह है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह अचानक गोलीयां चलाई जा सकती हैं, तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं? सड़क पर खड़ा व्यक्ति, बाजार में खरीदारी करने वाला परिवार, देर रात ड्यूटी से लौटता कर्मचारी और अपने बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक। इन सभी को सुरक्षा का भरोसा मिला चाहिए। कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमुक्त जीवन से होता है। मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबरन वसूली और संगठित अपराध की चुनौतियां का सामना किया है। उस दौर में फिल्म उद्योग, कारोबारी जगत और आम नागरिकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने वाली घटनाएं भी हुई थीं। पुलिस की कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और कानून के सख्त इस्तेमाल से शहर ने कई मोर्चों पर अपनी स्थिति मजबूत की। ऐसे में गोलीबारी जैसी कोई घटना लोगों को उस पुराने दौर की याद दिला सकती है। हालांकि, किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि मुंबई में अंडरवर्ल्ड का पुराना आतंक लौट आया है। इसके पीछे व्यक्तिगत रंजिश, अपराधिक गिरोहों की गतिविधि, धमकी, वसूली या कोई अन्य कारण है या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। लेकिन इतना तय है कि ऐसी घटनाओं को हल्के में लेने की गुंजाइश नहीं है। समय रहते अपराधियों की पहचान, उनके नेटवर्क का खुलासा और हथियारों की उपलब्धता के स्रोत तक पहुंचना जरूरी है। यदि घटना के पीछे संगठित अपराध का हाथ निकलता है, तो कार्रवाई केवल गोली चलाने वालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बढी चाहिए। मुंबई पुलिस देश के सबसे अनुभवी पुलिस बलों में गिनी

जाती है। शहर की आबादी, आर्थिक गतिविधियों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों को देखते हुए यहां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसे में पुलिस के सामने चुनौती केवल घटना के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने की नहीं, बल्कि भविष्य में इस तरह की वारदातों को रोकने की भी है। जांच एजेंसियों को घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, इस्तेमाल किए गए हथियारों और हमलावरों के आने-जाने के रास्तों की पड़ताल करनी चाहिए। गोलीबारी के पीछे की मंशा का पता लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। क्या किसी को डराने की कोशिश की गई? क्या किसी तरह की धमकी दी गई थी? क्या यह किसी अपराधिक गिरोह की गतिविधि है? इन सभी सवालों के जवाब तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर सामने आने चाहिए। साथ ही, घायल लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया में संवेदनशीलता बरतना जरूरी है। पुलिस की जांच पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि जनता के बीच फैलने वाली अफवाहों और अनावश्यक भय पर भी अंकुश लगाया जा सके। किसी महानगर में गोलीबारी की घटना केवल पुलिस की गस्त पर सवाल नहीं उठाती, बल्कि यह भी पूछती है कि अपराधियों तक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। यदि जांच में अवैध हथियारों के इस्तेमाल की पुष्टि होती है, तो हथियारों की तस्करी और उनकी आपूर्ति करने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई अनिवार्य हो जाती है। अपराध रोकने के लिए सड़कों पर पुलिस की मौजूदगी के साथ-साथ खुफिया जानकारी जुटाने, सदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा। संवेदनशील इलाकों में प्रभावी निगरानी, त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और तकनीक का जिम्मेदार इस्तेमाल अपराधियों के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून का भय अपराधियों के मन में होना चाहिए, नागरिकों के मन में नहीं। यदि अपराधी इस विश्वास के साथ वारदात करते हैं कि वे आसानी से बच निकलेंगे, तो यह व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। त्वरित जांच, निष्पक्ष अभियोजन और दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार सजा ही न्याय व्यवस्था में विश्वास मजबूत कर सकती है। ऐसी घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर

है। हमारे घरों का उत्सव उसकी चौकसी के विश्वास पर टिका है। उसके साथ उसके परिवार का धैर्य और समर्पण भी वंदनीय है। सैनिकों, वीर नारियों और सैन्य परिवारों का सम्मान हमारी राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न अंग होना चाहिए। उनके त्याग का स्मरण हमें अपने नागरिक दायित्वों के प्रति अधिक सजग बनाता है। मध्यप्रदेश में सुरासन के हमारे प्रयासों का केंद्र भी नागरिकों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण है। माताओं-बहनों को निर्भय वातावरण मिले, युवाओं को प्रतिभा निखारने के अवसर मिलें, किसानों का परिश्रम समृद्धि में बदले और जरूरतमंद तक शासन का सहयोग पहुंचे—यही हमारा संकल्प है। शासन के सामर्थ्य की वास्तविक कसौटी अंतिम पॉ्क्ति में खुड़े व्यक्ति के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है। जब नागरिक को समय पर न्याय, सहज सेवा और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तब रामराज्य की भावना लोकजीवन में आकार लेती है। विजयादशमी हमें अपने भीतर झांकने का अवसर भी देती है। रावण दहन के साथ अहंकार, लोभ, भेदभाव और कर्तव्य के प्रति उदासीनता से मुक्ति का संकल्प आवश्यक है। ईमानदारी को व्यवहार में, सद्भाव को संबंधों में और अनुशासन को दिनचर्या में स्थान देना होगा। समाज की एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक नागरिक का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति साझा समर्पण भारत को अजेय आत्मबल प्रदान करता है।

आइए, इस विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन के साथ अपने संकल्पों को भी नई धार दें। भगवान श्रीराम की मयार्दा, मां दुर्गा की शक्ति और वीर सैनिकों का साहस हमारा पथ प्रकाशित करे। हम सत्य के पक्ष में खड़े हों, न्याय के लिए कार्य करें और अपने कर्तव्य से राष्ट्र को सशक्त बनाएं। शक्ति से सुरक्षा, सामर्थ्य से समृद्धि और सत्य से विजय—इसी संकल्प के साथ भारत का गौरवशाली भविष्य गढ़ें। सभी प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक मंगलकामनाएं।

संपादकीय

बत्ते और इंटरने

ऐसे दौर में जब आस्ट्रेलिया-फ्रांस व अन्य विकसित देशों में सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच सीमित करने के कानून बने हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच उनका मौलिक अधिकार है। इस पर प्रतिबंध लगाना अनुचित है। कोर्ट ने माना कि इंटरनेट तक पहुंच और इस्तेमाल करने का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 के साथ-साथ अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत निश्चित ह्वाक? और अभिव्यक्ति की आजादी ह्ूम में ही निहित है। दरअसल, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.बी चंद्रन की पीठ इंटरनेट के जरिये बच्चों के शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री का पता लगाने और उसे हटाने के उपायों पर विमर्श कर रही थी। इसी बीच कई देशों द्वारा एक निश्चित उम्र तक के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच सीमित करने का मामला सामने आया। भारत में भी इस तरह के प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है। अदालत का मानना था कि हम बच्चों से जुड़ी ऐसी चिंताओं को स्वीकार करते हैं, लेकिन इंटरनेट पर प्रतिबंध इसका न्यायोचित विकल्प नहीं है। शीर्ष अदालत ने माना कि इस माध्यम से बच्चों को दूर रखकर हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते। अदालत का तर्क था कि बच्चों की आजादी और सुरक्षा एक दूसरे के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन्हें दोनों ही चीजें मिलनी चाहिए। अदालत का मानना था कि नई पीढ़ी के बच्चों के लिये इंटरनेट सीखने का माध्यम भी है। दूरदराज के इलाकों में जानकारी पाने का एकमात्र जरिया होता है।

वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का गंभीरता से संज्ञान लिया कि देश में नाबालिगों से जुड़ी अश्लील सामग्री रोकने में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लापरवाही दिखा रहे हैं। अदालत का मानना था कि सभी हितधारक यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को हानि पहुंचाने वाली कोई भी सामग्री प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से उपलब्ध न हो सके। यह सामग्री न अपलोड की जाए और न ही उसे प्रोत्साहन दिया जाए। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी नाराजगी जतायी कि मध्यस्थों व सोशल मीडिया मंचों ने वर्ष 2024 में जारी किए गए कोर्ट के निर्देशों का ईमानदारी से पालन नहीं किया। साथ ही पीठ का मानना था कि आज इंटरनेट शिक्षा, सूचना और सामाजिक भागीदारी का एक सशक्त माध्यम बना है। ऐसे में यदि प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो वे निष्प्रभावी होंगे, बल्कि नुकसान पहुंचाने वाले भी हो सकते हैं। इसका नुकसान यह हो सकता है कि बच्चे ऐसी ऑनलाइन जगहों को सर्च करना शुरू कर सकते हैं, जो नियम-कानून कम होने की वजह से ज्यादा घातक हो सकती हैं। यह भी स्पष्ट किया गया कि उसकी टिप्पणी का यह अर्थ नहीं निकाला जाए कि उम्र के आधार पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए। पीठ के मुताबिक—हमारी धारणा है कि ऑनलाइन सुरक्षा के लिये कुछ सुरक्षा उपाय होने जरूरी हैं। अभिभावकों के पास उपलब्ध सामग्री की निगरानी की भी व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अंतर्गत ऐसी व्यवस्था हो सकती है, जिसमें माता-पिता के मार्गदर्शन,सहमति और निगरानी में बच्चे सोशल मीडिया मंचों का उपयोग कर सकें।

चितन-मनन

जीवन का अर्थ बताती है अर्थी

जीवन भर व्यक्ति इसी सोच में उलझा रहता है कि उसका परिवार है, बीबी बच्चे हैं। इनके लिए धन जुटाने और सुख-सुविधाओं के इंजाम में हर वह काम करने के लिए तैयार रहता है जिससे अधिक से अधिक धन और वैभव अर्जित कर सके। अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए भी तैयार रहता है। जबकि हर व्यक्ति के शरीर में आत्मा रूप में बसा ईश्वर गलत तरीके से, दूसरों को अहित पहुंचाकर लाभ पाने के लिए मना करता है। लेकिन जब व्यक्ति आत्मा की बात नहीं सुनता है तो आत्मा मौन धारण कर लेती है। आत्मा को उस दिन का इंतजार रहता है जब व्यक्ति अर्थी पर पहुंचता है। इस समय व्यक्ति को जीवन का अर्थ और आत्मा की कही बातें याद आती है। लेकिन इस समय पश्चाताप के अलावा कुछ और नहीं बचता है। सब कुछ मिट्टी में मिल चुका होता है। आपने मृत व्यक्ति को बांस की फड़ियों पर लेकर जाते हुए कभी न कभी जरूर देखा होगा। बांस की फड़ियों पर जिस पर शव को लटायता जाता है इसे अर्थी कहते हैं। अर्थी को उड़ाने के लिए चार कंधों की जरूरत पड़ती है। जब व्यक्ति की अर्थी उठायी जाती है उस समय आत्मा मृत व्यक्ति से कहती है देखो, तुम्हारी यही औकात है। तुम्हें खुद सहारे की जरूरत है, तुम झूठा अहंकार करते रहे कि तुम लोगों को आश्रय दे रहे हो। जिन लोगों के लिए तुम दिन रात धन-वैभव जुटाने में लगे रहे। आज वह सभी साथी परिवार तुम्हें विराने में ले जाकर अग्नि में समर्पित कर देगा। जीवन का मात्र यही अर्थ है। इसलिए अर्थी को जीवन का अर्थ बताने वाला कहा गया है। अर्थी ले जाते समय लोग जोर-जोर से नारे लगाते हैं राम नाम सत्य है, सब की यही गत्य है। नारे लगाने वाले लोग मृत व्यक्ति को और दुनियां को यह बताता है कि वास्तविक सत्य राम का नाम है। अंत में सभी की यही गति होनी है। इसलिए प्रभु का नाम भजते हुए ईमानदारी और सहृदयता के साथ जीवन जीना चाहिए। जरूरतमंदों की सहायता से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। गीता के ग्यारहवें अध्याय का महात्म्य बताते हुए भगवान शिव ने कहा है कि जो व्यक्ति जरूरत के समय व्यक्ति से नजर फेर लेता है वह नीच योनियों में जन्म लेता है। जरूरत के समय दूसरों की सहायता करने वाला व्यक्ति कई पापों से मुक्त हो जाता है। इसलिए व्यक्ति को परमार्थी होना चाहिए। मनुष्य का जन्म ही इस उद्देश्य के लिए हुआ। जो व्यक्ति इस अर्थ को नहीं समझता उसे अर्थी पर जाकर ही जीवन का अर्थ ज्ञात होता है।

संक्षिप्त

समाचार

बेल्जियम में आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल

ब्रसेल्स , एंजेंसी। प्रदर्शनों की आंच बेल्जियम तक भी पहुंची। राजधानी ब्रसेल्स में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। पुलिस का आरोप था कि प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर वस्तुएं फेंकीं और आगजनी की। राजधानी के पूर्व में स्थित लीज शहर में भी पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, पुलिस ने वहां प्रदर्शन में शामिल लोगों की संख्या का अनुमान नहीं बताया।

पुर्तगाल में महंगे मकानों और किराये के खिलाफ प्रदर्शन

लिस्बन , एंजेंसी। पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में भी हजारों लोग बढ़ती जीवनयापन लागत, कम वेतन और बड़े शहरों में मकान खरीदने या किराये पर लेने में बढ़ती मुश्किलों के खिलाफ सड़कों पर उतरे। रिपोर्ट के मुताबिक, पुर्तगाल में मकानों की कीमतें 2017 के बाद से दोगुने से अधिक हो चुकी हैं, जबकि नए किरायेदारी समझौतों के तहत किराये में भी तेज बढ़ोतरी हुई है। पुर्तगाल के संसदीय मामलों के मंत्री कार्लोस अब्रू अमेरिस ने शुक्रवार को कहा कि सरकार सड़कों से उठने वाले नारों के दबाव में झुकने वाली नहीं है। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने राजनीतिक नेताओं पर उनकी समस्याओं से कटे होने का आरोप लगाया।

अल्बानिया में छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्रालय का घेराव

तिराना , एंजेंसी। यूरोप के कई अन्य देशों में बिाड़ी शिक्षा व्यवस्था को लेकर युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। अल्बानिया में पिछले लगातार चार दिनों से युवा सड़कों पर हैं। टयूशन फीस में वृद्धि, विश्वविद्यालयों में खराब सुविधाएं और पढ़ाई के बाद रोजगार के अवसरों में कमी से भड़के युवाओं ने शनिवार को शिक्षा मंत्रालय का घेराव किया। इस दौरान कई जगहों पर छात्र व सुरक्षा कर्मी भिड़ गए। प्लेमिंगो रिवाल्यूशन... अल्बानिया की राजधानी तिरना और अन्य शहरों में बड़े पैमाने पर यह आंदोलन 23 मई 2026 से चल रहा है। अक्टूबर मध्य में आंदोलन ने फिर से तेजी पकड़ी। शिक्षा व्यवस्था के अलावा जनक के संरक्षित तटीय क्षेत्र में लज्जरी टूरिज्म प्रोजेक्ट्स और निर्माण के खिलाफ स्थानीय निवासी और सामाजिक कार्यकर्ता आंदोलनकर हैं। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार और महंगाई पर निशाना साधते हुए अल्बानियाई पीएम एदी रामा के इस्तीफे की मांग पर अड़े हैं।

पाकिस्तानी अधिकारियों का दावा : जवाबी कार्रवाई में मारे गए अफगान तालिबान के कई सदस्य

पेशावर , एंजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने शनिवार को खैबर पख्तूनख्वा में सीमा पर कथित तौर पर बिना उकसावे के की गई गोलीबारी के बाद जवाबी कार्रवाई की। इसमें अफगान तालिबान के कई जवान मारे गए। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि तोड़सा सेक्टर, ऊपरी कुर्रम और घुज गद्दी इलाकों में गोलीबारी की खबर मिली थी। आरोप है कि अफगान तालिबान ने आतंकवादियों को सीमा पार घुसपैठ कराने में मदद देने के लिए गोलीबारी की। अधिकारी के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई की। इसमें घुज गद्दी के सीमा क्षेत्र के पास अफगान तालिबान के कई जवान मारे गए। अपर कुर्रम सेक्टर में पाकिस्तानी बलों ने अफगान तालिबान की टॉपसर चौकी और शिपोला बेस कैंप को निशाना बनाया। अधिकारी ने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई में शिपोला बेस कैंप पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी बलों की कार्रवाई के बाद तालिबान के कई जवान कथित तौर पर अपनी सीमा चौकी छोड़कर भाग गए। इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने इन्हें सुनियोजित और सावधानीपूर्वक किए गए हमले बताया था। इन हमलों में प्रतिबंधित संगठन फितना अल-खवाrij से जुड़े कई आतंकवादी मारे गए थे। पाकिस्तान की संघीय सरकार प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के लिए 'फितना अल-खवारिज' शब्द का इस्तेमाल करती है। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में सीमा पार से होने वाले आतंकवादी हमलों में तेज बढ़ोतरी हुई है। खासकर खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान में ऐसे हमले बढ़े हैं।

यूक्रेन की सैटेलाइट सेवा पर विवाद: रुबियो ने व्हाइट हाउस को बताया बेदाग, कहा- अमेरिका का कोई हाथ नहीं

वाशिंगटन , एंजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन आरोपों को खारिज किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने यूक्रेन के ड्रोन में इस्तेमाल होने वाली सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को जानबूझकर सीमित किया। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि यूक्रेन रूस के भीतर दूर तक हमले करने के लिए अमेरिका की एक अलग सैन्य संचार प्रणाली तक पहुंच मांग रहा है। ज्वाइंट बेस एंड्यूज में पत्रकारों से बातचीत के दौरान रुबियो ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की दो सेवाओं स्टारलिनक और स्टारशील्ड के बीच अंतर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि स्टारलिनक एक

व्यावसायिक सैटेलाइट संचार सेवा है, जबकि स्टारशील्ड का इस्तेमाल सैन्य और रक्षा संबंधी जरूरतों के लिए किया जाता है। यूक्रेन में सैटेलाइट कनेक्टिविटी पर लगी पाबंदियों को लेकर चिंता बढ़ने के बीच रुबियो का यह बयान सामने आया है। यूक्रेन युद्ध के मैदान में तेज गति वाले ड्रोन के संचालन और रूसी हवाई हमलों से बचाव के लिए इन सेवाओं पर निर्भर है।

क्वाइट हाउस ने इंटरनेट की गति कम करने का आदेश नहीं दिया : रुबियो ने कहा, 'क्वाइट हाउस में किसी ने भी किसी को इंटरनेट या उसकी गति धीमी करने का आदेश नहीं दिया, ताकि कुछ खास ड्रोन उसका



इस्तेमाल न कर सके।' उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, सेवा में आई बाधा को दूर कर दिया गया है और स्थिति पहले जैसी हो गई है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जानकारी उन्हें पहले मिली रिपोर्टों पर आधारित थी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की ने भी सैटेलाइट से जुड़ी ड्रोन सेवाओं पर पाबंदियों को लेकर चिंता जताई है। यह चिंता ऐसे समय सामने आई है, जब रूसी सेना यूक्रेन के बुनियादी ढांचे पर लगातार हमले कर रही है। रुबियो ने अमेरिकी हस्तक्षेप के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, 'इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है।' **स्टारलिनक और स्टारशील्ड में बताया अंतर** : अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि स्टारलिनक और स्टारशील्ड अलग-अलग व्यवस्थाओं के तहत काम करते हैं। उन्होंने स्टारलिनक को व्यावसायिक अलग बताया, जबकि स्टारशील्ड को रक्षा और

विदेश

पूरे फ्रांसमें विरोध प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे आठ लाख लोग, 150 से अधिक पुलिसकर्मों घायल



जाएगी. 'मैक्रों ने आगे कहा, 'जो लोग अराजकता फैलाते हैं और जो लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने से रोकते हैं, उनके खिलाफ हम एकजुट होकर खड़े होंगे.'

फ्रांस भर में प्रदर्शनकारियों ने सोशल मीडिया पर की गई उस अपील पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें 2018 में सामाजिक अन्याय के खिलाफ शुरु हुए 'येलो वेस्ट' (पीली जैकेट) आंदोलन को फिर से जीवित करने के लिए कहा गया था. प्रदर्शनकारियों ने सरकार के प्रति भारी निराशा और गुस्सा जाहिर किया. हल के महीनों में पेट्रोल, ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी उछाल आया है. ये आंदोलन उसके खिलाफ हैं. कई प्रदर्शनकारियों को चमकीले पीले रंग की जैकेट पहने देखा गया. यह 2018 के प्रदर्शनों का प्रतीक बन गई थी. एक प्रदर्शनकारी माबूक ने कहा, 'हर तरफ निराशा और गुस्से का माहौल है.' वे सभी उम्र के शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ मार्च कर रही

थीं. सितंबर के मध्य से स्कूलों को बंद करारकर विरोध कर रहे छात्र समूहों ने अपने समर्थकों से उनके साथ जुड़ने की अपील की है.फ्रांस के प्रमुख मजदूर संघों में से एक, सीजीटी ने भी इन प्रदर्शनों का समर्थन किया है. उन्होंने बेहतर वेतन और पेंशन, कम कीमतें, और लोगों की जरूरतों को पूरा करने वाली सार्वजनिक सेवाओं के संरक्षण की मांग की है. पेरिस में, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछारें कीं. ऐसा उन लोगों को पीछे धकेलने के लिए किया गया, जिन्होंने हुड़ और मास्क पहन रखे थे और जो प्लेस डे'ला रिपब्लिक (पेरिस शहर के केंद्र के उत्तर-पूर्व में) में पुलिस अधिकारियों पर पटाखे, पत्थर और अन्य चीजें फेंक रहे थे.कारों, साइकिलों और अन्य वाहनों से घना काला धुआं उठ रहा था, और कचरे के डिब्बे (ट्रेश बिन) जल रहे थे. पुलिस के अनुरोध पर कई मैग्रेट स्टेशन बंद कर दिए गए. इनमें शैम्प्स-

एलिसीज के आसपास के स्टेशन, और राष्ट्रपति भवन, संसद तथा सरकारी कार्यालयों के पास के स्टेशन शामिल थे.इस बीच, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों का एक बड़ा समूह उस मार्च में शामिल हो गया जो उत्तर-पश्चिमी पेरिस की ओर बढ़ रहा था. भीड़ ने फ्रांस का राष्ट्रगान गाया और झंडे लहराए. कुछ लोगों ने तुरही और वायलिन भी बजाए.फ्रांस के तीसरे सबसे बड़े शहर ल्योन में, जहां लगभग 20000 प्रदर्शनकारी मार्च में शामिल हुए थे।

एक पेंटलक कार्यालय के अंदर आग लग गई.मध्य फ्रांस के एक मध्यम आकार के शहर लिमोगेस में, सिटी हॉल में आग लगा दी गई. पेरिस में देर शाम तक कई जगह आग जलती रही। वीडियो फुटेज में कुछ प्रदर्शनकारी सड़कों पर लगी आग को और भड़काते दिखाई दिए। दंगा नियंत्रण पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस छोड़ी और लाठीचार्ज किया। एक ऐतिहासिक इमारत को भी आग के हवाले किए जाने की खबर सामने आई। वीडियो में 143 साल पुराने फ्रांसीसी स्मारक को आग से क्षतिग्रस्त होते देखा गया। आग के कारण इमारत की छत नीचे की मंजिलों पर गिर गई। लिमोज के स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों की ओर से बाहरी हिस्से में आग लगाए जाने के बाद टाउन हॉल का करीब दो-तिहाई हिस्सा नष्ट हो गया।

कनाडा के सैन्य अड़े पर लगी आग: कई लोगों की मौत, पीएम कार्नी ने बताया गंभीर हदसा; तेज हवाओं से फैली लपटें

टोरंटो, एंजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में स्थित सैन्य अड़े पर एक गंभीर घटना के बाद भीषण आग लग गई। इस घटना में कई लोगों की मौत हुई है और अन्य घायल हुए हैं। कनाडा के रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। हालांकि, उन्होंने मृतकों और घायलों की संख्या या घटना के कारणों का खुलासा नहीं किया है। समाचार एंजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, आग तेज हवाओं के कारण तेजी से फैल रही है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आग सैन्य अड़े की बाड़ पार कर आसपास के इलाके की ओर बढ़ गई थी। कई क्षेत्रों के अग्निशमन दल आग बुझाने के अभियान में जुटे हैं। फिलहाल, प्रशासन ने आसपास के लोगों के लिए किसी तरह का निकासी आदेश जारी नहीं किया है।

रक्षा मंत्री बोले- स्थिति बेहद संवेदनशील : कनाडा के रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने कहा कि सैन्य अड़े पर हुई घटना में लोगों की जान गई है और कई लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा 'मुझे यह बताते हुए दुःख हो रहा है कि सैन्य अड़े पर हुई घटना के परिणामस्वरूप लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल भी हुए हैं। मैकगिन्टी ने घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थिति को बेहद सक्रिय और संवेदनशील बताया। उन्होंने कहा कि अधिकारी अभी यह पता लगाने में जुटे हैं कि आखिर हुआ क्या था। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि मामले

में आगे और जानकारी दी जाएगी। रक्षा मंत्री के मुताबिक, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस भी जांच में शामिल है। तेज हवाओं के कारण तेजी से फैल रही आग वेनराइट के म्युनिसिपल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि शनिवार को आग सैन्य अड़े की बाड़ पार कर गई और तेज हवाओं के कारण तेजी से फैलने लगी। आग पर काबू पाने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों से अग्निशमन दल बुलाए गए हैं। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए कनाडाई सशस्त्र बलों के साथ संघीय, प्रांतीय और स्थानीय अधिकारी मिलकर काम कर रहे हैं। आसपास के वेनराइट समुदाय की ओर से अस्पताल और अग्निशमन संबंधी सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

पीएम कार्नी ने बताया गंभीर घटना कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अल्बर्टा स्थित सीएफबी वेनराइट सैन्य अड़े पर आग लगने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक गंभीर घटना के कारण यहां बड़ी आग लगी है। कार्नी ने घटना से प्रभावित सभी महिला और पुरुष सैन्यकर्मियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सोच और प्रार्थनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। वहीं, अल्बर्टा की प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने आग को गंभीर और दुःखद घटना बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना से कई सैन्यकर्मी प्रभावित हुए हैं।

रूस से तेल खरीद की छूट पर रुबियो बोले- वैश्विक अर्थव्यवस्था का आकलन करने के लिए 60 दिन चाहते हैं ट्रंप

वाशिंगटन , एंजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप के रूसी तेल को लेकर टैरिफ जानते हुए देने के फैसले पर प्रतिक्रिया दी है. रुबियो ने कहा कि इस कदम के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर का हिसाब रखने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप ने 60 दिन की छूट दी है. रुबियो शनिवार शाम को यहां के पास जॉइंट बेस एंड्यूज में सवालों का जवाब दे रहे थे, जब वे उज्बेकिस्तान और भारत के छह दिन के दौर पर खाना हुए थे. रुबियो ने रूस और ईरान पर प्रतिबंध अधिनियम या ग्राहम अधिनियम के तहत ट्रंप द्वारा दी गई छूट पर एक सवाल के जवाब में कहा, 'मुझे लगता है कि राष्ट्रपति यह विश्लेषण करने के लिए 60 दिन का समय लेना चाहते हैं कि प्रतिबंध और शुल्क लगाने का वैश्विक अर्थव्यवस्था और यहां तक ??कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ेगा.' शुक्रवार को



ट्रंप ने ग्राहम एक्ट के उन खास नियमों को हटा दिया जो रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर सजा देने वाले टैरिफ लगाने की इजाजत दे थे, जिससे भारत को राहत मिली. शुक्रवार को ट्रंप के साइन किए गए एजीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि ये छूट तब तक लागू रहेगी जब तक राष्ट्रपति या विदेश मंत्री, वित्त मंत्री और ट्रेड रिजिनेटिव से सलाह करके, यह तय नहीं कर लेते कि आगे की कार्रवाई सही है. मियामी के पास मार-ए-लागो रिसॉर्ट में रिपोर्टें से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि ग्राहम एक्ट के तहत पाबंदियों को हटाने

के उनके फैसले से अमेरिका को फायदा होगा. उन्होंने कहा, 'आप में से बहुत से लोग अभी नहीं जानते कि मेरा फैसला क्या है, लेकिन हम इसका पता लगा लेंगे, और आप भी इसका पता लगा लेंगे.' ट्रंप ने कहा, 'यह बहुत अच्छा फैसला है और यह देश के लिए अच्छा होगा और मुझे लगता है कि यह दुनिया के लिए भी अच्छा होगा क्योंकि हम सोच में एक वर्ल्ड स्टेज पर हैं.' रुबियो ने कहा कि जब ग्राहम एक्ट पास हुआ था तो दुनिया भर में हो रही अलग-अलग चीजों की स्टीडी करने के लिए छूट दी गई थी, जैसे ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल एनर्जी सप्लाई पर दबाव, सऊदी अरब में हूटियों का हमला और यूक्रेन-रूस युद्ध. रुबियो ने कहा, 'तो मुझे लगता है कि आपको इन सभी बातों को ध्यान में रखना होगा और एक-दूसरे के साथ तुलना करनी होगी.' विदेश मंत्री ने कहा, 'उदाहरण के लिए भारत जैसे देश हैं, जिन्होंने

अपनी मर्जी से अपनी ऊर्जा खरीद में विविधता लाई है, लेकिन फिर भी उन्हें रूस से काफी ऊर्जा मिल रही है क्योंकि एक दिन से दूसरे दिन बदलना मुश्किल है.' अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो सोमवार को भारत आने वाले हैं. रुबियो ने कहा कि भारत अमेरिका का एक जरूरी साथी और पार्टनर है, और राष्ट्रपति को इन सब पर स्टीडी करने और यह पता लगाने के लिए समय चाहिए कि सही कॉन्बिनेशन क्या है. रूस पर संकशन हटाने के ट्रंप के फैसले की रिपब्लिकन और डेमोक्रैट दोनों ने आलोचना की, जिन्होंने पिछले महीने लिट्टेसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट को भारी बहुमत से पास करने के लिए एक साथ आए थे. साउथ कैरोलिना की रिपब्लिकन सीनेटर डार्लिन ग्राहम ने भी ट्रंप की आलोचना की कि उन्होंने रूस को उस सैंक्शन कानून से छूट दी है।

इटली में महंगाई के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन: मेलोनी बोलीं- विरोध करना अधिकार शहरों को आग के हवाले करना नहीं

रोम , एंजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलोनी ने देश के कई बड़े शहरों में महंगाई के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र का अहम हिस्सा हैं, लेकिन राजनीतिक हिंसा और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। मेलोनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान जारी कर शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और हिंसा करने वालों के बीच अंतर किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने और प्रदर्शन करने के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। पीएम मेलोनी ने कहा, 'मैं उन हजारों लोगों का बहुत सम्मान करती हूं, जिन्होंने आज शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया। इनमें ट्रेंड यूनियन सीजीआईएल के आह्वान पर जुटे लोग भी शामिल थे। इस प्रदर्शन में वामपंथी नेता भी शामिल हुए। प्रदर्शन का मुद्दा चाहे कुछ भी हो, इसमें भागीदारी किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियाद है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कई शहरों में कानून लागू कराने वाले अधिकारियों को सीधे हमलों और तोड़फोड़ का सामना करना पड़ा। हालात को देखते हुए प्रशासन को आपात कदम उठाने पड़े। मेलोनी ने कहा, 'दूसरी ओर, हम इटली के अन्य शहरों में हुई घटनाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। मिलान में सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंके गए, अधिकारी घायल हुए और हिंसा तथा तोड़फोड़ के कारण जुलूस रोकना पड़ा। टयूरिन में कुछ लोगों को पत्थर और खिड़कियां तोड़ने में इस्तेमाल होने



वाले हथौड़ों के साथ रोक गया। बोलेन्या में हिंसा के कारण रेलवे स्टेशन को एहतियातन बंद करना पड़ा। उन्होंने हिंसा करने वालों को ऐसे उद्ब्रवी बताने का फायदा उठाकर अराजकता फैलाते हैं, सुरक्षा सुनिश्चित करने वालों पर हमला करते हैं और पूरे शहर को बंधक जैसी स्थिति में डाल देते हैं। मेलोनी ने कहा, 'प्रदर्शन करना अधिकार है। हमारे शहरों को आग के हवाले करना नहीं।'

विपक्ष से हिंसा की स्पष्ट निंदा करने की अपील : इटली की प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों के नेताओं से सड़क पर होने वाली हिंसा के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर अस्पष्ट रवैया अपनाने से सार्वजनिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट रूप से निंदा करें और यह संदेश दें कि हर प्रदर्शन शांतिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए।

जानकारी

बादाम बनाए हड्डियां मजबूत और करे सिर दर्द दूर



याददाश्त कमजोर है, तो बादाम इसका अचूक इलाज है। बादाम की 10 गिरी रात को पानी में भिगो कर सुबह छिलका उतार कर बारीक करके 20 ग्राम मक्खन, 10 ग्राम मिसरी मिलाकर एक महीने तक खाएं। दिमाग की कमजोरी दूर हो जाएगी और आपकी याददाश्त अच्छी हो जाएगी। सिर दर्द होता है, तो बादाम का तेल आपको राहत दिला सकता है। इसके लिए नाक में एक बूंद बादाम का तेल डालें, जिसे बादाम रोगन भी कहते हैं। दूसरा उपाय यह भी है कि आप एक कप पानी में पांच बूंद बादाम का तेल मिलाकर पी जाएं।

बादाम के कुछ दाने आपको कई बीमारियों से दूर रखने में तो खास भूमिका निभाते ही हैं, इसके साथ ही कई समस्याओं में दवा की तरह भी काम आते हैं। बच्चे को अकसर कुछ-कुछ होता रहता है, तो उसे ह्छ-पुछ व निरोगी बनाने के लिए रोजाना एक से दो बादाम पत्थर पर घिसकर चटाएं। इससे हृदय रोगियों के लिए तो बादाम काफी फायदेमंद साबित होता है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड अधिक होता है। यह बुरे कोलेस्ट्रॉल को कम करता है व अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इस वजह से हृदय की नलियों में कम स्कावट होती है और इसके प्रयोग से दिल का दौरा होने की आशंका कम हो जाती है। इसके लिए बादाम की 5-6 गिरी रात में पानी में रख दें और सुबह छिलका उतारकर उन्हें ठीक से चबा-चबा कर खाएं।

बादाम के तेल में विटामिन डी प्रचुर मात्रा में होता है, जो बच्चों की हड्डियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए इस तेल से अपने बच्चे की मालिश करें। अच्छा हो अगर एक चम्मच नारियल तेल में पांच बूंद बादाम का तेल मिलाकर इससे नियमित रूप से बच्चे की मालिश करें। जरूरत महसूस करें तो आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह ले लें।



टाईम पास

आज का राशिफल

मे़ष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यवसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठ बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने को सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-3-6

व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में स्कावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने का संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन
का की कू घ ड छ के को हा
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्या्याधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह
मा नी नू जे मो टा टी दू टे
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको पेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण पेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक पेशानी बढ़ेगी। पुत्रों गलती का पश्चात्ताप होगा। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-1-3-4

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सफलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला
रा टी रु रे टो ता टी तू ते
अपने संबंध में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़बटनें और परिवार के दुर्गुण-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तत्कदी मिलेंगी। जमीन याददात का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन को सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं को पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु
ये यो गा नी नू धा का छा भे
उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ
नू ये गो सा सी खू से सो रा
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रक्ता हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक स्थित्यता पैदा होगी। व्या्याधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुत्रों मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

मीन
री दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची
व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5



हार्ट अटैक या दिल की बीमारियों से पहले आपकी त्वचा पर कुछ संकेत दिखाई देते हैं। इन संकेतों को पहचानकर अगर आप सही समय पर इलाज शुरू कर दें, तो हार्ट अटैक से बच सकते हैं। जानें हार्ट अटैक के पूर्व संकेत या पहले दिखने वाले लक्षण।

त्वचा आपको पता है कि दुनिया भर में सबसे ज्यादा मौतों का कारण हार्ट अटैक है? आंकड़ों को देखें तो साल 2016 में हार्ट अटैक के कारण 17 करोड़ 65 लाख लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद के सालों में हार्ट अटैक के मामले और भी कई गुना बढ़ गए हैं। क्या आपने सोचा है कि इतनी संख्या में लोग दिल की बीमारियों से क्यों मरते हैं? इसके 2 कारण हैं-

पहला यह कि लोगों आजकल लोगों का खानपान इतना खराब हो गया है कि ज्यादातर लोग कम उम्र में (25-30 साल) हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने और मोटापे जैसे रोगों के शिकार हो जाते हैं। ये सभी रोग हार्ट अटैक के खतरे को काफी बढ़ा देते हैं।

दूसरा कारण यह है कि लोगों को हार्ट अटैक के पूर्व संकेतों के बारे में पता नहीं है, इसलिए वे सही समय पर सावधानी नहीं बरत पाते हैं। आमतौर पर लोग यही मानते हैं कि हार्ट अटैक का संकेत सीने में तेज दर्द होता है। मगर आपको जानकर हैरानी होगी कि हार्ट अटैक आने से कुछ दिनों पहले ही शरीर में कुछ संकेत दिखाई देते हैं, जिन पर हम ध्यान नहीं देते हैं। ये संकेत दिल की सेहत की गड़बड़ी के हो सकते हैं और इसका इशारा यह भी हो सकता है कि जल्द ही आपका दिल काम करना बंद कर सकता है यानी आपको हार्ट अटैक आ सकता है। इन लक्षणों को आपको जान लेना चाहिए, ताकि आप हार्ट अटैक, हार्ट फेल्योर जैसे गंभीर और जानलेवा रोगों से बच सकें।

अचानक शरीर में छोटे-छोटे दाने उभरना
शरीर में अचानक छोटे-छोटे दाने चिकने लाल दाने उभरना इस बात का संकेत हो सकते हैं कि आपका दिल बीमार है। ये दाने शरीर में कोलेस्ट्रॉल के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाने पर दिखाई देते हैं। इसलिए ये इस बात का भी संकेत हो सकते हैं कि व्यक्ति को हार्ट अटैक हो सकता है।

हाथ-पैर की उंगलियों में छोटे उभार जिसमें दर्द हो

अगर आपको अपने हाथ-पैर की उंगलियों में पिछले कुछ दिनों से किसी छोट्टी सी गोली जैसी सुजन नजर आ रही है और इनमें दर्द हो रहा है, तो ये भी दिल की बीमारी का संकेत हो सकता है। आमतौर पर ऐसे उभार तभी आते हैं जब आपको हार्ट इंफेक्शन हो, जिसे इंफेक्टिव एंडोकार्डिटिस भी कहते हैं। ये उभार कुछ घंटों या कुछ दिनों में अपने आार ठीक हो जाते हैं। मगर इनके दिखने पर आपको सावधान हो जाना चाहिए और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

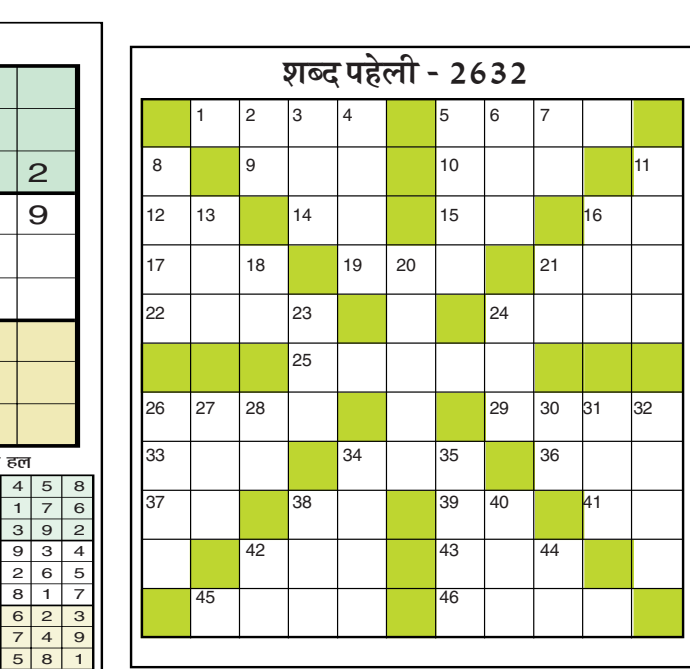
टाईम पास

हंसी के फूट्वाटें

एक महिला दूसरी महिला से बोली-
‘मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.’
‘वह कैसे ?’
‘एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले- ‘बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.’
‘बस ?’
दूसरी महिला हंसती हुई बोली- ‘मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.’
‘तुम भी सुनाओ !’
‘एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे अपने खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उठें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?’
‘क्या पूछा ?’
‘यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.’

एक दोस्त ने दूसरे से कहा-‘यार! यह सुरेश की साला अजीब इंसान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.’
‘क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?’ मित्र ने पूछा.
‘नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है- ‘मेरे पास पैसे नहीं हैं.’

एक दोस्त ने दूसरे से कहा-‘यार! यह सुरेश की साला अजीब इंसान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.’
‘क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?’ मित्र ने पूछा.
‘नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है- ‘मेरे पास पैसे नहीं हैं.’



सुझाव

मशरूम का उपयोग करे याददाश्त ठीक



पोष्टिक तत्वों और अनोखे स्वाद की वजह से मशरूम का भोजन में खूब इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल तत्वों से भरपूर औषधीय गुण भी पाए जाते हैं। मशरूम को सुपरफूड माना गया है, क्योंकि इससे न केवल पोषक तत्व मिलते हैं, बल्कि यह कई बीमारियों से हमारा बचाव भी करता है। एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल तत्वों से भरपूर मशरूम के फायदों के बारे में जानना जरूरी है।

इम्यूनटी बढ़ाए

मशरूम में मौजूद सेलेनियम, पेनिसिलिन जैसे एंटीबायोटिक तत्व शरीर में माइक्रोबियल विकास और फंगल संक्रमण को बाधित करने में सहायक हैं और प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मददगा हैं।

कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोके

मशरूम में मौजूद फोलेट्स कैंसर सेल्स बनने से रोकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल से बचाते हैं, जो कैंसर का कारण बनते हैं। फोलेट्स डीएनए को बनाने और रिपेयर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मशरूम में पाया जाने वाला सेलेनियम तत्व लिवर को सुचारु रूप से काम करने में मदद करता है। यह शरीर को डीएनकेपीछाई करने में मदद करता है, जिससे कई बीमारियों से बचाव होता है।

दिल को रखे दुरुस्त

मशरूम में मौजूद फाइबर, पोटैशियम, विटामिन सी और सेलेनियम जैसे एंटीऑक्सिडेंट तत्व हमारे दिल की सेहत को प्रोत्साहित करते हैं। एंटीऑक्सिडेंट्स दिल को फ्री रेडिकल से बचाते हैं। शरीर में बुरे कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) और अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) के बीच संतुलन कायम रखने में भी मदद करते हैं।

ब्लड प्रेशर को करे नियमित

पोटेशियम और सोडियम से भरपूर मशरूम का नियमित सेवन ब्लड प्रेशर को नियमित करने में मदद करता है। यह शरीर में सामान्य तरल पदार्थों के बीच संतुलन कायम रखता है।

ऑस्टियोपोरोसिस में दे आराम

धूप में रखा फ्रेश मशरूम विटामिन डी का अच्छा स्रोत होता है। मशरूम में मौजूद विटामिन डी, कैल्शियम और फॉस्फोरस हड्डियों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और जोड़ों के दर्द, हड्डियों में घनत्व कम होने या हड्डियों के टूटने की आशंका को कम करते हैं।

टाइप 2 डायबिटीज में फायदेमंद

फाइबर से भरपूर, लैकिन कम शर्करा वाले मशरूम का सेवन डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद है। लिपर, अम्लाशय और अंतः-वाही ग्रंथियों के समुचित क्रियान्वयन में यह मदद करता है।

याददाश्त को दुरुस्त

इसमें मौजूद कोलीन तत्व मस्तिष्क में रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बनाए रखता है। इससे याददाश्त और लॉन्ग पावर में सुधार होता है। कोलीन मेमरी के सेल मेम्ब्रेन की संरचना को मेटेन रखता है।

इन बातों का ध्यान में रखकर एक स्वस्थ व्यक्ति नियमित रूप से 100 ग्राम मशरूम का सेवन आसानी से कर सकता है। मशरूम खरीदते समय ध्यान रखना चाहिए कि वे ताजे और सुखे हों। विभिन्न या मुरझाए मशरूम बासी होते हैं। घर जाने के बाद इन्हें फ्रिज में एयरटाइट बॉक्स में रखें। जब इन्हें बनाना हो, तभी धोएं और काटें।

काकुरो पहेली - 2632	
खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.	
उदाहरणत:	
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक नभरे जाने आवश्यक हैं.	
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एक 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.	
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा सकते हैं.	
■ पहेली का केवल एक ही हल है.	

काकुरो - 2631 का हल	
सूडोकु -2632	
सूडोकु -2631 का हल	
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक नभरे जाने आवश्यक हैं.	
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एक 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.	
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा सकते हैं.	
■ पहेली का केवल एक ही हल है.	

शब्द पहेली - 2632	
बाएँ से दाएँ	
1. लुटमार, डाका-4	
5.रफ्तार-4	
9.डोली उठानेवाले-3	
10.पुत्र, लड़का-3	
12.अधिकार-2	
14.नवीन, नया-2	
15.एक विदेशी शराब-2	
16.कला, हुनर-2	
17.माँ का प्यार-3	
19.दम, बल, जोर-3	
21.पपीठा, पपीहय-3	
22.कगमत, कारनामा-4	
24.शमशीर, कृपाण-4	
25.तर्जित, लखीय-5	
26.बोरिया-बिस्तर-4	
29.सले की पत्नी-4	
33.प्रयास, यत्न-3	
34.सहायता, सहयोग-3	
36.लीन, तल्लीन-3	
37.गहन वन, खुनाई कर्म-2	
38.रुकड़, कण-2	
39.माँ का बहुवचन-2	

पहेली - 2632

ऊपर से नीचे:-

3	4	5
9		10
	13	
16		17
20		
	23	
26	27	
	29	30
		33

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तुने सुन ली' गौत वाली फिल्म-२,३

२. 'दिलबर दिलबर' गौत वाली अनिल कपूर, सिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२

३. 'सच कहते हैं हम' गौत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४

४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२

५. 'सुन सजना तेरे' गौत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५

८. सलमान खान, रेवली की 'साथिया तूने क्या किया' गौत वाली फिल्म-२

११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कोन प्रसिद्ध हुआ-३

१२. 'इस टूट दिल को पीर' गौतवाली फिल्म-२

१५. वैकी ब्रॉफ, रॉक की 'जितना कभी किसी ने' गौत वाली फिल्म-२

१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२

१७. मिथुन, संगीता खिल्लानी की 'नाले नाले मैं चली' गौत वाली फिल्म-४

१९. 'ओ गुड्डिया ओ बहाना' गौत वाली संजयदत्त, फहला की फिल्म-३

२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३

२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गौत 'क्यों नये लग रहे हैं' की नायिका कौन-३

२२. 'इस प्रेम' में नायिका कौन थी-३

२७. 'छू कर मेरे मन को' गौत वाली फिल्म-३

२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चोद' गौत वाली फिल्म-२

३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गौत वाली फिल्म-२

दे नायें:-

१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३

२०. 'सनी' में अमृता सिंह का नायक-२

२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गौत वाली फिल्म-३

२३. 'तुझ तुझ तक तक तुझा' गौत वाली संजयदत्त, अनिताराव की फिल्म-३

२४. सुनील शेठ्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गौत वाली फिल्म-४

२६. 'ऐ दिल कहीं तेरी मंजिल' गौतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२

२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गौत वाली फिल्म-२

३१. 'गोरे के हाथ में' गौत वाली फ़िरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२

३२. अश्विकपर, शाहरुख, दिव्या की 'तेरे उम्मीद तेरा' गौत वाली फिल्म-३

३३. 'मेरा कैपना झोंकर चूड़ी' गौत वाली सुनील शेठ्टी, रंभा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2631

बं	दि	नी	पु	मं	बं	ल	र
धं	लं	कं	क	रं	हं	वी	
न	सी	मा	र	प	र	वा	न
मा	चं	सु	र	सु			
आ	शि	क	दे	की	ह		
ह	मे	शा	ह	व	स	स	त्या
ल	आ	र	चुं	खे	ल		
ये	ल	वा	द	स	म	या	
खु	व	जु	फ	जं	व		
दी	वा	ने	ली	ड	र	डी	न

से दाँएँ

२८.मामा, डाका-4

पटना -4

१ली उडानेवाले-3

पुत्र, लडुका-3

अधिकार-2

नवीन, नया-2

कल विदेशी शयब-2

कला, हुनर-2

माँ का थ्या-3

मम, बल, जोर-3

पपीहा, पपीहार-3

करमात, कलामा-4

शमशोर कृपाण-4

तरंगित, लहरीय-4

बोहिया-विस्तर-4

सासले की पत्नी-4

प्रयास, यत्न-3

सहायता, सहयोग-3

मलीन, तल्लीन-3

गहन वन, कुनाई कर्म-2

टुकड़, साज-2

माँ का बहुवचन-2

41. भुगा हुआ-2

42. अधिकार, अंधेरा-3

43. द्रव मापने की इकाई-3

44. प्राचीर, स्तंभ-4

46. बादला, जवाफ़-4

ऊपर से नीचे

2. अधिकार-2

3. जगत, दुनिया-3

4. सुनसान शांति, -4

5. आदत-4

6. साजान, बालम-3

7. क्रमबद्धता-2

8. मूर्ख, बेवकूफ-4

11. बुनाई करने वाली-4

13. कटि, मध्यगं-3

16. धार्मिक आज्ञा-3

18. पितामह-2

20. कमर में पहनने वाला आभूषण -5

21. चलने का हंग-2

23. पिया, साजन-3

24. दया, रहम-3

26. बेमिसाल, अनूठा-4

27. स्वदेश, मातृभूमि-3

28. जनता, आम लोग -2

30. माँ का बहुवचन-2

31. अभिरुचि, तल्लीनता-3

32. जनता की राय-4

34. उपाधि, पदवी-4

35. देहरी, चौखट-4

38. कश, रूम-3

40. बटाणा, काबुली-3

42. स्तर, पस्त-2

44. इक्वर, खुदा, भगवान-2

शब्द पहेली - 2631 का हल

म	न	ल	म	ल	र	ह	ल
वा	य	हा	जा	सु	सा	मा	म
दु	उ	छ	ज	म	म	म	म
का	र	यु	जा	वै	का	दु	का
र	का	फ	ज	का	र	कि	
चा	ह	अ	च	क	म	यं	ल
क	त	र	मं	क	म	रं	धं
न	म	व	ली	ल	व	म	र
ज	म	ल	ल	र	ल	आ	क
म	ज	मा	अ	आ	या	ल	

नाबालिग के कपड़े उतारकर मारपीट का वीडियो वायरल, एक आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी भोपाल। महाराष्ट्र के लातूर शहर में चार महीने पहले एक नाबालिग लड़के के कपड़े उतारकर उसके साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना जून में एमआईडीसी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक खुली जगह पर हुई थी। इस मारपीट का एक वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर सामने आया। एक अधिकारी ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने पीड़ित का पता लगाया और चारों आरोपियों की पहचान की। हालांकि, उन्होंने लड़के की उम्र या मारपीट के पीछे के मकसद के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। महाराष्ट्र के लातूर शहर में चार महीने पहले एक नाबालिग लड़के के कपड़े उतारकर उसके साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना जून में एमआईडीसी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक खुली जगह पर हुई थी। इस मारपीट का एक वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर सामने आया। एक अधिकारी ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने पीड़ित का पता लगाया और चारों आरोपियों की पहचान की। हालांकि, उन्होंने लड़के की उम्र या मारपीट के पीछे के मकसद के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

भाजपा और ओवैसी दोनों जुड़वां भाई: प्रमोद तिवारी

प्रयागराज । कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक बयान पर पसटवार करते हुए उन्हें भाजपा का एजेंट करार दिया। उन्होंने कहा कि चुनावी परिणाम बताते हैं कि ओवैसी भाजपा के लिए काम करते हैं। इसीलिए वह भाजपा और ओवैसी को जुड़वां भाई कहते हैं। ओवैसी ने रामपुर में एक सभा के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वे नेहरू, गांधी या यादव में से किसी को अपना नेता नहीं बनाएंगे। ओवैसी के इस बयान पर बातचीत में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि ओवैसी की क्या हैसियत है कि वे गांधी या नेहरू जैसा कोई व्यक्ति खड़ा कर सकें? उनका काम बस इतना है कि वे जानबूझकर या अनजाने में भाजपा के इशारे पर अल्पसंख्यक वोटों को बांटते हैं। मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि यह व्यक्ति भाजपा के लिए काम कर रहा है, जैसा कि चुनाव नतीजों से भी पता चलता है। महाराष्ट्र में उनकी पार्टी ने चार सीटें तो जीतीं, लेकिन वोटों को बांटकर 22 सीटों पर अन्य उम्मीदवारों को हरा दिया। वहां भाजपा की सरकार बन गई। बिहार में भी ओवैसी ने कुछ ऐसा ही किया। इनके जीते हुए उम्मीदवार जदयू के साथ चले गए।

पटना में बेकाबू स्कॉर्पियो ने राहगीरों को कुचला, दो की मौत, कई घायल

पटना । बिहार की राजधानी पटना में अटल पथ पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बेकाबू होकर पलट गई और पैदल जा रहे राहगीरों को कुचल दिया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार से पांच लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार, हादसा पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र में महेशनागर रोड नंबर तीन के सामने अटल पथ पर हुआ। काले रंग की स्कॉर्पियो आर ब्लॉक से दीघा की ओर तेज रफ्तार से जा रही थी। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और स्कॉर्पियो पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पलटने के बाद गाड़ी सड़क पर उछलते हुए करीब 80 मीटर दूर जा गिरी। इस दौरान पैदल जा रहे लोग उसकी चपेट में आ गए। एक बाइक सवार के भी दुर्घटनाग्रस्त वाहन की चपेट में आने की जानकारी सामने आई है। पटना की एएसपी (लॉ एंड ऑर्डर-2) सुषमा सागर ने दो लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि रविवार रात 11.30 बजे हुई दुर्घटना के बाद घायलों को तत्काल पाटलिपुत्र स्थित सहयोग अस्पताल पहुंचाया गया।

अखिलेश का पीडीए सिर्फ सता की सीढ़ी, कन्नौज की जनता से हुई बड़ी चूक: असीम अरुण

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर सोमवार को तगड़ा राजनीतिक प्रहार किया। असीम अरुण ने अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले को महज एक चुनावी ढोंग करार दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव का यह नारा जनकल्याण के लिए नहीं, बल्कि केवल मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने का जरिया भर है। कन्नौज की जनता ने अखिलेश यादव को सांघंद चुनकर बड़ी भूल कर दी। ढाई साल से अधिक का वक्त गुजर चुका है, लेकिन वह एक रात भी अपने संसदीय क्षेत्र में नहीं उठे।

चुनाव आयोग विवाद: दुबे ने खोले पुराने पन्ने, कहा-जांच भी नहीं हुई; दावा-कांग्रेस पर 1972 में बूथ लूट के आरोप

छह अक्टूबर को विपक्षी सांसदों ने संसद से आयोग मुख्यालय तक मार्च निकाला।

एजेंसी लखनऊ। जिन चुनावी धांधलियों के आरोप में विपक्षी आ मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांग रहा है, उसी तरह के आरोप उसके अपने साथी वाम दल 54 साल पहले कांग्रेस पर लगा चुके हैं। तब भी शिकायतों मुख्य चुनाव आयुक्त तक पहुंची थीं, पर कार्रवाई न होने का दावा खुद वाम दलों का है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने 1972 के पश्चिम बंगाल चुनाव से जुड़े वाम दलों के पुराने दस्तावेज



को फायदा पहुंचाने का आरोप लगा रहा है। छह अक्टूबर को विपक्षी सांसदों ने संसद से आयोग मुख्यालय तक मार्च निकाला। रोके जाने के बाद राहुल गांधी समेत कई सांसदों को हिरासत में लिया गया। अगले दिन जंतर-

कार्यकर्ता परविंद सिंह झोटा की हत्या को लेकर पूरा राज्य 'विरोध प्रदर्शनों की आग में जल रहा है,' मुख्यमंत्री ने लोगों को 'उनके हाल पर छोड़ दिया है।' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में हरसिमरत कौर बादल ने कहा, 'इस नाजुक समय में फ्रांस जाकर

आरएसएस का सामाजिक कार्य सबसे प्रभावशाली, युवाओं के लिए प्रेरणा : जर्मन राजनेता

संगठन के लिए यह आसान सफर नहीं था क्योंकि उन्हें बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा और आप जानते हैं कि मानवता, सेवा और संस्कृति के एक ही मार्ग पर चलते हुए 100 साल पूरे करना आसान नहीं है ।

एजेंसी नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रकाशित किताब ‘हंड्रेड ईयर्स यंग: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ’ को लेकर जर्मनी के फ्रैंकफर्ट शहर के डिटी हेड और भारतीय मूल के पहले एंशियाई

सिटी पार्लियामेंट सदस्य राहुल कुमार ने संगठन के सामाजिक कार्यों की जमकर सराहना की। आरएसएस के साथ अपने अनुभव और उसके काम के किन पहलुओं ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, इस पर किताब के संदर्भ में पूछे गए सवाल पर जर्मन राजनेता राहुल कुमार ने कहा, ‘आरएसएस का सामाजिक कार्य सबसे प्रभावशाली चीज है, जो खासकर युवाओं के लिए है। यहां जर्मनी में हमारे पास आरएसएस नहीं है, हमारे पास एएसएस है और यह यहां यूरोप में और जर्मनी में भी काम कर रहा है। जब मैं बच्चा था, तब से मैं उनकी गतिविधियों को देखता आ रहा हूं, वे सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं, वे युवाओं के लिए बहुत सारे

प्रोजेक्ट करते हैं और यह मेरे लिए और मेरे बड़े भाई के लिए भी बहुत प्रभावशाली था।’ ‘हंड्रेड ईयर्स यंग:



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ’ किताब पर राहुल कुमार ने कहा, ‘यह किताब शायद युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। अगर वे इसे पढ़ेंगे कि हमारे भारतीय मूल का कोई व्यक्ति फ्रैंकफर्ट जैसे

अंतरराष्ट्रीय शहर में पहला भारतीय एंशियाई सिटी पार्लियामेंट सदस्य बना है। तो यह एक प्रेरणा होगी। मेरा यही लक्ष्य था, इस आध्यात्मिक और प्रेरणा को देना जो हमारे खून में है, हमें इसे महसूस करना होगा। हर भारतीय, हर भारतीय मूल के व्यक्ति में, आप जानते हैं, भारत माता की भावना है और आपको इसे महसूस करना होगा। और मुझे लगता है कि फिर भविष्य में आने वाली सभी चुनौतियां उतनी कठिन नहीं होंगी जितनी पहले थीं। ‘जब उनसे पूछा गया कि उनके व्यक्तिगत अनुभवों ने उन्हें आरएसएस को बेहतर ढंग से समझने में कैसे मदद की है और क्या सीधे संवाद और बातचीत से लोगों को संगठन के बारे में गहरी समझ

मणिपुर में दो समुदायों के बीच झड़प में एक व्यक्ति की मौत, कई घायल

पथराव की चपेट में आने से कई अन्य लोग भी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।



पर पथराव किया, जहां एक संगीत कार्यक्रम चल रहा था। यह घटना खंगबोक और पड़ोसी गांव संगायुमफम के दो समुदायों के बीच पथराव में बदल गई। झड़प के दौरान कुछ घरों और वाहनों में आग भी लगा दी गई। हिंसा के बीच, अज्ञात उपद्रवियों ने गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति के सिर में गोली लग गई। घायल व्यक्ति की पहचान लैशराम राकेश के रूप में हुई है। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पथराव की चपेट में आने से कई अन्य लोग भी घायल हो

गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हिंसा की और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए प्रभावित गांवों में राज्य और केंद्र के अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह तक स्थिति नियंत्रण में आ गई थी। हिंसा के बाद, थौबल के जिला मजिस्ट्रेट ने रविवार रात निषेधाज्ञा जारी की। इसके तहत खंगबोक और संगायुमफम के निवासियों को रात 11 बजे के बाद अपने घरों से बाहर न निकलने का निर्देश दिया गया। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी इस आदेश में कहा गया है कि असामाजिक तत्वों की कथित गैर-कानूनी गतिविधियों के कारण शांति भंग होने, सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ने और लोगों की जान-माल को खतरा होने की

आशंका है। आदेश में यह नहीं बताया गया है कि ये पार्वंदियां कब हटाई जाएंगी। इस बीच, पिछले 24 घंटों में मणिपुर के कामजोंंग जिले में अलग-अलग घटनाओं में 25 से अधिक घरों में आग लगा दी गई। संदिग्ध उपवादियों ने नागा और कुकी समुदायों के इलाकों को निशाना बनाया, जिसके चलते स्थानीय लोगों को अपने घर छोड़कर जंगलों और पास के सुरक्षा शिविरों में शरण लेनी पड़ी। रविवार को भारत-य्म्यांमर सीमा के पास पिलोंग और रिकप गांवों में अज्ञात उपद्रवियों ने नागा समुदाय के लगभग 14 खाली घरों में आग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन घटनाओं के बाद अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। नागाओं के बसे गांवों पर पहले हुए हमलों के बाद घरों को छोड़ दिया गया था।

कोलकाता भगदड़: चोरबागान हादसे के बाद कार्रवाई, हटाए गए गिरीश पार्क थाने के प्रभारी

एजेंसी कोलकाता। कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गोत्सव पंडाल में भगदड़ की घटना के बाद गिरीश पार्क थाने के प्रभारी अधिकारी सुमित कुमार घोष को पद से हटा दिया गया है। इस हादसे में 19 लोगों की मौत हुई थी। कोलकाता पुलिस के डिटेक्टिव विभाग में तैनात अधिकारी हीरक दलपति को फिलहाल थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लालबाजार के निर्देश पर यह बदलाव किया गया है। आधिकारिक आदेश के अनुसार, पुलिस इस्पेक्टर हीरक दलपति तत्काल प्रभाव से अपने मौजूदा काम के साथ गिरीश पार्क थाने के प्रभारी अधिकारी का काम भी देखेंगे। अगले आदेश तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भगदड़ की जांच जारी है। इस मामले में गिरफ्तार सात आरोपियों को बैकसाल कोर्ट ने 28 अक्टूबर तक 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने अदालत से 14 दिन की हिरासत मांगी थी। गिरफ्तार आरोपियों में पूजा समिति के सचिव राज कुमार सेवड़ा उर्फ राजा,



वाले पिंटू डे और निजी सुरक्षा व्यवस्था के प्रभारी सुमन चक्रवर्ती तथा राजेश पाल को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के वकील एमडी यासिम रहमान ने दावा किया कि सभी आरोपी बाहरी लोग थे और दुर्गा पूजा देखने आए थे। उनके मुताबिक, जब उन्होंने भीड़ में लोगों को परेशान होते देखा तो बचाव कार्य में मदद के लिए आगे आए।

कर्नाटक सरकार का नया नियम: कर्मचारियों के मुख्यालय छोड़ने पर होगी कार्रवाई

एजेंसी बंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने अपने अधिकारियों के लिए अपने कार्यक्षेत्र (मुख्यालय) में रहना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए सरकार ने ‘कर्तव्य’ मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए जियोफेंसिंग पर आधारित एक नाइट-टाइम अंटेडेंस सिस्टम (रात के समय उपस्थिति दर्ज करने की प्रणाली) शुरू की है।

इसका क्या उद्देश्य है? इस नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यक्षेत्र में मौजूद रहें, ताकि लोगों को समय पर सेवाएं मिल सकें और विकास परियोजनाओं को सुचारू रूप से पूरा किया जा सकें।

पहला चरण कब से शुरू होगा?

पहले चरण के रूप में, सरकार 1 नवंबर 2026 से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण



विभाग के अंतर्गत आने वाले तालुक अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (PHC) में काम करने वाले सभी डॉक्टरों के लिए इस प्रणाली को पायलट आधार पर लागू करेंगी।

इस प्रणाली के तहत, डॉक्टरों

को हर दिन रात 9 बजे के बाद ‘कर्तव्य’ एप के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। ऐसा करते समय उन्हें अपने मुख्यालय के रूप में निर्धारित कस्बे, शहर या गांव की भौगोलिक सीमाओं के भीतर रहना होगा।

किन कर्मचारियों को मिलेगी छूट?

जो अधिकारी और कर्मचारी स्वीकृत छुट्टी पर हैं, जो सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से अपने मुख्यालय के बाहर आधिकारिक ड्यूटी कर रहे हैं, या जिन्हें अपना मुख्यालय छोड़ने की पूर्व अनुमति मिल चुकी है, उन्हें इस नियम से छूट दी जाएगी। हालांकि, उन्हें एम में अपनी छुट्टी या अनुमति का कारण स्पष्ट रूप से दर्ज करना होगा।

एससीओ बैटक: रक्षा मंत्री ताजिकिस्तान रवाना, दुशांबे में हेड्स ऑफ गवर्नमेंट की 25वीं बैठक में लेंगे हिस्सा

एजेंसी नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे के लिए रवाना हो गए। वे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की ‘कार्डिसल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट’ (सीएचजी) की 25वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। दो दिनों तक चलने वाली यह उच्च-स्तरीय बैठक सोमवार से शुरू होगी। अपने एक्स हैंडल पर जानकारी देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ‘नई दिल्ली से दुशांबे के लिए निकल रहा हूं। 19-20 अक्टूबर, 2026 को ताजिकिस्तान में होने वाली एससीओ ‘हेड्स ऑफ गवर्नमेंट’ (एचओजी) की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हूं।’ उन्होंने आगे कहा, ‘एससीओ की इस बैठक में संस्कृति, कनेक्टिविटी, अर्थव्यवस्था, नवाचार (इनोवेशन), निवेश और लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, संगठन के वित्तीय और संस्थागत कामकाज में हुई प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी।’

रक्षा मंत्रालय ने क्या बताया?

रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, इस बैठक में चल रही सहयोग पहलों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी और संगठन के वित्तीय



तथा संस्थागत कामकाज से जुड़े फैसलों पर विचार किया जाएगा। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, ‘भारत एससीओ के विभिन्न तंत्रों में सक्रिय रूप से शामिल है और स्टार्टअप, नवाचार, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा

लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान जैसी पहलों के जरिए क्षेत्रीय सहयोग में योगदान दे रहा है। यह बैठक भारत को एससीओ के अन्य सदस्य देशों के साथ व्यावहारिक और आपसी लाभ वाले सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श करने का मौका देगी।’ इससे पहले सीएचजी की बैठक पिछले साल 18 नवंबर को रूस के मॉस्को में हुई थी, जिसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ताजिकिस्तान के दुशान्बे में आयोजित एससीओ सदस्य देशों के विदेश आर्थिक और व्यापार गतिविधियों के लिए जिम्मेदार मंत्रियों की 25वीं बैठक में, भारत ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए ‘सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर’ के तीन स्तंभों पर जोर दिया। इस बैठक में एससीओ सदस्य देशों के बीच आर्थिक और व्यापार गतिविधियों में चल रहे सहयोग की समीक्षा की गई और एससीओ ढांचे के भीतर व्यापार और आर्थिक सहयोग को और गहरा करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया।

भगवंत मान के फ्रांस दौरे पर हरसिमरत कौर बादल ने उठाए सवाल, बोलीं-सीएम ने लोगों को उनके हाल पर छोड़ा

एजेंसी चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधा। उन्होंने सीएम मान के फ्रांस दौरे की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब नशा-विरोधी

पंजाब के मुख्यमंत्री और ‘गुरु-द्रोही’ भगवंत मान ने अपनी प्राथमिकताएं दिखा दी हैं। एक तरफ नशा-विरोधी मुहिम चलाने वाले परविंद सिंह झोटा की मौत को लेकर पंजाब में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री के पास न तो पीड़ित परिवार से मिलने

का समय था, न ही उन्हें कोई भरोसा देने का, और न ही दोषी पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड करने का।’ हरसिमरत कौर बादल ने कहा, ‘जब भी पंजाब किसी संकट से गुजरता है (चाहे वह अभी का समय हो या पिछले साल आई बाढ़) भगवंत मान को एक ही

आसान रास्ता दिखाता है; राज्य और यहां के लोगों को छोड़कर विदेश भाग जाना, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने अभी किया है।’ उन्होंने कहा, ‘भगवंत मान अपनी विदेश यात्रा के लिए जनता के पैसे का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। हो सकता है कि वह पिछले 4.5

सालों में बड़े पैमाने पर किए गए भ्रष्टाचार से कमाए गए ‘काले धन’ को ठिकाने लगाने गए हों।’ केंद्र सरकार की ओर से राजनीतिक मंजूरी न दिए जाने के बावजूद पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को फ्रांस

जाने की अनुमति दे दी। केंद्र ने सुरक्षा खतरों और फ्रांसीसी सरकार की ओर से कोई औपचारिक निमंत्रण न होने का हवाला देते हुए मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। विदेश मंत्रालय द्वारा 15 से 21 अक्टूबर तक भगवंत मान

की प्रस्तावित फ्रांस यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी देने से इनकार किए जाने के बाद पंजाब सरकार हाईकोर्ट पहुंची थी। इस यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रवि भगत भी शामिल हैं।

फ्रेंच ओपन 2026: पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन की वापसी पर नजरें, पहले दौर में कड़ी चुनौती

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों की नजरें खराब फॉर्म को पीछे छोड़कर दमदार वापसी करने पर होंगी। अनुभवी पीवी सिंधू और पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन सहित कई भारतीय खिलाड़ी मंगलवार से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेंगे। पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी आन से यंग से होगा, जबकि लक्ष्य सेन जापान के कोदाई नाराओका से भिड़ेंगे।

सिंधू के सामने आन से यंग की चुनौती – दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल के पहले दौर में दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त आन से यंग के खिलाफ उतरेंगी। सिंधू पिछले सप्ताह डेनमार्क



ओपन में जर्मनी की यवोन ली से पहले दौर में हार गई थीं। ऐसे में फ्रेंच ओपन में वापसी के लिए उन्हें अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना



होगा। आन से यंग जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सिंधू के लिए शुरुआत से ही आक्रामक और संयमित खेल दिखाना जरूरी होगा।

चोट से उबरने के बाद लय

हासिल करना चाहेंगे लक्ष्य सेन

पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन पहले दौर में जापान के कोदाई नाराओका से मुकाबला करेंगे। लक्ष्य पीठ की चोट से उबरने के बाद नाराओका को हराने और एशियाई खेलों की पुरुष टीम स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक दिलाने में सफल रहे थे। हालांकि, इसके बाद उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। फ्रेंच ओपन उनके लिए अपनी लय वापस हासिल करने और आगामी मुकाबलों से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने का अहम अवसर होगा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी की नजरें जीत के साथ वापसी पर

पुरुष युगल में भारत की प्रमुख जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी फ्रेंच ओपन में मजबूत प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। एशियाई खेलों में यह जोड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गई थी। फ्रेंच ओपन के शुरुआती मुकाबले में उनका सामना फ्रांस के भाइयों क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव से होगा। घरेलू दर्शकों के सामने खेलने वाली फ्रांसीसी जोड़ी को चुनौती देने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तालमेल पर विशेष ध्यान देना होगा।

किदांबी श्रीकांत और आयुष शेट्टी के बीच भारतीय मुकाबला

पुरुष एकल में भारत के किदांबी श्रीकांत का सामना पहले दौर में हमवतन आयुष शेट्टी से होगा। इस मुकाबले में एक भारतीय खिलाड़ी का अगले दौर में पहुंचना तय है, जबकि दूसरे का सफर पहले दौर में समाप्त हो जाएगा। दोनों खिलाड़ियों के लिए यह मुकाबला अपनी क्षमता साबित करने और टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का मौका होगा।

संक्षिप्त

समाचार

साउथ कोरिया की आन सी-यंग ने डेनमार्क ओपन जीता यह 47वां खिताब, सबसे ज्यादा बैडमिंटन टाइटल जीतने वाली महिला खिलाड़ी



कोरिया (एजेंसी)। साउथ कोरिया की आन से-योंग ने बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने रविवार को डेनमार्क ओपन के फाइनल में जापान की अकानो यामागुची को 21-23, 21-14, 21-18 से हराया। डेनमार्क के ओडेंस शहर में मिली इस जीत के साथ सी-योंग के इंटरनेशनल टाइटल की संख्या 47 हो गई। उन्होंने इंडोनेशिया की दिग्गज सुसी सुसांती (46 टाइटल) के 29 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने इसकी पुष्टि की। बीडब्ल्यूएफ के रिकॉर्ड 1989 से रखे जा रहे हैं और इनमें रीजनल टूर्नामेंट में जीते खिताब शामिल नहीं हैं। बीडब्ल्यूएफ ने 24 साल की एन सी-योंग को 'ऑल टाइम ग्रेट' बताया।

सी-योंग ने कहा- मैं और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूँ

जीत के बाद सी-योंग ने कहा, 'मैं बहुत इतिहास बनाना और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूँ, लेकिन एक समय में एक मैच पर ध्यान देती हूँ।' उन्होंने कहा, 'यही मेरी प्रेरणा है। दर्शक मेरे लिए आते हैं और मुझे खुशी है कि लोग मेरा हर मैच पसंद करते हैं।' दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी अन लगातार 105 हफ्तों से शीर्ष रैंकिंग पर हैं। उन्होंने 2025 में एक सीजन में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे। इस साल भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी है।

सिंहई मास्टर्स

एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने रवा इतिहास, शंघाई मास्टर्स का खिताब जीता



शंघाई (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस खिलाड़ी एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने शानदार वापसी करते हुए अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीत लिया। उन्होंने हमवतन राफेल जोदार को हराकर शंघाई मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। फोकिना एक सेट और एक ब्रेक से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और 1-6, 7-6 (5), 6-4 से जीत दर्ज कर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब हासिल किया।

एक सेट से पिछड़ने के बाद फोकिना की शानदार वापसी

27 वर्षीय फोकिना शंघाई के किजोंग फॉरेस्ट स्पोर्ट्स सिटी परेना में खेलें गए फाइनल में शुरुआत में संघर्ष करते नजर आए। वह पहला सेट 1-6 से हार गए और दूसरे सेट में भी 2-3 से पिछड़ रहे थे। हालांकि, उन्होंने मुकाबले में वापसी करते हुए दूसरा सेट टाईब्रेक में 7-6 (5) से जीता। इसके बाद निर्णायक सेट में 6-4 से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमा लिया।

प्रज्ञान ओझा BCCI के चीफ सिलेक्टर बने

अजित अगरकर की जगह लेंगे, रमेश पोवार सीनियर सिलेक्शन कमेटी में शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा को अजित अगरकर की जगह बीसीसीआई का चीफ सिलेक्टर बनाया गया है। वहीं, सिलेक्शन कमेटी में अजित अगरकर की जगह पर पूर्व भारतीय स्पिनर रमेश पोवार को शामिल किया गया है। अब पुरुष टीम की नई चयन समिति में प्रज्ञान ओझा (चेयरमैन), शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय राजा और रमेश पोवार हैं।

पोवार ने दो टेस्ट और 31 वनडे खेले – पोवार ने भारत के लिए दो टेस्ट और 31 वनडे खेले हैं। वह मुंबई के पूर्व भारतीय स्पिनर हैं। इसके अलावा, वह दो अलग-अलग कार्यकाल में भारतीय सीनियर विमेन टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। रमेश पोवार ने 10 नवंबर 2015 को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया था।

दो बार महिला टीम के कोच रहे – रमेश पोवार दो अलग-अलग कार्यकालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच रहे। उन्होंने पहली बार 2018 में यह जिम्मेदारी संभाली थी और बाद में मई 2021 में उन्हें फिर से इस पद पर नियुक्त किया गया था।



प्रज्ञान ने इंटरनेशनल करियर में 140+ विकेट लिए

प्रज्ञान ने 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी-20 इंटरनेशनल खेले। बाएं हाथ के स्पिनर ने टेस्ट में 113, वनडे में 21 और टी-20 इंटरनेशनल में 10 विकेट लिए। टेस्ट में उनका बेस्ट परफॉर्मेंस 6/47 रहा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में प्रज्ञान के नाम कुल 424 विकेट दर्ज हैं। इसके लिए उन्होंने 108 मैच खेले। 2018 में उन्होंने अपना अंतिम फर्स्ट क्लास मैच बिहार के लिए उत्तराखंड के खिलाफ खेला। आईपीएल में वो डेक्कन चार्जर्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेले। हालांकि, 2015 से वो आईपीएल की किसी टीम का हिस्सा नहीं हैं।

मिताली राज के साथ हुआ था विवाद

पोवार का सबसे चर्चित विवाद 2018 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कप्तान मिताली राज के साथ हुआ था। मिताली ने उन पर भेदभाव करने, अपमानित करने और करियर को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। यह विवाद तब और गहरा गया जब मिताली को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से बाहर कर दिया गया, जिसके बाद पोवार को पद से हटा दिया गया था।

अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे की कमेटी ने किया चयन

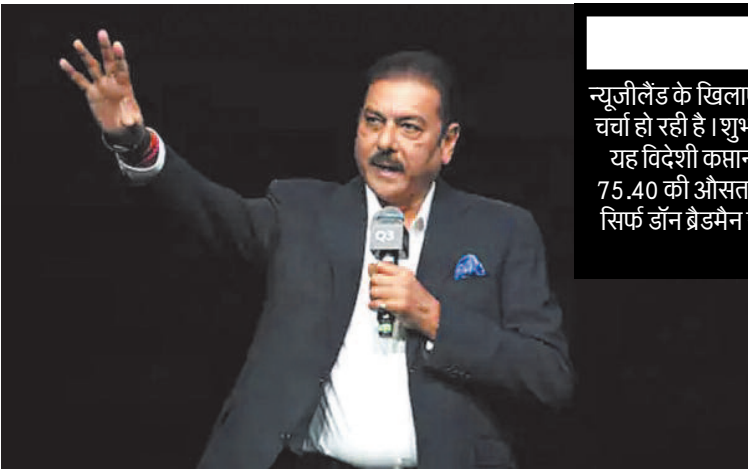
बीसीसीआई के मुताबिक, क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी में अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे शामिल थे। कमेटी ने बीसीसीआई मुख्यालय में आवेदनकर्ताओं की स्क्रीनिंग और इंटरव्यू किए। इसके बाद रमेश पोवार के नाम पर मुहर लगी।

रवि शास्त्री बोले- बुमराह वर्ल्डकप तक तीनों फॉर्मेट न खेलें

टेस्ट को प्राथमिकता देने की सलाह दी, न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बुमराह के ज्यादा इस्तेमाल से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जसप्रीत बुमराह को अगले साल के अंत में होने वाले एर दिवसीय वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट नहीं खेलना चाहिए।

शास्त्री ने रविवार देर रात स्टाट स्पोर्ट्स में कहा कि बुमराह टेस्ट क्रिकेट खेलें। वनडे और टी20 में उन्हें कभी-कभार ही उतारा जाए, ताकि वह चोट से बच सकें। बुमराह न्यूजीलैंड दौरे से कॉम्पिटिटिव



क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वे सीरीज खेलेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट कीवियों के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की

न्यूजीलैंड दौरे पर गिल की कप्तानी की परीक्षा

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर सबसे ज्यादा ध्यान है। ऐसे में विदेशी दौरे पर टीम की कप्तानी को लेकर भी चर्चा हो रही है। शुभमन गिल ने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ सीरीज में अपनी कप्तानी साबित की थी। यह विदेशी कप्तान के तौर पर उनका पहला दौरा था। गिल ने उस सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे। टेस्ट सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में गिल सिर्फ डॉन ब्रेडमैन से पीछे हैं। ब्रेडमैन ने एक सीरीज में 810 रन बनाए थे। इसके बाद गिल ने अपने दूसरे विदेशी दौरे में श्रीलंका के खिलाफ 1-0 से सीरीज जीती।

मुझे नहीं लगता कि उसे एक दिवसीय वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट खेलने चाहिए। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए और वनडे-टी20 में कभी-कभार उतरना चाहिए। उसे पूरी सीरीज या हर मैच नहीं खेलना चाहिए। मैं उसे टेस्ट मैचों के लिए बचाकर रखना चाहूंगा। यह बहुत जरूरी है। वह भारतीय टीम का अहम सदस्य है।

इसके बाद बाकी फॉर्मेट में उसका इस्तेमाल सीमित तौर पर होना चाहिए। यह एक कड़ी परीक्षा है। न्यूजीलैंड की घरेलू परिस्थितियों में उसे हराना आसान नहीं है। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया को उस पर बहुत हासिल रही है।' उन्होंने आगे कहा, विदेशी दौरे पर एक युवा कप्तान के लिए यह अच्छा चैलेंज होगा।

बिना हाथ की तीरंदाज शीतल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बराबर किया

पैरा एशियन गेम्स में 704 अंक लिए, भारतीय महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में नंबर-1

नईदिल्ली (एजेंसी)। बिना हाथ की तीरंदाज शीतल देवी ने नागोया में चल रहे पैरा एशियन गेम्स में सोमवार को वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकि तुर्की की ओजुर गिर्डी के नाम था। 19 साल की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में 720 में से 704 अंक हासिल किए। शीतल ने 72 तीरों में 57 बार परफेक्ट 10 लगाए। इनमें 32 शॉट लक्ष्य के सबसे अंदरूनी स्कोरिंग जोन में लगे। पेरिस पैरालिंपिक की कांस्य पदक विजेता शीतल ने पायल के साथ भारत को महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर पहुंचाया। भारत ने 1,379 अंक के साथ चीन को पीछे छोड़ा।

शीतल ने नया एशियन रिकॉर्ड बनाया – जम्मु-कश्मीर की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में लगभग हर शॉट पर सटीक निशाना लगाया। उनके 32 शॉट लक्ष्य के



सबसे अंदरूनी हिस्से में लगे, जिन्हें डू कहा जाता है।

शीतल ने पिछला एशियन रिकॉर्ड छह अंकों से बेहतर किया। यह रिकॉर्ड 698 अंक का था। 704 अंक के साथ उन्होंने एशियन पैरा गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाया। मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन शीतल ने अपना एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड भी बेहतर किया। उन्होंने 2023 में हांगझोउ में 680 अंक बनाए थे। पायल 675 अंक के साथ 5वें नंबर पर रही एशियन गेम्स में डेब्यू कर रहीं पायल ने भी महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 675 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। ओडिशा की चारों अंगों से दिव्यांग

भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

शीतल और पायल के कुल 1,379 अंकों से भारत महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहा। चीन 1,338 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत के मजबूत क्वालिफिकेशन प्रदर्शन से टीम को सीधे सेमीफाइनल में जगह मिली। भारतीय जोड़ी अब 5वीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड और चौथी वरीयता वाले कजाकिस्तान के बीच क्वार्टर फाइनल के विजेता से खेलेंगी।

मंधाना की कप्तानी में भारत की लगातार दूसरी जीत

जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया; शेफाली की फिफ्टी, स्मृति ने नाबाद 47 रन बनाए

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने दूसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हरा दिया। रायपुर में पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 102 रन बनाए। जवाब में भारत ने 8.5 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। ओपनर शेफाली वर्मा ने 25 गेंद पर 55 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान स्मृति मंधाना 23 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रही।

शेफाली ने टी-20 में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाए – शेफाली वर्मा ने 2026 में विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में 922 रन बनाए हैं। वह एक कैलेंडर इयर में इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने इसी साल 824 रन बनाए।





‘द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट’ की कामयाबी से खुश हैं तमन्ना

तमन्ना भाटिया इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेसस में से हैं, जिन्हें बॉलिवुड का लकी मस्कट कहा जाता है। वे अपने निर्माता-निर्देशकों के लिए काफी लकी मानी जाती हैं। इंडस्ट्री में तकरीबन 20 साल बिता चुकी तमन्ना साउथ के बाद बॉलिवुड की भी चाहती अभिनेत्री बन गई हैं। इन दिनों वे चर्चा में यहीं अपनी नई फिल्म ‘द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट’ से। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है और तमन्ना की भूमिका को भी खूब सराहना मिली है।

बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्म को मिली कामयाबी को लेकर तमन्ना बहुत खुश हैं। वे कहती हैं, ‘इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर्स के बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। बिहार का ये खूबसूरत कल्चर हमने पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही वो पल

हैं, जो दर्शकों को जोड़ रहे हैं। फोकलोर को सिर्फ रेगुलर तरीके से दिखाने के बजाय उसे बड़े स्टाइल में, खासकर फैमिली ऑडियंस के लिए पेश किया गया है। आज हमें एक ही जॉनर की नहीं, बल्कि मल्टी-जॉनर फिल्मों की जरूरत है, जो अलग-अलग तरह के दर्शकों को एक साथ एंगेज करें और जिनका कोर हमारी संस्कृति से जुड़ा हो। इस फिल्म में छठी मैया के गाने और छठ महापर्व को जिस तरह कहानी का हिस्सा बनाया गया है, उसने दर्शकों को बहुत आकर्षित किया। इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर्स के बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। बिहार का ये खूबसूरत कल्चर हमने पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही वो पल हैं, जो दर्शकों को जोड़ रहे हैं।

ऐसे कांड दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं

हाल ही में तमन्ना एक पौराणिक फिल्म का हिस्सा रही हैं। हमने तमन्ना से जानना चाहा कि एक तरफ हमारे यहां नारियों को पूजा जाता है, मगर दूसरी तरफ आप दिन जमुई कांड और आस्था कुंज गैंगरेप

जैसे दरिंदगी से भरी घटनाएं जारी हैं। इस पर वे कहती हैं, ‘मेरा मानना है कि समाज में अच्छे भी हैं और बुराई भी, तो हमारी जिम्मेदारी ये है कि हम बार-बार उस अच्छाई को जागरूक करते रहें, क्योंकि बुराई को हम पूरी तरह से रोक तो नहीं पाएंगे। मगर जब हम बार-बार अच्छाई को उभारेंगे, तो उस स्थिति से निपट पाएंगे। ये जितनी भी घटनाएं होती हैं, बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं, मगर एक कलाकार का काम है कि वह अपनी कला से लोगों को महसूस करा सके कि अच्छाई बाकी है, तो उसे बार-बार बुलंद करना होगा। मेरे हाथ में ये हैं और मैं ये कोशिश लगातार करती रहती हूं।’

माता-पिता हमेशा मेरा सपोर्ट सिस्टम रहे

तकरीबन हर लड़की कभी न कभी किसी छेड़खानी का शिकार हुई होती हैं, ऐसे में तमन्ना खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उनके साथ ऐसी घटना कभी हुई। वे कहती हैं, ‘मैं बहुत लकी हूं, मेरे माता-पिता ने मुझे हमेशा प्रोटेक्ट किया। मैंने बहुत छोटी उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। अगर उनका सपोर्ट न होता, तो मुझे जिंदगी के बेस्ट अनुभव नहीं मिलते। मगर मेरा बचपन बहुत शानदार रहा। मेरी किशोरावस्था में भी वे हमेशा मेरे साथ थे। आज भी मेरे पास उनके जैसा एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम है।

मैं इस मामले में भाग्यशाली हूं कि पेरेंट्स के साथ ने मुझे हमेशा सुरक्षित रखा। मेरे साथ ऐसा कोई बुरा अनुभव नहीं हुआ, मगर मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी हैं और मुझे सहानुभूति है। जिनके साथ ऐसा होता है, वो बहुत दर्दनाक होता है।’

पैप्स का जॉब बहुत मुश्किल होता है

पैपराजी की पसंदीदा अभिनेत्रियों में से हैं तमन्ना। उन्हें दूसरे कई कलाकारों की तरह पैप्स से चिढ़ते नहीं देखा है। वे कहती हैं, ‘हमारे पैप्स बहुत स्वीट हैं। वो भी हमारे और आपके जैसे लोग हैं। मैं लोगों में अंतर नहीं देखती हूं। वो भी इंसान हैं और बहुत मेहनत करते हैं। कई बार घंटों इंतजार करते हैं कि स्टार्स आएँ और वे पिवस विलक करें। उनका काम बहुत मुश्किल है। इंसान बहुत सरल होते हैं, उन्हें सिर्फ प्यार और सम्मान की चाह होती है। अगर आप उन्हें वो प्रेम और सम्मान दें, तो वो भी खुश रहेंगे, आप भी।’ कपैनियनशिप के बारे में वे कहती हैं, ‘बहुत जरूरी है ये की आपके पास एक अच्छा साथी हो। अच्छा साथी आपको मजबूत और खुशनुमा फील कराता है।’



मॉन्स्टर में सलमान बने सीक्रेट रॉ एजेंट

सलमान खान और निर्देशक वामसी पेटिपल्ली की फिल्म ‘मॉन्स्टर’ को लेकर एक्सक्लूसिव डिटेल्स सामने आई हैं। सूत्रों के मुताबिक फिल्म में सलमान हिडन आइडेंटिटी वाले रॉ अधिकारी की भूमिका में हैं। इससे पहले वह यशराज की ‘टाइगर’ फ्रेंचाइज में रॉ एजेंट का किरदार निभा चुके हैं लेकिन इस फिल्म में उनका किरदार अपनी पहचान छिपाकर आगे बढ़ता जाता है। कहानी में उसकी असली पहचान धीरे-धीरे सामने आएगी। फिल्म में सलमान के किरदार का एक बड़ा टकराव अभिमन्यु सिंह के किरदार से होता है, जो डेयरी ओनर की भूमिका में हैं। डेयरी परिसर और उससे जुड़े फैक्ट्री परिया में बड़े एक्शन सीक्वेंस फिल्माए गए हैं। सलमान हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट के साथ आस-पास मौजूद चीजों को भी लड़ाई का हिस्सा बनाते दिखेंगे। इस सीक्वेंस का अंत बड़े ब्लास्ट्स के साथ होता दिखेगा।

अरविंद स्वामी फिल्म में एक पुलिस अधिकारी बने हैं

डेयरी वाला सीक्वेंस खत्म होने के बाद कहानी का फोकस रेलवे और नेपाल ट्रैक की तरफ बढ़ता है। नेपाल जाने वाली ट्रेन में एक बड़ा एक्शन सीक्वेंस है, जिसमें ‘रोजा’ फेम अरविंद स्वामी भी अहम भूमिका में हैं। अरविंद फिल्म में पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। उनका ट्रैक कहानी के बड़े कॉन्फ्लिक्ट से जुड़ा है और ट्रेन वाला सीक्वेंस इसी का अहम हिस्सा होगा। ट्रेन के सुरंग में प्रवेश करने के दौरान चेज, अरेस्ट और एस्कैप की परिस्थितियां बनती हैं। इसी दौरान सलमान का कई लोगों से सामना होता है। सितंबर के आखिरी सप्ताह में मुंबई में सलमान और अरविंद ने इसकी शूटिंग की।



सनी की फिल्म ‘इक्का 2’ की तैयारी हुई शुरू

सनी देओल की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म ‘इक्का’ के दूसरे पार्ट को लेकर नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की कहानी लिखने का काम शुरू हो चुका है और इसके अगले साल आगे बढ़ने की उम्मीद है। पहले पार्ट में वकील अर्जुन मेहरा के किरदार में नजर आए सनी एक बार फिर मुख्य भूमिका निभाएंगे। अभी इसकी शूटिंग शुरू होने की तारीख और रिलीज को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है। ‘इक्का’ के पहले पार्ट में अक्षय खन्ना ने भी अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनके और सनी के किरदारों के बीच टकराव कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा था। दोनों कलाकारों को एक साथ देखने का मौका मिलने से भी फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता थी। अब दूसरे पार्ट में अक्षय के शामिल नहीं होने की खबर सामने आई है।



नकुल धुल के एक्विशन पर एल्विश ने दी प्रतिक्रिया

रियलिटी शो ‘बिग बॉस-20’ के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नकुल धुल (मिदू डॉन) और गुल्लू (कुशल तंवर) के बीच तीखी हाथापाई हो गई। इसी पूरे ड्रामे पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी-2 के विनर एल्विश यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इस शारीरिक हिंसा के बाद शो के नियमों के मुताबिक मेकर्स ने नकुल धुल को घर से बाहर निकाल दिया है। इसी पूरे मामले पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव ने अपना रिप्लेशन दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने नकुल को इंडायरेक्टली तंज कसा। एल्विश यादव ने लिखा, ‘बहुत दिनों बाद आज बिग बॉस देखा। नियम बदल गए हैं, अब शायद जो भी घर में बड़े या समझदार की तरह रहता है उसे ही निकाल देते हैं। दुख हुआ देखकर।’ एल्विश यादव के इस कमेंट ने सोशल मीडिया पर टकराव और भी ज्यादा बढ़ा दिया है, जिससे दोनों के फैस के बीच सोशल मीडिया वॉर छिड़ गया है। जहां एक तरफ एल्विश यादव गुल्लू के साथ खड़े हैं, वहीं दूसरी ओर रजत दलाल और लक्ष्य चौधरी जैसे बड़े नाम इस लड़ाई में नकुल धुल के गेमप्ले और उनके इम्यूवट का समर्थन करते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, काजी तौकीर ने स्काउट ओपी के बारे में कुछ कहा था, जिसे लेकर नकुल धुल ने स्काउट के सामने यह बात उठाई। जब काजी और स्काउट के बीच बहस हो रही थी, तब गुल्लू (कुशल तंवर) बीच-बचाव करने और मामला शांत कराने पहुंचे। नकुल धुल इस बात पर भड़क गए कि गुल्लू उन्हें समझने वाले कौन होते हैं। बहस इतनी बढ़ी कि नकुल और गुल्लू के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई हो गई। घर के सदस्यों के बीच-बचाव के बावजूद, फिजिकल वायलेंस (हिंसा) के नियमों के चलते बिग बॉस ने नकुल धुल को तुरंत घर से बाहर (बेघर) कर दिया।



राधिका ने बताया खुद को ट्रोलिंग से कैसे बचाया

बॉलिवुड अभिनेत्री राधिका मदान ने महिलाओं के लुक को लेकर दबाव डोलने पर बात की। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर सेलेब्स के लुक को ट्रोल करने पर भी काफी कुछ कहा।

राधिका मदान ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपना निजी संघर्ष भी साझा किया। उन्होंने बातचीत में कहा, ‘मैंने फिल्म ‘पटाखा’ के लिए 15 किलो वजन बढ़ाया था और ‘शिद्वत’ व ‘अंग्रेजी मीडियम’ के लिए मैं वह वजन घटा रही थी। इस दौरान मुझे कहा गया कि मैं बहुत मोटी हो गई हूं और हीरोइन कैसे बन सकती हूं? इसके बाद लगातार शूटिंग करते हुए मेरा वजन घटता रहा और मैं बिल्कुल हड्डियों का ढांचा बन गई।’ आगे अपने इंटरव्यू में राधिका ने कहा, ‘मैंने खुद से पूछा कि मैं लोगों को खुश करने की कोशिश क्यों कर रही हूं, जबकि वे कभी खुश नहीं होंगे? इसलिए, मैंने एक खास शारीरिक बनावट पाने की चाहत के बजाय स्वास्थ्य रहने पर ध्यान देना शुरू किया। एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो दूसरों की राय आपको प्रभावित नहीं करती, क्योंकि आप समझदार हो जाते हैं। आपको नहीं पता कि उनकी आलोचना किस असुरक्षा से उपजी है। लेकिन मुझे इस बात का सुकून है कि अब मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही हूं।’



रणबीर कपूर की ‘रामायण’ में जटायु के रूप में दिखेंगे अनुपम खेर

रणबीर कपूर की फिल्म ‘रामायण’ को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है। अब फिल्म के मेकर्स ने जटायु के किरदार का पहला पोस्टर जारी किया है। फिल्म में जटायु के किरदार को एक्टर अनुपम खेर अपनी आवाज देंगे। ‘द विंग्स ऑफ धर्मा’ टाइटल वाले इस पोस्टर में जटायु की तेज नजरों की झलक दिखाई गई है। वहीं, दूसरे विजुअल में जटायु अपने विशाल पंख फैलाए नजर आ रहे हैं। मेकर्स फिल्म के अलग-अलग किरदारों के पोस्टर जारी कर रहे हैं और इसी कड़ी में जटायु का लुक सामने

आया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ‘‘जब बुराई ने उड़ान भरी, तो उसका सामना करने के लिए साहस खड़ा हुआ। उसने जीत के लिए नहीं, बल्कि सही के लिए लड़ाई लड़ी। जटायु। द विंग्स ऑफ धर्मा।’ ‘रामायण’ में जटायु के रूप में अनुपम खेर।’

रामायण की कहानी में जटायु का किरदार साहस, बलिदान और धर्म की मिसाल माना जाता है। जब रावण माता सीता का हरण करके उन्हें लंका ले जा रहा था, तब जटायु ने उसे रोकने की कोशिश की थी। वह जानते थे कि रावण से मुकाबला करना आसान नहीं होगा, इसके बावजूद उन्होंने सीता को बचाने के लिए उससे युद्ध किया। इस दौरान जटायु गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपनी आखिरी सांसों तक धर्म का साथ नहीं छोड़ा। इससे पहले मेकर्स फिल्म से भगवान राम, कैकेयी और कुछ अन्य किरदारों के पोस्टर भी जारी कर चुके हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। निवेश तिवारी के निर्देशन में बन रही ‘रामायण’ दो हिस्सों में रिलीज होगी। फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियो ने डीएनईजी और यश की मॉन्टर माईड क्रिएशंस के साथ मिलकर बनाया है। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि दूसरा पार्ट दीपावली 2027 पर रिलीज होगा।



बॉडी में आ रहे हैं इन बदलावों को कभी न करें नजरअंदाज!

शरीर के सभी अंगों का सही तरह से काम करना बहुत जरूरी है। ज्यादातर लोग शरीर से जुड़ी छोटी-मोटी परेशानियों को नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन बाद में यह बीमारी का रूप ले लेती है। अगर आपको भी शरीर से जुड़े कोई लक्षण दिखें तो उसे भूलकर भी इग्नोर न करें, तुरंत डॉक्टरों जांच करवाएं।

जानें किन लक्षणों में सतर्क रहना है जरूरी

■ बार-बार मिठाई खाना

अगर अचानक आपका दिल मिठाई खाने को कर रहा है तो इसका मतलब है कि आपके शरीर में शुगर की कमी है। ऐसे में आप शहद खा सकते हैं।

■ मसूढ़ों में खून आना

कई बार ब्रश करते समय मसूढ़ों में खून आने लगता है। शरीर में विटामिन-सी की कमी के कारण ऐसा होता है। ऐसे में अपनी डाइट में खट्टे फल, पालक, टमाटर, फूलगोभी और शिमला मिर्च शामिल करें।

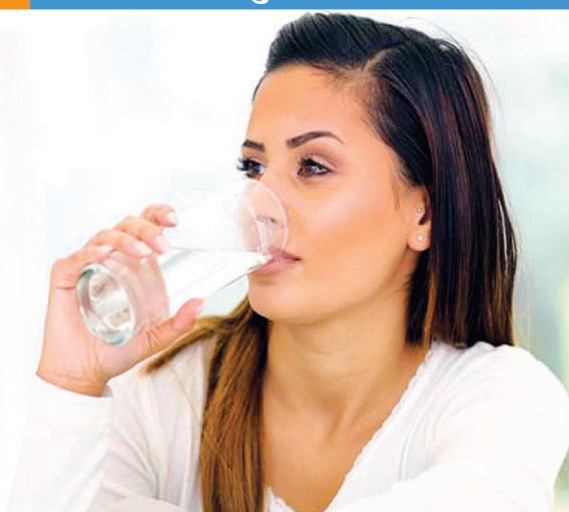
■ ड्राई स्किन

शरीर में विटामिन-ई की कमी के कारण त्वचा ड्राई होने लगती है। ड्राई स्किन से छुटकारा पाने के लिए हरी सब्जियां, मशरूम, तेल और मछली का सेवन करें।

■ खुरदरे नाखून

अगर आपके नाखून खुरदरे हैं तो इसका मतलब आपके शरीर में विटामिन-बी की कमी है। इसके लिए दूध, नारियल और मशरूम खाएं।

सुझाव



डीहाईड्रेशन की समस्या में अपनाएं ये उपाय

सर्दियों के मौसम में पसीना न आने के कारण और कम प्यास लगने के कारण डीहाईड्रेशन की समस्या हो जाती है। इसके अलावा सर्दियों में सांस लेने-छोड़ने के दौरान मुंह से निकलने वाली भाप शरीर में पानी का स्तर कम कर देती है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आप सर्दियों के मौसम में डीहाईड्रेशन की समस्या से बचाव करके खुद को सुरक्षित रख सकते हैं।

इस तरह रखें ख्याल

- सर्दियों के मौसम में इससे बचने के लिए दिन में कम से कम 1 बार पानी में थोड़ा-सा नमक और चीनी मिलाकर पीएं।
- रोजाना 8-10 गिलास गुनगुना पानी पीने से आप डीहाईड्रेशन की समस्या से बच सकते हैं।
- दिन में 1 बार नारियल पानी पीने से आपके शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाती है।
- मसालेदार भोजन, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक्स और चॉकलेट का सेवन आपके शरीर में पानी की कमी का कारण बन सकती है।
- धूम्रपान, शराब, सिगरेट और तम्बाकू के कारण भी आपको डीहाईड्रेशन की समस्या हो सकती है। इसलिए इन चीजों से दूरी बनाकर रखने में ही आपकी भलाई है।
- सर्दियों में ऐसे फलों का सेवन ज्यादा करें जिससे आपके शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाए। इसके लिए आप हरी सब्जियां, चावल, दही, सेब, संतरा और मौसंबी का सेवन कर सकते हैं।
- सर्दियों में टंड से बचने के लिए आप टाइट और फसे हुए कपड़े पहन लेते हैं। इसकी बजाए गर्म लेकिन कम और ढीले कपड़े पाएं।

इस भागती-दौड़ती जिंदगी में लोगों के पास टाइम कम है और काम ज्यादा। ऐसे में बहुत से लोग बचे हुए खाने को फ्रिज में रख देते हैं और उसे बाद में गर्म करके खा लेते हैं।

इन चीजों को दोबारा गर्म भूलकर भी न करें

को दोबारा गर्म करें, तो ये नाइट्रेट जहर में तब्दील हो जाता है।

■ चुकंदर

चुकंदर में भी भरपूर मात्रा में नाइट्रेट पाया जाता है। इसे दोबारा गर्म करके खाने से आपके पेट में दर्द हो सकता है।

■ अंडे

उबले अंडे, आमलेट, एग करी या अंडे की भुजीं को दोबारा गर्म करने से यह जहरीली हो जाती है और आपका डाइजेशन सिस्टम खराब हो जाता है।

■ मशरूम

मशरूम को काटने भर से ही उसमें मौजूद प्रोटीन तत्व कम होने लगते हैं। इसलिए इसे एक बार पकाने के बाद फिर से गर्म करके खाने से आपका पेट खराब हो सकता है।

■ विकन

विकन खाने के शौकीन लोग इस बात का ध्यान रेंके कि रेफ्रिजरेट किए हुए विकन को दोबारा गर्म न करें। इसे दोबार गर्म करके खाने से डाइजेशन सिस्टम खराब हो जाता है।

कच्चे चावलों में जीवाणु होते हैं, जो पकने के बाद भी जिंदा रहते हैं। अगर चावल पकाने के बाद उन्हें रूम टेम्परेचर पर छोड़ दिया जाए तो ये जीवाणु बैक्टीरिया में बदल जाते हैं। ऐसे चावलों को खाने से उल्टी और दस्त का खतरा बढ़ जाता है।

■ आलू

आलू को अगर उबालने के बाद रूम टेंपरेचर पर ठंडा होने के लिए रख दें, तो गरमाहट से उसमें बॉटुलिज्म नाम का एक रेयर बैक्टीरिया उत्पन्न हो जाता है, जो माइक्रोवेव में गर्म करने से भी जिंदा रहता है। ऐसे में जरूरी है कि उबालने के बाद इसे ठंडा होने के लिए सीधे फ्रीजर में डाल दें।

■ पालक व अन्य पत्तेदार सब्जियां

पालक और दूसरी पत्तेदार सब्जियों में काफी मात्रा में नाइट्रेट पाया जाता है। अगर इन सब्जियों

जानकारी



कमजोर हड्डियों को मजबूत बनाएं ये आहार...

सर्दियों में बहुत से लोगों को जोड़ों में दर्द की समस्या रहती है। जब हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, जिस वजह से बार-बार उनमें दर्द रहने लगता है। अगर आप भी सर्दियों में इस तरह की परेशानी से गुजर रहे हैं तो अपने खान-पान में थोड़ा बदलाव लाएं। इससे काफी फायदा होगा। अपने आहार में ऐसी चीजों को शामिल करें, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखेंगी। हम आपको कुछ ऐसे आहार के बारे में बताएंगे, जिनको सर्दियों में खाना काफी फायदेमंद हो सकता है।

दही हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद है। दही में शक्कर डालने के बजाए, उसमें ज़ीरा या नमक मिलाकर खाएं।



● पनीर विटामिन डी होता है, जिसको खाने से हड्डियां मजबूत रहती है। ध्यान रखें कि पनीर को ज्यादा तेल में न तले। इसके अलावा पनीर को छिल्ल करके भी खाया जा सकता है।

● दूध में विटामिन डी होता है, जिसको ड्राई फ्रूट्स में मिलाकर पीएं। इससे जोड़ों से जुड़ी कई प्रॉब्लम दूर होगी।

● संतरे के रस में भी विटामिन डी मौजूद होता है। लेकिन ध्यान रखें कि जूस में ज्यादा शुगर की मात्रा न हो।

● फिश में भी विटामिन मौजूद होते हैं। इसको खाने हड्डियों की समस्या दूर रहती है।

● अंडा भी आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। इसलिए रोजाना एक अंडे का सेवन जरूर करें। इसको आप जैसे चाहें उबाल कर या फिर ऑमलेट बनाकर खाएं।

● मशरूम में भी विटामिनस मौजूद होते हैं। इसको बढ़ती उम्र के लोगों के लिए मशरूम काफी फायदेमंद है। इसको आप सब्जी या अन्य किसी तरह खा सकते हैं।

कॉट लिवर तेल में विटामिन डी मौजूद होता है। इसका रोजपाना एक चम्मच खाएं और आपको इसके कैल्शुम भी मिल जाएंगे, जिन्हें आप खा सकते हैं।

ये हैं अमरुद के अनगिनत फायदे

कब्ज और सूजन हो जाएगी गायब

अमरुद मीठे और स्वादिष्ट फलों में से एक हैं जो कई बीमारियों का इलाज भी करता है। अमरुद में विटामिन सी, विटामिन ए, कैल्शियम, आयर्न जैसे सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इतना ही नहीं, इसके बीज और पत्तियां भी काफी फायदेमंद हैं। अमरुद खाने की सलाह तो डॉक्टरों भी देते हैं, क्योंकि इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियां जैसे कब्ज, मधुमेह अन्य से छुटकारा मिलता है। आइए जानते हैं अमरुद के अनगिनत फायदे, जिनके बारे में सभी को पता होना चाहिए।

■ **पाचन क्रिया दुरुस्त:** अमरुद को काले नमक के साथ खाएं। इससे पाचन क्रिया ठीक रहेगी और पेट संबंधी कई समस्याएं दूर होंगी।

■ **पेट के कीड़े :** अगर बच्चे के पेट में कीड़े हैं तो बच्चे को अमरुद खिलाएं काफी फायदा मिलेगा।

■ **आंखों की सूजन :** कई बार आंखों के नीचे काले घरे और सूजन आने लगती है जिससे आंखें काफी अजीब लगती हैं। ऐसे में अमरुद की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बनाएं और आंखों के नीचे लगाएं।

कब्ज

कब्ज की समस्या बहुत से लोगों को रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए सुबह खाली पेट पका हुआ अमरुद खाएं। कब्ज दूर होगी।

मुंह की दुर्गंध

अमरुद की पत्तियों को चबाने से मुंह की दुर्गंध दूर होगी और दांतों का दर्द दूर होगा।

कमजोरी दूर

अमरुद हाई एनर्जी फ्रूट है, जिसमें विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते हैं। रोजाना अमरुद का सेवन करने से शरीर की कमजोरी दूर होती है।

दिल के लिए फायदेमंद

अमरुद में मौजूद पोटीशियम और मैग्नीशियम दिल और मांसपेशियों को मजबूत और दुरुस्त रखते हैं। दिल की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

सर्दी-जुकाम

नियमित अमरुद का सेवन करने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं दूर होती हैं।

कैंसर

अमरुद में लाइकोपीन नामक फाइटो न्यूट्रिएंट्स मौजूद होता है जो शरीर को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाए रखता है।

इम्युनिटी बढ़ाने के लिए रोजाना खाएं ये आहार

नारियल पानी

शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर भी कमजोरी आनी शुरू हो जाती है। नारियल पानी पीने से इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा अच्छी हो जाती है और यह कुरतरी खनिज पदार्थों का भी बहुत अच्छा स्रोत है।

पपीता

पपीता ब्लड के प्लेटलेट्स बढ़ाने में मददगार है। पपीते की पत्तियों का रस पीने या फिर पका पपीता खाना भी लाभकारी होता है।

रेसिपी

एग्लेस आमलेट

सामग्री

■ बेसन: 130 ग्राम

■ मैदा: 70 ग्राम

■ नमक: 1/2 छोटा चम्मच

■ बेकिंग पाऊडर: 1 छोटा चम्मच

■ पानी: 550 मिलीलीटर

■ नींबू का रस: 1 छोटा चम्मच

■ तेल: जरूरत अनुसार

■ टमाटर: स्वादानुसार

■ प्याज: स्वादानुसार

■ धनिया: स्वादानुसार

विधि

एक बाउल में 130 ग्राम बेसन, 70 ग्राम मैदा, 1/2 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच बेकिंग पाऊडर, 550 मिलीलीटर पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 1 छोटा चम्मच नींबू का रस मिलाकर गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। एक पैन को मध्यम आंच पर रखें और इसमें थोड़ा सा तेल डालें। अब तैयार किए गए मिश्रण को इसमें डालकर करीब 1 मिनट तक पकाएं। इस पर स्वादानुसार थोड़े टमाटर, प्याज और धनिया डालें। इसे 30 सेकंड तक और पकाएं। आपका एग्लेस आमलेट तैयार है, सर्व करें।

जरदा राइस (मीठे चावल)

सामग्री

■ पानी: 2 लीटर ■ नमक: 1/2 छोटा चम्मच

■ पानी: 2 बड़े चम्मच

■ ऑर्गेनिक फूड कलर (ऑरेंज रेड): 2 छोटे चम्मच

■ भिंगोए हुए चावल : 300 ग्राम

■ ची: 100 ग्राम ■ इलायची : 4 फली

■ लौंग: 4 ■ चीनी: 200 ग्राम

■ केवड़ा एसेंस: 1 छोटा चम्मच ■ टूटी फल्टी: 2 छोटे चम्मच

■ बादाम: 1 बड़ा चम्मच ■ पिस्ता: 1 बड़ा चम्मच

■ खोया: 2 बड़े चम्मच ■ गुलाब जामुन : जरूरत अनुसार

■ रसगुल्ल: जरूरत अनुसार

विधि

एक बर्तन में 300 ग्राम चावल धोएं और इन्हें 3 से 4 घंटे के लिए पर्याप्त पानी में भिंगोकर रख दें। मध्यम आंच पर एक पॉट में 2 लीटर पानी गर्म करें और इसमें इसमें 1/2 छोटा चम्मच नमक भी डाल दें। इसके बाद एक कटोरी में 2 बड़े चम्मच पानी डालें और इसमें 2 छोटे चम्मच ऑर्गेनिक फूड कलर (ऑरेंज रेड) डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इस मिश्रण को आंच पर रखें पानी में मिलाएं कर दें। अब 300 ग्राम भिंगोए हुए चावल को इसमें डालकर अच्छी तरह से मिला लें। इसे तब तक उबालें जब तक कि चावल अच्छे से पक न जाए। फिर इसे आंच से उतार कर एक तरफ रख दें। एक अन्य कड़ाही में 100 ग्राम घी डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 4 इलायची, 4 लौंग डालकर मिलाएं। फिर इसमें उबले हुए चावल मिलाकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद इसमें 200 ग्राम चीनी, 1 चम्मच केवड़ा एसेंस डालकर अच्छे से मिलाएं। इसे तब तक पकाएं, जब तक कि चीनी पूरी तरह से घुल न जाए। अब चावल में 2 छोटे चम्मच टूटी फल्टी, 1 बड़ा चम्मच बादाम, 1 बड़ा चम्मच पिस्ता, 2 बड़े चम्मच खोया डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसे ढक्कन के साथ कवर करें और 10 मिनट तक पकाएं। चावल को सर्व करने वाले बर्तन में डालकर टूटी फल्टी, खोया, रसगुल्ल, गुलाब जामुन, बादाम और पिस्ता के साथ गार्निश करें। आपके जरदा राइस (मीठे चावल) तैयार हैं, इन्हें सर्व करें।